वार्षिक प्रतिवेदन
ANNUAL REPORT
2023-2024

केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान
(सम विश्वविद्यालय)
(चोगलमसर, लेह केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख)

Institute of Buddhist Studies
(Deemed to be University)
(Choglamsar, Leh (Union Territory of Ladakh)

वार्षिक प्रतिवेदन

ANNUAL REPORT
2023-2024

केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान
(सम विश्वविद्यालय)
चोगलमसर, लेह (केंद्र शासित प्रदेश–लद्दाख)

Central Institute of Buddhist Studies
(Deemed to be University)
Choglamsar, Leh,Union Territory of Ladakh

विषयानुक्रमणी

क्रमांक		पृ.सं.
1.	संक्षिप्त इतिहास	1
2.	उद्देश्य	2
3.	संस्था	3
4.	प्रबन्धन	4
5.	निधि	5
6.	कर्मचारी संख्या	5
7.	संकाय तथा विभाग और नवीन प्रवेश	5
8.	संगोष्ठी/परिसंवाद/कार्यशाला	9
9.	विशेष व्याख्यान/अन्य शैक्षिक क्रियाकलाप	11
10.	दवाइयों की सुविधा	12
11.	**सोवा रिगपा मेडिकल कॉलेज**	13
12.	छात्र–विनियम कार्यक्रम	15
13.	एसडब्ल्यूसी की नई कार्यकारिणी समिति	15
14.	शैक्षिक यात्रा	18
15.	प्रकाशन	19
16.	शोध कार्य	19
17.	परिसर	19
18.	पुस्तकालय	20
19.	संग्रहालय	21
20.	पाठ्यक्रम	21
21.	छात्रवृत्ति	22
22.	विद्यार्थियों को पाठ्य पुस्तकों एवं कापियों का निःशुल्क वितरण	23
23.	परीक्षा परिणाम	23
24.	गोनपा/श्रामणेरी विद्यालय	23
25.	प्रथम दीक्षांत समारोह	24
26.	स्थापना दिवस समारोह	26

27.	अन्य महत्वपूर्ण घटनाएँ	27
28.	हिमालयी बौद्ध संस्कृति विश्वकोश संकलन के लिए परियोजना	33
39.	पाण्डुलिपि संरक्षण केन्द्र	33
30.	**शैक्षणिक उपलब्धियाँ**	34
31.	उपाधि/डिप्लोमा–पत्र प्राप्त करने के पश्चात् छात्रों का नियोजन	48
32.	पाठ्य पुस्तकों का परिशोधन और संपादन	49
33.	डुजिंग फोडंग विद्यालय जंस्कार	49
34.	बौद्ध दर्शन संस्कृत विद्यालय, मंडोगुल ु(हि.प्र.)	51
35.	परिशिष्ट	
i)	सोसाइटी	52
ii)	प्रबन्धकारिणी समिति की संरचना	53
iii)	विद्या परिषद् की संरचना	54
iv)	वित्तीय समिति की संरचना	56
v)	प्रकाशन समिति की संरचना	56
vi)	पुस्तकालय समिति की संरचना	56
vii)	शोध समिति की संरचना	57
viii)	केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान की कर्मचारी संख्या	57
ix)	केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह का परीक्षा परिणाम	59
x)	गोनपा/श्रामणेरी विद्यालयों के विद्यार्थियों के विद्यालयवार एवं कक्षावार नामांकन	61
xi)	परीक्षा परिणाम (डी.पी.एस.,जंस्कार)	65
xii)	कर्मचारी संख्या(डी.पी.एस.,जंस्कार)	65
xiii)	परीक्षा परिणाम (बी.डी.एस.वी., मंडोगुलु)	66
xiv)	कर्मचारी संख्या(बी.डी.एस.वी., मंडोगुलु)	67

1.संक्षिप्त इतिहास :

सन् 1959 से पूर्व लद्दाख के विद्वान्, श्रामणेर एवं भिक्षु उच्च बौद्ध शिक्षा के लिए तिब्बत जाते थे। वे तिब्बत जाकर वहाँ के विभिन्न प्रसिद्ध महाविहारों, यथा– ड्रि–गुङ, ग–दन, सेरा, टशी–ल्हुनपो, ड्रे–पुङ, सक्या, सङ्–ङग–छोसलिङ, देरगे आदि में अनेक वर्षों तक बौद्ध विद्याओं का अध्ययन करते थे। परन्तु सन् 1959 की दुर्भाग्यपूर्ण घटना के परिणामस्वरूप अचानक इस परम्परा में व्यवधान पैदा हुआ। तत्पश्चात् यह आवश्यकता अनुभव की गई कि बौद्ध दर्शन के विधिवत् अध्ययन के लिए इस आर्य देश अर्थात् भारत में ही एक बौद्ध विद्या केन्द्र की स्थापना की जाय। बौद्ध संस्कृति एवं दर्शन के प्रचार–प्रसार के लिए लेह को चिह्नित किया गया, जो प्राकृतिक, भौगोलिक एवं पारम्परिक दृष्टि से सर्वथा अनुकूल था।

तदनुसार चौदहवें परम पावन दलाई लामा जी के वरिष्ठ गुरु योंगजिन लिङ रिन्पोछे द्वारा वर्तमान केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान की पूजन–विधि द्वारा वर्ष 1959 में स्थापना की गई। यह संस्थान प्रारंभ में 'बौद्ध दर्शन महाविद्यालय' के नाम से जाना जाता था और 10 भिक्षु छात्रों को प्रवेश दिया गया जो लद्दाख में स्थित दस प्रमुख गोनपाओं से संबद्ध थे। छात्रों को भोट साहित्य तथा बौद्ध दर्शन पढ़ाने के लिए दो अध्यापकों को नियुक्त किया गया था। लगभग तीन वर्षों तक सभी विद्यार्थियों एवं अध्यापकों का खर्च उपर्युक्त दस गोनपाओं ने वहन किया। सन् 1959 से 1961 तक यह विद्यालय लेह में संचालित किया गया।

सन् 1962 में स्व॰ भदन्त कुशोक बकुला जी के आग्रह पर तत्कालीन प्रधानमंत्री पण्डित जवाहरलाल नेहरू ने लद्दाख के लोगों के बीच इस प्रकार के संस्थान की आवश्यकता को अनुभव किया। तदनुसार उन्होंने इस संस्थान को प्रबंधन एवं वित्तीय सहायता के लिए भारत सरकार के संस्कृति विभाग को सौंपना स्वीकार किया। उसी वर्ष इसको लेह से लगभग 8 किलोमीटर की दूरी पर स्थित स्पितुग गाँव में स्थानान्तरित किया गया। सन् 1964 में संस्थान को एक शैक्षिक संस्थान के रूप में 1998 के जम्मू–कश्मीर पंजीकरण अधिनियम VI (1941 ई.) के तहत पंजीकृत किया गया। बौद्ध दर्शन और भोटी भाषा एवं साहित्य के अतिरिक्त संस्कृत, हिन्दी तथा अंग्रेजी विषयों का अध्ययन प्रारम्भ किया गया। सन् 1973 में संस्थान को सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी, उ॰प्र॰ से सम्बद्ध कराया गया और सीमांत क्षेत्र के छात्रों के लिए उपयुक्त पाठ्यक्रम शुरू किए गए।

15 जनवरी, 2016 को भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय (उच्चतर शिक्षा विभाग) वर्तमान में शिक्षा मंत्रालय ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सिफारिश पर यूजीसी अधिनियम की धारा 3, 1965 के तहत अधिसूचना संख्या एफ.9–5/2001–यू.3(ए) दिनांक 15–01–2016 के अनुसार केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह को

'सम विश्वविद्यालय' का दर्जा प्रदान किया गया।

संस्थान के प्रथम प्राचार्य बौद्ध विद्या के प्रकाण्ड तिब्बती विद्वान् भदन्त येशे थुबतन थे जिन्होंने 1959 से 1967 तक संस्थान के प्रथम प्राचार्य के रूप में कार्य किया। तत्पश्चात् प्रसिद्ध बौद्ध विद्वान भदन्त लोछोस रिन्पोछे जी की संस्थान के द्वितीय प्राचार्य के रूप में नियुक्ति हुई। डॉ॰ टशी पलजोर ने सन् 1979 से 2005 तक संस्थान के प्राचार्य के रूप में कार्य किया। सन् 2005 से 2010 तक पाँच साल प्राचार्य के रूप में कार्य करने के बाद डॉ0 नवांग छेरिंग संस्थान के प्राचार्य के पद से सेवा निवृत्ति हुए और 15 जून 2010 को डॉ0 वंगछुग दोर्जे नेगी ने प्राचार्य पद का प्रभार लिया। तदनन्तर, दिनांक 19–12–2011 को सम्पन्न हुई प्रबंधकारिणी की बैठक में प्राचार्य के पद को निदेशक के रूप में पुनः नामकरण करने का निर्णय लिया गया। दिनांक 12.12.2014 को डॉ. वंगछुग दोर्जे नेगी का कार्यकाल पूर्ण होने पर प्रो. कोनछोग वंगदु ने संस्थान के निदेशक के रूप में कार्य किया। दिनांक 28.12.2020 से प्रो. नवांग समतेन कुलपति, केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ ने संस्थान के प्रभारी निदेशक के रूप में छह महीने तक कार्य किया। तत्पश्चात् प्रो. बैद्यनाथ लाभ, कुलपति, नव नालन्दा महाविहार, नालन्दा को 22 मार्च 2023 तक संस्थान के निदेशक का कार्यभार सौंपा गया। इसके बाद, प्रोफेसर राजेश रंजन ने दिनांक 23 मार्च 2023 को कें. बौ. वि. सं. (सम विश्वविद्यालय) के प्रथम कुलपति के रूप में कुलपति पद का कार्यभार ग्रहण किया। तब से संस्थान तेजी से प्रगति के पथ पर अग्रसर है।

2. उद्देश्य

संस्थान का मूल उद्देश्य छात्रों की प्रतिभा अर्थात् व्यक्तित्व को बौद्ध विचार, साहित्य, कला एवं विविध आधुनिक विषयों के ज्ञान द्वारा विकसित और सुसज्जित करना है। सम्पूर्ण हिमालयी क्षेत्रों की बौद्ध संस्कृति एवं कला की शिक्षा हेतु यह इस देश का एक अपूर्व संस्थान है। संस्थान बौद्ध दर्शन और सांस्कृतिक अध्ययन में स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट का कार्यक्रम चलाती है उनकी फीडर स्कूलों को स्थापित और देखरेख करता है। उपर्युक्त उद्देश्यों की पूर्ति के लिए संस्थान ने निम्नलिखित लक्ष्य निर्धारित किए हैं–

1.) पूर्व में बौद्ध दर्शन महाविद्यालय के नाम से जाना जाने वाला शैक्षिक संस्थान केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, चोगलमसर लेह के विकास और प्रबंधन की देखभाल और सुसंचालन करना है।

2.) ज्ञान की शाखाओं में उत्कृष्टता एवं नवीनता की ओर ले जाने के लिए उच्च शिक्षा प्रदान करना, जिन्हें मुख्य रूप से स्नातकोत्तर और शोध डिग्री के स्तर पर उपयुक्त समझा जा सके, जो विश्वविद्यालय की अवधारणा के अनुरूप हों, अर्थात विश्वविद्यालय शिक्षा विवरण (1948), भारत में उच्च शिक्षा के नवीकरण, क्रियाकलाप पर समिति का विवरण (2009) और समीक्षा समिति विवरण के समवत् विश्वविद्याएँ (2009)।

3.) विश्वविद्यालय शिक्षा प्रणाली के उद्देश्य हेतु विशिष्ट सहयोग के लिए विशेष क्षेत्रों में परीक्षित योग्यता के साथ काम में लगाना है। अर्थात् शैक्षणिक काम एक सामान्य स्वभाव वाले कार्यक्रमों यथा– कला विषय, विज्ञान, इंजीनियरिंग, चिकित्सा, दंत चिकित्सा की पढ़ाई, फार्मेसी तथा प्रबन्ध आदि में पारंपरिक संस्थाओं द्वारा नियमित रूप से पारंपरिक डिग्री (उपाधि) प्रदान करता है, से स्पष्ट रूप से अन्तर करने योग्य हो।

4.) संस्थान में उपलब्ध सभी विषयों में पर्याप्त संख्या में पूर्णकालिक संकाय/शोधकर्ता (पीएचडी और पोस्ट–डॉक्टरल) द्वारा किए गए विभिन्न अनुसंधान कार्य क्रमों के माध्यम से ज्ञान की उन्नति और इसके प्रसार के लिए उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षण तथा अनुसंधान सुविधाएं प्रदान करना है।

5.) उपाधि और प्रमाणपत्र प्रदान करने के लिए बौद्ध दार्शनिक और सांस्कृतिक अध्ययन की विभिन्न शाखाओं के साथ–साथ अन्य संबंधित अध्ययनों में अध्ययन और अनुसंधान के विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए निर्देश प्रदान करना है।

6.) अध्ययन के उपर्युक्त क्षेत्र में और बौद्ध दर्शन की ऐसी अन्य संबंधित शाखाओं में शोध, प्रकाशन, जीर्णोद्धार और शिक्षा की उन्नति और ज्ञान के प्रसार के लिए सुविधाएं प्रदान करना, जैसा कि संस्थान उचित समझे।

7.) विश्व के किसी भी भाग में स्थित संस्थान के समान उद्देश्यों वाले शैक्षिक और अन्य संस्थानों के साथ इस प्रकार से सहयोग करना, जो उनके सामान्य उद्देश्यों के लिए अनुकूल हो।

8.) भारत और अन्य देशों से बौद्ध दर्शन एवं सांस्कृतिक अध्ययन के विद्वानों को व्याख्यान के लिए आमंत्रित करना, और बौद्ध दर्शन तथा संस्कृति पर संगोष्ठी, विचार–विमर्श और प्रवचन आयोजित करना।

9.) ऐसे सभी कार्यों को करना जो कि संस्थान के आंशिक या सम्पूर्ण उद्देश्यों को प्राप्त कराने में आवश्यक, प्रासांगिक एवं सहायक हों।

3. संस्था

संस्थान को सम विश्वविद्यालय का दर्जा दिया जाने के परिणामस्वरूप, यूजीसी द्वारा समय–समय पर संशोधित यूजीसी (सम विश्वविद्यालय संस्थान) विनियमों के अनुसार संस्था के संगम ज्ञापन और नियम एवं विनियमों को संशोधित किया जाना था। तदनुसार, इसे यूजीसी सम विश्वविद्यालय संस्थान (संशोधन) विनियम 2023 के अनुसार संशोधित किया जाना है। हालाँकि, ''केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान की समाज'' की संरचना यूजीसी (सम विश्वविद्यालय संस्थान) विनियम

2016 के अनुसार तैयार की गई है। मौजूदा समाज की संरचना को परिशिष्ट पृष्ठ संख्या .....पर दर्शाया गया है।

4. प्रबंधन

प्रबंधन के बोर्ड

संस्थान का प्रबंधन निदेशक/कुलपति, केंद्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह की अध्यक्षता में गठित एक प्रबंधकारिणी के द्वारा सम्पन्न होता है। इस प्रबंधकारिणी के सदस्यों का संगठन विभिन्न मंत्रालयों, विभागों, संघों, विश्वविद्यालयों तथा बौद्ध विद्वानों के प्रतिनिधियों से बना है। पदेन सदस्यों और कुलपति के अतिरिक्त प्रबंधन बोर्ड के सभी सदस्य तीन साल की अवधि के लिए पद पर रहेंगे और डीन के मामले में, कार्यकाल तीन साल या जब तक वे डीन का पद धारण करेंगे, तब तक होगा, इनमें से जो भी पहले हो। वर्ष के दौरान, केंद्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह के प्रबंधन बोर्ड की बैठक 11–08–2023 को संचलन आधार पर आयोजित की गई। प्रबंधन बोर्ड की वर्तमान संरचना परिशिष्ट के रूप में पृष्ठ सं. –– पर दर्शायी गई है।

विद्या परिषद

संगम–ज्ञापन और नियमों एवं विनियमों के अनुसार, संस्थान के अकादमिक मामलों में बोर्ड को सलाह देने के लिए प्रतिष्ठित विद्वानों और शिक्षाविदों से मिलकर एक अकादमिक परिषद की संरचना की गई है। संबंधित क्षेत्रों में बोर्ड को सलाह देने की आवश्यकता के अनुसार विद्या परिषद की एक शैक्षणिक वर्ष में कम से कम चार बार बैठक होती है। इस परिषद की वर्तमान संरचना परिशिष्ट के रूप में पृष्ठ सं. –– पर दर्शायी गई है।

वित्त समिति

संस्थान के संगम ज्ञापन और संस्थान के नियम एवं विनियम के अनुसार कुलपति की अध्यक्षता में एक वित्त समिति का गठन किया जाता है। वित्त समिति खातों की जॉच करने और व्यय के प्रस्तावों की जॉच करने के लिए एक शैक्षणिक वर्ष में कम से कम चार बार बैठक होती है। वित्त समिति की बैठकें 12–06–2023 और 16–10–2023 को आयोजित की गईं। इस समिति की वर्तमान संरचना परिशिष्ट के रूप में पृष्ठ सं. –– पर दर्शायी गई है।

प्रकाशन समिति

संस्थान हिमालय की कला, संस्कृति एवं भाषा से सम्बद्ध दुर्लभ ग्रन्थों तथा पाण्डुलिपियों का प्रकाशन भी करता रहा है। इन दुर्लभ ग्रन्थों/पाण्डुलिपियों को प्रेस में भेजने से पूर्व इनके प्रकाशन की समीक्षा एवं उपदोगिता प्रमाणित करने के लिए प्रकाशन समिति के समक्ष रखा जाता है। यह समिति प्रकाशन के क्षेत्र में प्रख्यात विद्वानों एवं विशेषज्ञों को जोड़कर बनी है। इस समिति की वर्तमान संरचना परिशिष्ट के रूप में पृष्ठ सं. –– पर दर्शायी गई है।

पुस्तकालय समिति

विषय विशेषज्ञों के अलावा, पुस्तकालय समिति में पुस्तकालय और सूचना विज्ञान के क्षेत्र के विशेषज्ञ भी शामिल होते हैं, जो पुस्तकालय के लिए खरीदी जाने वाली पुस्तकों की संस्तुति करते हैं और साथ ही अतिरिक्त कर्मचारियों, मशीनों की आवश्यकताओं सहित पुस्तकालय के उन्नयन और सुधार के लिए समय–समय पर उपकरण, डिजिटलीकरण, कैटलॉगिंग आदि संस्तुति करते हैं। इस समिति की वर्तमान संरचना को परिशिष्ट के रूप में पृष्ठ सं. –– पर दर्शायी गई है।

शोध समिति

संस्थान की शोध–समिति शोधवृत्ति हेतु शोध–छात्रों का चयन करने के लिए साक्षात्कार का कार्य–संचालन करती है और विषय–संक्षेप तथा शोध–कार्य की प्रगति की समीक्षा करती है। इस समिति की वर्तमान संरचना परिशिष्ट के रूप में पृष्ठ सं. ––दर्शायी गई है।

5. निधि

भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत संस्कृति विभाग इस संस्थान को सम्पूर्ण आर्थिक अनुदान प्रदान करता है। वर्ष 2023–24 के लिए संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार ने प्रबन्धन समिति, के.बौ.वि.वि., लेह द्वारा अनुमोदित संस्थान की विभिन्न योजनाओं को कार्यान्वित करने के लिए ₹ 3810.35 लाख स्वीकृत किए हैं।

6. कर्मचारी संख्या

संस्थान के प्रशासनिक अधिकारी तथा अन्य कर्मचारियों के सहयोग से संस्थान के कुलपति एक प्रमुख प्रशासनिक अधिकारी के रूप में संस्थान का पर्यवेक्षण करते हैं। केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह के कर्मचारियों की पदेन–वार संख्या, शैक्षणिक एवं शिक्षणेतर श्रेणी का पृथक् विवरण परिशिष्ट पृष्ठ संख्या –– पर दर्शाया गया है।

7. संकाय तथा विभाग

इस संस्थान को विश्वविद्यालय की पद्धति पर सुचारु तथा प्रभावी रूप से चलाने के लिए बौद्ध विहारों की परम्परा, पाँच महाविद्याओं के आधार पर संस्थान में संकायों एवं विभागों की स्थापना की गई है, जो निम्न प्रकार से है ।

1. अध्यात्म तथा न्यायविद्या संकाय (Faculty of Philosophy and Logic)

2. शब्दविद्या संकाय (Faculty of Literature and Language)
3. सोवा रिगपा (भोट चिकित्सा) एवं शिल्प विद्या संकाय (Faculty of Bhot Medical Sciece and Arts)
4. आधुनिक विद्या संकाय (Faculty of Modern Studies)

इस के अतिरिक्त उक्त संकायों को इनके अध्ययन के अनुसार विभिन्न विभागों में विभाजित किया गया है, जिनका वर्णन निम्नप्रकार है :

1. अध्यात्म तथा न्यायविद्या संकाय (Faculty of Philosophy and Logic)

यह संकाय मूलशास्त्र एवं विभिन्न सम्प्रदायों की शाखाओं सहित तीन विभागों से बना है। बौद्ध विहारों की प्रणाली के अनुसार अध्यात्म तथा न्यायविद्या दो स्वतन्त्र विद्याएँ हैं, जिनके अनेक विभाग हैं, परन्तु संस्थान के पाठ्यक्रम की अनुकूलता के लिए इनको साथ रखा गया है। उपरोक्त संकाय के अंतर्गत निम्न विभाग हैं–

i) भोट बौद्ध दर्शन विभाग
ii) संस्कृत बौद्ध दर्शन विभाग
iii) सम्प्रदाय शास्त्र विभाग

2. शब्दविद्या संकाय (Faculty of Literature and Languages)

यह संकाय विभिन्न विभागों से बना है, जिनका विवरण निम्नलिखित है:

i) भोट साहित्य विभाग
ii) शास्त्रीय भाषाओं का विभाग (संस्कृत और पालि)
iii) आधुनिक भाषाओं का विभाग (अंग्रेजी और हिन्दी)

3. सोवा रिगपा (भोट चिकित्सा) एवं शिल्पविद्या संकाय (Faculty of Bhot Medical Science and Arts)

संस्थान हिमालय की परम्परागत कला तथा संस्कृति को संरक्षण देने और उन्नत करने में अत्यधिक रुचि ले रहा है। तदनुसार इस क्षेत्र की कला तथा संस्कृति को संरक्षित एवं उन्नत करने हेतु निम्न विभागों की स्थापना की गई है :

i) **सोवा रिगपा तथा ज्योतिष विभाग**

रोगियों को जड़ी–बूटियों से निर्मित औषधियाँ उपलब्ध कराना इस क्षेत्र की सैकड़ों वर्ष से चली आ रही प्राचीन परम्परा है। इस प्रदेश में जब ऐलोपेथिक दवा नहीं थी, उस समय आमची विद्या (भोट चिकित्सा) ही अधिक प्रसिद्ध थी। वर्तमान समय में भी इस प्रदेश के लोग आमची (भोट चिकित्सा) को सर्वाधिक उपयोगी मानते हैं, क्योंकि इससे दुष्प्रभाव नहीं होते हैं। अब भारत सरकार ने सोवा रिगपा को एक पारंपरिक और उपयोगी चिकित्सा प्रणालियों के रूप

में मान्यता दी है। इसलिए लोग सोवा रिगपा चिकित्सा प्रणाली को चुनते हैं। उक्त बातों को ध्यान में रखकर संस्थान इच्छुक विद्यार्थियों को आमची (भोट चिकित्सा विद्या) की शिक्षा प्रदान कर रहा है। बारहवीं उत्तीर्ण विद्यार्थी, जिन्हें भोटी भाषा का पर्याप्त ज्ञान है, केवल वे ही बैचलर ऑफ सोवा रिगपा दवा और शल्य चिकित्सा एंड सर्जरी (बी.एस. आर.एम.एस) कोर्स में प्रवेश के लिए सुयाग्य हैं। ऐसे अनेक विद्यार्थी हैं, जिन्हें उक्त उपाधि प्राप्त हुई है और वे आज सरकारी एवं गैर–सरकारी पदों पर आमची कार्य कर रहे हैं।

भोट ज्योतिष और खगोल विज्ञान एक और ऐसा क्षेत्र है जिसे संरक्षित करने की आवश्यकता है। यह विभाग भोटी साहित्य में प्रतिपादित ज्योतिष और ब्रह्मांड विज्ञान का इतिहास और उनका समाज और संस्कृति से कैसे संबंध है, यह सिखाता है। अतीत में, ज्योतिषीय चार्ट बनाने और उनका अध्ययन करने के लिए ज्यामिति और खगोल विज्ञान के ज्ञान की आवश्यकता होती थी। थंका चित्र के लिए भी ज्यामिति और खगोल विज्ञान का ज्ञान आवश्यक है।

ii) पारंपरिक कला और शिल्प विभाग

(क) थंका चित्रकला विभाग

थंका चित्रकला इस क्षेत्र में बहुत प्रसिद्ध है। लद्दाख के बौद्ध विहारों में यह कला अत्यन्त प्रसिद्ध है, जिनमें विभिन्न प्रकार के थंका–चित्र एवं भित्ति–चित्र दिखाई पड़ते हैं। अलची विहार के भित्ति–चित्र तथा लामायुरु गोनपा के थंका–चित्र बहुत प्रसिद्ध हैं। इन विहारों में कुछ थंकाएँ हज़ारों वर्ष पुरानी हैं, जिनका आज भी दर्शन किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त यहाँ के प्रत्येक गाँव में एक गोनपा अवश्य दिखाई पड़ता है, जिसमें थंकाओं, भित्ति–चित्रों एवं मूर्तियों का अपार भण्डार है। गर्मी के समय में दुनिया भर से पर्यटक ल लद्दाख में स्थित थंकाओं, भित्ति–चित्रों, मूर्तियों तथा अन्य धार्मिक वस्तुओं से सुसज्जित बौद्ध विहारों का दर्शन करने आते हैं। संस्थान छात्रों के लिए थंका चित्रकला में विशेषज्ञता के साथ बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स पाठ्यक्रम चलाता है। थंका बनाने की सदियों पुरानी परम्परा को जीवित रखने के लिए अनेक विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

(ख) हिमालयी मूर्तिकला विभाग

लद्दाख क्षेत्र में मिट्टी से मूर्तियों तथा मुखौटों का निर्माण करना एक सामान्य बात है। जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है कि यहाँ के बौद्ध विहार मूर्तियों एवं मुखौटों से परिपूर्ण हैं। यहाँ के प्रत्येक विहार में विशेष तिथि पर धार्मिक त्योहार अर्थात् गुस्तोर/दोस्मोछे/छे–चु मनाए जाते हैं। इस अवसर पर विभिन्न प्रकार के बुद्धों, बोधिसत्वों, इष्टदेवों आदि की वेश–भूषा एवं मुखौटा धारण कर मुखौटा–नृत्य जो छमस् के रूप में प्रदर्शन किया जाता है, जो अत्यंत प्रसिद्ध है। संस्थान ने विद्यार्थियों को बुद्धों, बोधिसत्वों, देवी–देवताओं, इष्टदेवों आदि की मूर्तियों के निर्माण हेतु कला के प्रशिक्षणार्थ व्यवस्था कर रखी है। इच्छुक विद्यार्थी, जो बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण कर चुके है, उन्हें हिमालयी मूर्तिकला में विशेषज्ञता के साथ बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स पाठ्यक्रम प्रदान किया जाता है। वर्तमान में अनेक विद्यार्थी उक्त पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रशिक्षण

ले रहे हैं।

(ग) हिमालयी काष्ठकला विभाग :

प्राचीन काल में लद्दाख में पुस्तकों के प्रकाशन हेतु कोई मुद्रण यन्त्र उपलब्ध नहीं था। ऐसी स्थिति में लोग लकड़ी के ब्लॉकों से धार्मिक ग्रन्थों या अन्य ग्रन्थों की प्रतिलिपि प्राप्त कर लेते थे। धार्मिकग्रन्थों की लिपियाँ विशेषकर कठोर लकड़ी के ब्लॉक पर नियमित रूप से खोदी जाती हैं, जिससे बाद में पढ़ने के लिए किसी कागज़ पर छपाई की जा सके। एक बार किसी लकड़ी के ब्लॉक पर खुदाई हो जाने पर ज़ेरक्स मशीन की तरह उससे हज़ारों बार प्रतिलिपियाँ निकाली जा सकती हैं। प्राचीन काल में लद्दाख में यह कला अत्यन्त प्रसिद्ध थी। यहाँ बौद्ध विहारों एवं बौद्ध गृहों के छत पर पाँच रंगों की पताकाएँ फहराने की परम्परा है, जिन्हें दरचोग के नाम से जाना जाता है और मुख्य द्वारों पर बड़ी लम्बी पताका फहराई जाती हैं जो दरछेन कहलाती हैं। कपड़े की पताकाओं पर लकड़ी के ब्लॉकों से सूत्रपाठ, मन्त्र, लुङ्ता एवं ग्यलछ़न चेमो (द्वजाग्र) छापे जाते हैं, जो आध्यात्मिक शक्ति का प्रतीक हैं। उक्त काष्ठकला के निरन्तर संरक्षण के उद्देश्य से संस्थान ने हिमालयी काष्ठकला में विशेषज्ञता के साथ बैचलर ऑफ फाइन आर्टस के पाठ्यक्रम शुरू किए है। इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत छात्र लकड़ी के ब्लॉक के निर्माण के अतिरिक्त साज–सज्जा वस्तु, यथा– ड्रेगन, पक्षी, सिंह, घोड़ा आदि जन्तुओं एवं अन्य वस्तुओं की निर्माण कला का भी प्रशिक्षण लेते हैं। लद्दाख क्षेत्र में यह कला अत्यन्त प्रसिद्ध है और व्यक्ति अपनी जीविका के लिए इसे अच्छा व्यवसाय मानता है।

4. आधुनिक विद्या संकाय (Faculty of Modern Studies)

इस संकाय के अंतर्गत तीन विभाग हैं, जो निम्न प्रकार हैं :

i) बौद्ध पुराणेतिहास विभाग

ii) तुलनात्मक दर्शन विभाग

iii) सामाजिक विज्ञान विभाग (इतिहास, राजनीतिक विज्ञान/अर्थशास्त्र/शारीरिक शिक्षा)

नवीन प्रवेश

लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के विभिन्न मठों में स्थित गोनपा/ननरी स्कूलों, जो केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान के फीडर स्कूल हैं, उनमें छात्रों को सीधे प्रवेश दिया जाता है। निर्धारित प्रवेश के नियमों के अन्तर्गत प्रवेश समिति द्वारा साक्षात्कार के आधार पर छात्रों को कक्षा 6 से 9 तक छात्रों को इन कक्षाओं में सीटों की उपलब्धता के अधीन प्रवेश परीक्षा के आधार पर प्रवेश दिया जाता है। संस्थान के शाखा गोनपा विद्यालयों के विद्यार्थियों को संस्थान में सीधे प्रवेश दिया जाता है।

विश्वविद्यालय की कक्षाओं में कक्षा 12 (उ.म.) उत्तीर्ण करने के बाद प्रवेश दिया जाता है। इस के अतिरिक्त

छात्रों को बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स थंका चित्रकला, बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स भोट ज्योतिष और खगोल विज्ञान, बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स हिमालयी मूर्तिकला, बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स हिमालयी काष्ठकला, बैचलर ऑफ सोवा रिगपा ढवा और शल्य चिकित्सा एंड सर्जरी में भी सीटों की उपलब्धता के आधार पर प्रवेश दिया जाता है। आयुष मंत्रालय द्वारा बैचलर ऑफ सोवा रिगपा ढवा और शल्य चिकित्सा एंड सर्जरी पाठ्यक्रम में केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह को पंद्रह सीटें आवंटित की गई है और छात्रों को शैक्षणिक सत्र 2022–23 से सोवा रिगपा के लिए राष्ट्रीय पात्रता–सह–प्रवेश परीक्षा एनसीआईएसएम–नीट–एसआर (यूजी), के माध्यम से इस पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जाता है।

8. संगोष्ठी/परिसंवाद/कार्यशाला

केंद्रीय बौद्ध विद्या संस्थान (सम विश्वविद्यालय), लेह देश में बौद्ध अध्ययन के लिए एक अत्यन्त महत्वपूर्ण संस्थानों में से एक है। विगत वर्षों में विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहुँच बढ़ा रहा है। वर्ष 2023–24 के दौरान आयोजित किए गए संगोष्ठी/परिसंवाद/कार्यशाला आदि कार्यक्रमों का विवरण निम्न प्रकार है:

1. संस्थान के संस्कृत बौद्ध दर्शन विभाग ने 75 वें आज़ादी का अमृत महोत्सव के क्रम में 20 मई, 2023 को एक विशेष व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें संस्थान के सेवानिवृत एसोसिएट प्रो. उर्ग्यन डोडुल मुख्य अतिथि के रूप में थे और सेवानिवृत आचार्य छुलठीम ग्याछो मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष और समन्वयक गेशे डगपा कलसांग, शिक्षक और छात्र उपस्थित थे।

2. भोटी भाषा और साहित्य विभाग द्वारा भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के सहयोग से दिनांक 24 से 26 अगस्त, 2023 तक ''भोटी भाषा और साहित्य, भोटी साहित्य के ऐतिहासिक विकास और उसकी पद्धति के विशेष संदर्भ में'' विषय पर तीन दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद, लेह के माननीय अध्यक्ष, वकील टशी ग्यालछन, उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और लद्दाख के माननीय सांसद श्री जमयांग छेरिंग नामग्याल, लद्दाख बौद्ध महासंघ तथा लद्दाख गोनपा संघ के अध्यक्ष इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में

उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त, विभिन्न विश्वविद्यालयों के विद्वानों को आमंत्रित किया गया है और उन्होंने अपने बहुमूल्य

लेख प्रस्तुत किए। लद्दाख के विद्वानों, विश्वविद्यालय के शिक्षकों और छात्रों ने भी संगोष्ठी के विभिन्न सत्रों में अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। इस संगोष्ठी के समापन समारोह की अध्यक्षता लद्दाख गोनपा संघ के अध्यक्ष ने की। इस समारोह में लद्दाख के आम जनता, संस्थान के संकाय सदस्य और विश्वविद्यालय परिसट के छात्र शामिल हुए।

3. केंद्रीय बौद्ध विद्या संस्थान (सम विश्वविद्यालय), चोगलमसर, लेह के भोट बौद्ध दर्शन विभाग तथा चार संप्रदाय शास्त्र विभागों ने भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद (आईसीपीआर), नई दिल्ली के सहसयोग से 28 सितंबर, 2023 से 1 अक्टूबर, 2023 तक ''मध्यमिका प्रणाली के विकास में मध्यमिकालंकार का महत्व'' विषय पर चार दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। इस अवसर पर परम पूज्य ङोर पोनलोप रिनपोछे मुख्य अतिथि के रूप में संगोष्ठी के उद्घाटन समारोह को आशीर्वाद दिया। प्रो. राजेश रंजन, माननीय कुलपति, कें.बौ.वि.सं., लेह ने समारोह की अध्यक्षता की। संगोष्ठी के दौरान विभिन्न विश्वविद्यलयों और मठीय विश्वविद्यलयों से आमंत्रित विद्वानों ने विषय से संबंधित अपने बहुमूल्य पत्र प्रस्तुत किए। समारोह में संस्थान के संकाय सदस्य, छात्र उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त, लद्दाख के आम जनता ने भी संगोष्ठी में भाग लिया।

इस संगोष्ठी का समापन समारोह 1 अक्टूबर, 2023 को हुआ। इस अवसर पर अखिल लद्दाख बौद्ध संघ के उपाध्यक्ष श्री छेरिंग दोरजे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। विद्वानों, संस्थान के संकाय सदस्यों और छात्रों ने अपनी उपस्थिति से समारोह को सफल बनाया।

4. दिनांक 2 सितंबर, 2023 को भोट बौद्ध दर्शन विभाग, ञीङमा संप्रदाय विभाग, कार्यग्युद संप्रदाय विभाग, सक्या

संप्रदाय विभाग और गेलुग संप्रदाय विभाग ''जुङ कपो. थ ल्ङ (पाँच प्रमुख शास्त्र)'' विषय पर एक दिवसीय आंतरिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में कें.बौ.वि.सं., लेह के माननीय कुलपति प्रो. राजेश रंजन उपस्थित थे। संगोष्ठी के दौरान विश्वविद्यालय के पांच छात्रों ने बौद्ध धर्म के पांच मौलिक शास्त्रों पर अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए, जो इस प्रकार है, प्रमाण, मध्यमिका, प्रज्ञापारमित, अभिधर्मकोश

और विनय।

5. संस्थान के भोट बौद्ध दर्शन विभाग और संप्रदाय शास्त्र के चार विभागों द्वारा विश्वविद्यालय के छात्रों और वरिष्ठ उच्च माध्यमिक विद्यालय, के.बौ.वि.सं. लेह के छात्रों के लिए 01–05–2023 से 01–07–2023 और 15–08–2023 से 15–09–2023 तक सुबह 9.30 से 10.00 बजे तक बौद्ध दर्शन पर तर्क–वितर्क का आयोजन किया। तर्क–वितर्क ज्ञान को बढ़ाने और बुद्धि तेज करने और संज्ञानात्मक क्षमताओं को विकसित करने के लिए सबसे अच्छी विधियों में से एक है। इस तर्क–वितर्क से छात्रों को कई लाभ हो सकते हैं, जिनमें आलोचनात्मक विचार और विश्लेषण, प्रभावी संचार और अभिव्यक्ति, बेहतर शोध और सूचना एकत्र करने का कौशल, प्रथक समस्या–समाधान और तर्क क्षमता और विविध दृष्टिकोणों को प्रोत्साहित करना और समझ को व्यापक बनाना शामिल है। यह दार्शनिक तर्क–वितर्क, शीघ्रता से विचार करने और जवाबदेही, आत्मविश्वास और सार्वजनिक बोलने के कौशल, सम्मानजनक असहमति तथा खुले विचारों को भी बढ़ावा प्रदान करता है।

9. विशेष व्याख्यान/अन्य शैक्षिक क्रियाकलाप

(1) ग्यल–स्रस बकुला रिनपोछे व्याख्यान माला

संस्थान प्रत्येक वर्ष ग्यल–स्रस बकुला रिनपोछे व्याख्यानमालाका आयोजन करता है। इस कार्यक्रम के अंतगर्त संस्थान विभिन्न विषयों पर विशेष व्याख्यान देने के लिए प्रतिष्ठित विद्वानों को आमंत्रित करता है।

(2) वार्षिक/मासिक पत्रिका

संस्थान 'रिगपे दुद्चि' नामक एक वार्षिक पत्रिका तथा 'लोमे गछ़ल' और एक मासिक समाचार–पत्र भोटी में प्रकाशित करता है, जिनमें संस्थान के अध्यापक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी विभिन्न विषयों पर अपना लेख प्रस्तुत करते हैं।

विगत वर्ष में संस्थान के अध्यापकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न क्रिया–कलापों में प्राप्त किए गए चित्रों को मासिक पत्रिका में विशेष रूप से प्रकाशित किया गया । इस के अतिरिक्त ग्रीन तारा गर्ल्स हॉस्टल के द्वारा "ग्रोल–ल्जंग गी स्रोन–मई" नामक एक मासिक समाचार पत्र निकाला जाता है। ये सम्पूर्ण रूप से एक सांस्थानिक पत्रिका है एवं इसमें पूर्ण रूप से संस्थान के स्वरूप तथा उद्देश्य

को ही सम्मिलित किया जाता है।

10. दवाइयों की सुविधा

(i) औषधालयः संस्थान की अपनी एक दवाखाना है, जहाँ से विद्यार्थी, अध्यापकों एवं कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों की स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं का ध्यान रखता है और उन्हें दवाएँ उपलब्ध कराई जाती हैं। एक स्टाफ नर्स और एक नर्सिंग अर्दली डिस्पेंसरी की देखभाल करते हैं। यह डिस्पेंसरी आवश्यकता अनुसार कर्मचारियों और छात्रों की स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करता है और इसे सुचारू संचालन के लिए दवाइयाँ और आवश्यक उपकरण खरीदता है। विभाग संस्थान के विभिन्न शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों को दवाइयाँ वितरित करता है। वर्ष 2023–2024 के दौरान विभाग ने रु. 1,77,256.76 रुपये की दवाइयाँ खरीदीं। इसके अतिरिक्त, कुछ दवाइयाँ मुख्य चिकित्सा कार्यालय, लेह, केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख से भी प्राप्त हुईं।

(ii) सोवा रिगपा अस्पताल : संस्थान में थेरेपी सेंटर के साथ 10 बिस्तरों का सोवा रिगपा अस्पताल है। इसमें बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी), सोवा रिगपा ढवाई आदि, संपीड़न थेरेपी, शीत संपीड़न थेरेपी, गर्म तेल संपीड़न थेरेपी, मोक्सीबस्टन थेरेपी, गर्मी थेरेपी, औषधीय स्नान थ. रेपी और मालिश थेरेपी की सुविधाएँ उपलब्ध हैं। आम जनता सोवा रिगपा चिकित्सा उपचार का लाभ किसी भी कार्य दिवस पर सुबह 10.00 बजे से शाम 4.30 बजे तक ले सकती है।

सोवा रिगपा मेडिकल कॉलेज के छात्र इस संस्थान में पाँच वर्ष और छह महीने के लिए बैचलर ऑफ सोवा रिगपा मेडिसिन एंड सर्जरी (बीएसआरएमएस) कोर्स करते हैं। अब सोवा रिगपा अस्पताल मेडिकल कॉलेज से जुड़ा है, इसलिए छात्र आईपीडी और ओपीडी में व्यावहारिक कौशल देख और सीख सकते हैं। छात्र हमारे चिकित्सा केंद्र में चिकित्सा कौशल भी बढ़ा सकते हैं।

11. सोवा रिगपा मेडिकल कॉलेज और अस्पताल :

नालंदा परंपरा की सोवा–रिगपा चिकित्सा प्रणाली को संरक्षित करने के लिए , के.बौ.वि.सं. अब एनसीआईएसएम द्वारा मान्यता प्राप्त सोवा रिगपा मेडिकल कॉलेज और अस्पताल चला रहा है। यह पांच साल और छह महीने का कार्यक्रम प्रदान करता है, जिसका नाम है बैचलर ऑफ सोवा–रिगपा मेडिसिन एंड सर्जरी (बीएसआरएम) जिसमें हर वर्ष 15 छात्र प्रवेश ले सकते हैं। कॉलेज में आठ व्यावसायिक विभाग, दस बिस्तरों वाला एक अस्पताल है जिसमें चार विशेष आउटपेशेंट विभाग (ओपीडी), दो इनपेशेंट विभाग सर्जरी (आईपीडी) और एक द्प्याद–स्ब्योङ (पंचकर्म) विभाग है। एक फार्मास्यूटिकल्स यूनिट और एक हर्बल गार्डन है। आम जनता सोवा रिगपा चिकित्सा उपचार और अन्य सुविधाओं जैसे हॉट कम्प्रेशन थेरेपी, कोल्ड कम्प्रेशन थेरेपी, हॉट ऑयल कम्प्रेशन थेरेपी, मोक्सीबस्टन थेरेपी, हीट थेरेपी, मलिश स्नान थेरेपी, मालिश थेरेपी, पैथोलॉजिकल टेस्ट, सोवा रिगपा दवाइयाँ और ओपीडी परामर्श का लाभ सभी कार्य दिवसों में सुबह 10 बजे से शाम 4.30 बजे तक उठा सकते है।

के.बौ.वि.सं. इस सोवा रिगपा चिकित्सा प्रणाली को हिमालयी बौद्ध संस्कृति की एक अनूठी अभिव्यक्ति के रूप में मानता है और इसका संरक्षण पारंपरिक ज्ञान और प्रथाओं की निरंतरता सुनिश्चित करता है, सांस्कृतिक पहचान और विरासत को मजबूत करता है। सदियों से सोवा रिगपा हिमालय में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली रही है। दुर्गम क्षेत्रों में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के अभाव में स्मानपा (सोपा रिगपा चिकित्सक) आज भी लोगों के लिए उपचार का विश्वसनीय स्रोत बने हुए हैं। इसलिए सोवा रिगपा पर शिक्षा प्रदान करने के मुख्य उद्देश्य हैं:

- छात्रों को इस चिकित्सा प्रणाली के अभ्यास में सुविधा प्रदान करना।
- छात्रों और सोवा रिगपा शोधकर्ताओं को अनुसंधान मार्गदर्शन प्रदान करना।
- स्मग्र स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में योगदान देना।
- सोवा रिगपा कॉलेज की मोबाइल स्वास्थ्य सेवा इकाई के माध्यम से सामुदायिक सेवा प्रदान करना।

सोपा रिगपा का इतिहास और मौलिक सिद्धांत विभाग : शास्त्रीय सोवा रिगपा ग्रंथों के माध्यम से सोवा रिगपा के ऐतिहासिक विकास और दार्शनिक आधारों की खोज करता है, पारंपरिक चिकित्सा ज्ञान की वंशावली का पता लगाता

है और अभ्यास को रेखांकित करने वाले मूल दर्शन की जांच करता है।

मानव शरीर रचना विज्ञान और शरीर–क्रिया विज्ञान विभाग : इस विभाग को एनसीआईएम के न्यूनतम आवश्यक मानकों–2022 के साथ संरेखित करने के लिए बनाया गया है, जो मानव शरीर की संरचना और कार्य की गहन समझ प्रदान करता है, शास्त्रीय सोवा रिगपा सिद्धांतों और आधुनिक चिकित्सा विज्ञान दोनों को एकीकृत करता है और समकालीन निष्कर्षों के साथ पारंपरिक शारीरिक अवधरणाओं को संश्लेषित करता है।

मटेरिया मेडिका, फार्माकोलॉजी और फार्मास्यूटिक्स विभाग : यह विभाग औषधीय पौधों, खनिजों और सोवा रिगपा के अभिन्न अंग के निर्माण का अध्ययन करता है। यह सुरक्षित और प्रभावी चिकित्सीय तैयारियों को सुनिश्चित करने के लिए कठोर गुणवत्ता नियंत्रण विधियों के साथ–साथ पारंपरिक फार्मास्यूटिक्स को कवर करता है। एक व्यावहारिक प्रयोगशाला पाठ्यक्रम को बढ़ाती है, जो छात्रों को पारंपरिक उपचारों के प्रसंस्करण, निष्कर्षण, निर्माण और गुणवत्ता आश्वासन में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करता है।

रोग निवारण और सोवा रिगपा पैथोलॉजी विभाग : यह विभाग रोग के कारणों को समझने, निदान पद्धतियों को विकसित करने और सोवा रिगपा ढांचे के भीतर निवारक स्वास्थ्य देखभाल रणनीतियों को लागू करने में माहिर है, जिसमें पैथोलॉजी के पारंपरिक सिद्धांतों को समकालीन निदान तकनीकों के साथ एकीकृत किया जाता है और समग्र कल्याण को बढ़ावा देने में एक प्रमुख तत्व के रूप योग अभ्यासों को शामिल किया जाता है।

बाहरी चिकित्सा और सर्जरी विभाग : यह विभाग पारंपरिक बाहरी उपचारों और छोटी शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं, व्यावहारिक दक्षता और रोगी सुरक्षा में छात्रों को प्रशिक्षित करने में संक्षय है। पाठ्यक्रम में द्प्याद–स्ब्योङ (पंचकर्म) चिकित्सा और डीप्याड जैसी तकनीकों को शामिल किया गया है।

सामान्य चिकित्सा विभाग : यह विभाग सोवा रिगपा सिद्धांतों और चिकित्सीय पद्धतियों के अनुसार समग्र दृष्टिकोण के माध्यम से

सामान्य बीमारियों के निदान और उपचार पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।

बाल रोग और स्त्री रोग विभाग : यह विभाग सोवा रिगपा प्रणाली के भीतर बाल स्वास्थ्य, मातृ देखभाल और स्त्री रोग संबंधी उपचारों पर ध्यान केंद्रित करता है।

नैदानिक मनोविज्ञान और विष विज्ञान विभाग : यह विभाग बौद्ध सिद्धांतों के साथ शास्त्रीय सोवा रिगपा ज्ञान को जोड़कर मानसिक स्वास्थ्य प्रबंधन और पारंपरिक मनोरोग दृष्टिकोणा की खोज करने के लिए समर्पित है। पाठ्यक्रम चित्त, शरीर और आत्मा के परस्पर संबंध पर जोर देता है, जो शास्त्रीय सोवा रिगपा का एक मूल सिद्धांत है।

सोवा रिगपा कॉलेज का लक्ष्य छात्रों की संख्या 15 से बढ़ाकर 45 करके अपनी शैक्षणिक क्षमता को बढ़ाना और आधिकारिक रूप से राजपत्रित होने के बाद एनसीआईएसएम नियमों के तहत एमडी और पीएचडी कार्यक्रम शुरू करना है।

12. छात्र–विनियम कार्यक्रम

केंद्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह शीतकालीन अवकाश के दौरान केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान के साथ छात्र विनियमक कार्यक्रम का आयोजन करता था। हालाँकि, रिपोर्ट के अनुसार वर्ष के दौरान यह कार्यक्रम आयोजित नहीं किया गया।

13. एसडब्ल्यूसी की नई कार्य कारिणी

छात्र कल्याण समिति (एसडब्ल्यूसी), के.बौ.वि.सं., लेह के नए कार्यकारी सदस्यों का चुनाव डीन, छात्र कल्याण की देखरेख में 10 अप्रैल, 2023 को संस्थान के इंटर–हाउस के छात्रों के बीच हुआ था। एसडब्लयूसी शिक्षाविदों से

संबंधित विभिन्न कार्यक्रम जैसे सम्मेलन, शीतकालीन कार्यशाला, संगोष्ठी आदि आयोजित करता है। प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार, एसडब्लयूसी ने शैक्षणिक सत्र 2023–24 के दौरान तीन दिवसीय सम्मेलन और शीतकालीन कार्यशाला आदि का आयोजन किया गया, जिनका विवरण निम्न प्रकार हैं:

शीतकालीन कार्यशाला

केंद्रीय बौद्ध विद्या संस्थान (सम विश्वविद्यालय) की छात्र कल्याण समिति ने 17 दिसंबर, 2023 से 16 जनवरी, 2024 तक चलने वाली छठी शीतकालीन कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला का उद्घाटन संस्थान के माननीय कुलपति प्रो.राजेश रंजन द्वारा किया गया। इस अवसर पर संस्थान के प्रशासनिक अधिकारी, प्राचार्य, वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय शीतकालीन कार्यशाला के सभी चार शिक्षकों, परीक्षा नियंत्रक और छठी शीतकालीन कार्यशाला के प्रतिभागी उप. स्थिति थे। कुलपति महोदय इस बात से प्रसन्न थे कि छात्रों ने इस कार्यशाला का पहल की और अधिक ज्ञान प्राप्त किया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य एक गतिशील वातावरण को बढ़ावा देना है जो कौशल विकास और दर्शन, विभिन्न भाषाओं और विभिन्न गतिविधियों पर आधारित नवीन अवधारणाओं की खोज को प्रोत्साहित करता है। यह वातावरण प्रतिभागियों को अपनी छिपी प्रतिभा और कौशल को उजागर करने के लिए प्रोत्साहित करता है और हमें इस बात का पूरा भरोसा है कि छात्रों को मंच का सामना करने और अपने उद्देश्यों को व्यक्त करने के लिए अधिक आत्मविश्वास और सावधानी मिलेगी। कें.बौ.वि.सं. के वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय (एस.एस.एस.) और केंद्रीय बौद्ध विद्या संस्थान (सम विश्वविद्यालय) के कुल 50 छात्रों ने छठी शीतकालीन कार्याशाला में सक्रिय रूप से भाग लिया।

अखिल लद्दाख कॉलेज छात्र सम्मेलन

केंद्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह की छात्र कल्याण समिति ने केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी, उत्तर प्रदेश की छात्र कल्याण समिति तथा कला, संस्कृति और भाषा अकादमी, लेह, के सहयोग से दिनांक 4 से 6 जून, 2023 तक ''लद्दाख की संस्कृति और युवा जिम्मेदारी'' विषय पर तीन दिवसीय छठे वें अखिल लद्दाख

कॉलेज छात्र सम्मेलन का आयोजन धर्मासेंटर, चोगलामसर में किया।

सम्मेलन में समृद्ध लद्दाखी संस्कृति की उद्धार और संरक्षण से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि परम पूज्य स्क्यबजे बकुला रंगडोल ञीमा थे तथा इस अवसर पर अन्य विशिष्ट अतिथि भी उपस्थित थे। कें.बौ.वि.सं., लेह के छात्रों के अलावा कें.उ.ति.शि.सं., सारनाथ, वाराणसी, राजकीय बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, लेह, लद्दाख पब्लिक स्कूल, लेह, सिद्धार्थ हाई स्कूल, स्तोग, लेह, महाबोधी आवासीय विद्यालय, साबू थांग, लेह, जवाहर नवोदय विद्यालय, लेह, राजकीय हाई स्कूल, छुशोद, लमडोन मोर्डेने सीनियर से. केंडरी स्कूल, लेह तथा डुग पद्मा करपो, शे के छात्रों ने भी सम्मेलन में भाग लिया। इस सम्मेलन में प्रख्यात शिक्षाविदों और शैक्षिक प्रशासकों ने भाग लिया और सभा को संबोधित किया। दिनांक 6 जून 2023 को समापन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गेशे छेवङ दोरजे, निदेशक, ङरिस सस्थान, साबू मुख्य अतिथि के रूप में उप. स्थित रहे और भोटी भाषा और साहित्य विभाग के अध्यक्ष खनपो कोनछोग थुपस्तान अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अति महत्वपूर्ण व्यक्तियों ने अपने संबोधन में प्रचीन समृद्ध लद्दाखी संस्कृति को पुनर्स्थापित और संरक्षित करने पर एक बहुत ही महत्वपूर्ण सम्मेलन आयोजित करने के लिए सभी प्रतिभागी छात्रों की सराहना की। सम्मेलन के समापन समारोह के अवसर पर सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

एक दिवसीय स्वास्थ्य परामर्श सत्र

केंद्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह की छात्र कल्याण समिति ने अतिरिक्त पाठ्यक्रम संयोजक के सहयोग से 19 मई, 2023 को एक दिवसीय प्रभावी और ऊर्जावान स्वास्थ्य परामर्श सत्र का आयोजन किया। इस कार्यक्रम के लिए प्रसिद्ध डॉ.नोरदन ओदज़ेर और उनके साथियों को आमंत्रित किया गया था। संस्थान के माननीय कुलपति प्रो. राजेश रंजन ने डॉ.नोरदन ओदज़ेर और उनके साथियों को खादग्स भेंट कर सम्मानित किया। विश्वविद्यालय परिसर के संकाय सदस्य, कर्म. चारी और छात्र तथा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कें.बौ.वि.सं. के कर्मचारी और छात्र इस सत्र में शामिल हुए और बातचीत का एक शानदार अवसर प्रदान किया।

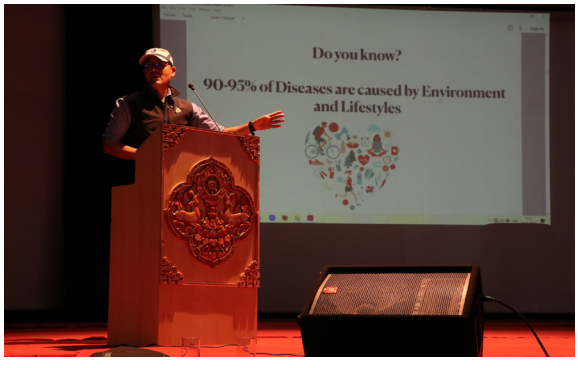

कार्यक्रम के दौरान, विशेषज्ञों ने विभिन्न बीमारियों पर चर्चा की, जो जंक फूड, फास्ट फूड और परिष्कृत उत्पादों के असीमित मात्रा में सेवन के नकारात्मक प्रभाव के कारण हो सकती हैं। माननीय कुलपति महोदय ने परामर्श सत्र की बहुत सराहना की और सूचनात्मक और मूल्यवान परामर्श सत्र के लिए आभार व्यक्त किया। इसके अतिरिक्त, कें.बौ.वि.सं. लेह की छात्र कल्याण समिति ने 13 मई, 2023 को तीन दिवसीय सांस्कृतिक कार्यशाला, 25 मई, 2023 को ग्रीन तारा गर्ल्स हॉस्टल में महिला स्वास्थ्य सम्मेलन और कें.

बौ.वि.सं. लेह के 8वें एस.डब्लयू.सी के सम्मान में विदाई पार्टी का आयोजन किया।

14. शैक्षिक यात्रा

केंद्रीय बौद्ध विद्या संस्थान (सम विश्वविद्यालय) लेह प्रत्येक वर्ष छात्रों के लिए शैक्षणिक यात्रा का आयोजन करता है। शैक्षणिक भ्रमण के दौरान छात्र भारत के विभिन्न राज्यों में महत्वपूर्ण ऐतिहासिक और पुरातात्विक स्थलों का भ्रमण करते हैं। इस वर्ष संस्थान के माननीय कुलपति प्रो.राजेश रंजन ने संस्थान के विभिन्न कक्षाओं के 47 छात्रों के एक समूह को 16 सितंबर, 2023 को 15 दिनों के शैक्षणिक भ्रमण के लिए रवाना किया। इस यात्रा का नेतृत्व गेलुग संप्रदाय विभाग के सहायक प्रोफेसर गेशे लोबजांग छुलठीम और अंग्रेजी विभाग की सहायक प्रोफेसर (अनुबंधित) सुश्री लोबज़ांग युडोल ने किया। शैक्षणिक भ्रमण यात्रा का यह दल दिनांक 16 सि. तंबर, 2023 शाम को कश्मीर पहुँची और 17 सितंबर को उन्होंने कश्मीर के विभिन्न ऐतिहासिक स्थलों जैसे हरवान में एक पुराने बौद्ध मठ के खंडहर, निशात बाग, शालीमार बाग और डल झील आदि का दौरा किया। अगले दिन, 18 सितंबर को वे जम्मू पहुँचे और जम्मू चिड़ियाघर आदि का दौरा किया। धर्मशाला में, छात्रों ने धर्मशाला मठ विश्वविद्यालय, पुस्कालय, ग्युतोद मठ, नोरबुलिंगा संस्थान का दौरा किया। धर्मशाला के बाद यह दल हिमाचल प्रदेश के मंडी पहुँची, जहाँ, उन्होंने रिवालसर झील के दर्शन किए, जो छो पद्मा के नाम से भी जाना जाता है। साथ ही उन्होंने आसपास के मठों के भी दर्शन किए। दिनांक 24 सितंबर, 2023 को यह दल मनाली पहुँचा और वहाँ दर्शनीय स्थलों की यात्रा की। छात्रों ने स्पीति के सबसे प्रचीन और प्रसिद्ध ताबो मठ के साथ–साथ वहाँ के कुछ ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण स्थानों और मठों का दौरा किया। अंततः यह दल शिंगकुनला दर्रा पार करके 1 टक्टूबर, 2023 को ज़ांस्कर के रास्ते लेह लौट आए।

इसके अतिरिक्त, लद्दाख आमची सभा के सहयोग से सोवा रिगपा विभाग द्वारा 4 से 10 अगस्त, 2023 तक सकटी और टांगचे दुरबुग के बीच स्थित चांगला दर्रे तक एक सप्ताह की हर्बल औषद्यीय भ्रमण यात्रा का आयोजन किया गया। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य हर्बल औषधीय पौधों की पहचान करना और उन्हें एकत्र करना तथा छात्रों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना और सोवा रिगपा के औषधीय पौधों की उनकी समझ को समृद्ध करना था। संस्थान के सोवा रिगपा विभाग द्वारा 27 अगस्त, 2023 को विश्व प्रसिद्ध दर्रे खारदुंगला तक एक दिवसीय औषधीय पौधों की भ्रमण यात्रा आयोजित की गई। विभाग के छात्रों ने संकाय फार्मेसी इकाई के लिए औषधीय पौधे एकत्र किए।

15. प्रकाशन

संस्थान ''लाद्दख–प्रभा'' शीर्षक के अन्तर्गत संस्थान द्वारा आयोजित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों की कार्यावाही सहित विभन्न विषयों पर दुर्लभ और मूल्यवान पुस्तकें प्रकाशित करता है। वर्ष 2023–24 के दौरान संस्थान ने भोटी में कक्षा शास्त्री–तृतीय मुख्य पाठ्य पुस्तक (छठे सेमेस्टर) और शास्त्री–तृतीय सम्प्रदाय शास्त्र पाठ्य पुस्तक (छठे सेमेस्टर) दो पाठ्य पुस्तकें प्रकाशित कीं।

16. शोध कार्य

संस्थान ने रिसर्च स्कॉलर्स के लिए आठ संस्थागत फेलोशिप की स्थापन की है। अनुसंधान का कार्य विभिन्न विषयों अर्थात बौद्ध दर्शन, हिमालयी बौद्ध संस्कृति, और संबंधित क्षेत्रों में संचालित किए जा रहे हैं। तदनुसार, इस वर्ष सात शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है।

17. परिसर

यह संस्थान लेह शहर के दक्षिण की ओर आठ किलोमीटर दूर चोगलमसर में सिंधु नदी के तट पर स्थित है। इसके दो परिसर हैं–नवीन और पुराना परिसर। पुराना परिसर 23 कनाल के क्षेत्रफल में स्थित है। इसमें कक्षा 6 से 12 तक के कनिष्ठ छात्रों के लिए कक्षाएँ चलाई जाती हैं। यह विद्यालय प्रशिक्षित स्नातक (टी.जी.टी.) तथा अन्य

कर्मचारियों के सहयोग से एक प्राचार्य के प्रभार में चलाया जाता है। इसमें शैक्षणिक विभाग, एक छोटा सभा भवन, कार्यालय तथा बच्चों के लिए पुस्तकालय हैं। इस परिसर में एक अतिथि भवन है, जिसमें 20 अतिथि रुक सकते हैं।

भारत सरकार की अधिसूचना सं.एफ.95/2001. यू3 (ए) दिनांक 15 जनवरी, 2016 के अन्तर्गत मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा केंद्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह को सम विश्वविद्यालय घोषित किए जाने के परिणामस्वरूप इस संस्थान के कनिष्ठ परिसर को अलग करके दिनांक 01.11.2021 के कार्यालय ज्ञापन संख्या सीआईबीएस/2021/511 अनुसार उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, केंद्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह किया गया है। तदनुसार पूर्व मध्यमा प्रथम से उत्तर मध्यमा द्वितीय तक की कक्षाएँ पुराने परिसर में चलाई जा रहीं हैं। वर्तमान में डॉ. आई.बी.झा प्रभारी, प्राचार्य के रूप में विद्यालय की देखरेख कर रहे हैं।

नवीन परिसर पुराने परिसर से आधे किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इसमें संस्थान का पृथक् कक्षा–भवन, प्रशासनिक भवन, पुस्तकालय तथा तीन छात्रावास हैं जिनमें सौ–सौ विद्यार्थियों के रहने की क्षमता है, जो भिक्षुओं, तथा छात्र–छात्राओं के रहने के लिए अलग–अलग दिए गए हैं। नए परिसर में 60 कर्मचारी आवास भी हैं। इसी प्रकार नए परिसर में एक खेल–मैदान है, जिसमे दर्शकों के बैठने की जगह, प्रसाधन कक्ष, भण्डार आदि सुविधाओं से युक्त है। संस्थान के विभिन्न कार्यक्रमों को चलाने के लिए 580 लोगों के बैठने की क्षमता वाला एक सभागाट है। इसके अतिरिक्त दार्शनिक वादविवाद भवन, विद्यार्थियों के मनोरंजन केन्द्र अन्य गतिविधियों को करने के लिए सुलभ हैं। इसके अलावा, चार प्रोफेसर क्वार्टरों का निर्माण पूरा हो चुका है जो संस्थान को सौंप दिए गए हैं। भिक्षुणी छात्राओं के लिए एक और छात्रावास का निर्माण कार्य प्रगति पर है। राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित पांडुलिपि संसाधन केंद्र और पांडुलिपि संरक्षण केंद्र के लद्दाख अध्ययाय भी नए परिसर में चलाए जा रहे हैं।

18.पुस्तकालय

केंद्रीय बौद्ध विद्या संस्थान (सम विश्वविद्यालय) का शे रब ग्यास चेद छ्ल पुस्तकालय किसी भी उम्र के लोगों के लिए एक आत्मा–विकास स्थान एवं बौद्धिक उन्नति के लिए एक प्राकृतिक केंद्र बिंदु है। यह पुस्तकालय संस्थान का एक महत्वपूर्ण अंग है, जिस पर छात्र एवं अध्यापक ही नहीं अपितु संस्थान के अन्य सदस्य भी सूचना एवं ज्ञान की प्राप्ति हेतु इस पर निर्भर रहते हैं। पुस्तकालय पूरे हिमालय क्षेत्र में सबसे बड़े पुस्तकालयों में से एक है, जो

बौद्ध अध्ययन, तिब्बती विज्ञान, लद्दाख अध्ययन और विभिन्न अन्य विषयों में ज्ञान का प्रसार करता है। पुस्तकालय को 'स्लिम थुमी सॉफ़्टवेअॅर' लगाकर 'कॅम्प्यूटराइज' किया गया है। इस पुस्तकालय में तीन विभाग हैं– (1) सामान्य विभाग, (2) भोट अथवा सुंगबुम विभाग (3) सन्दर्भ विभाग।

इस पुस्तकालय में कुल 38,904 ग्रन्थ, भोटी, अंग्रेजी, हिन्दी, संस्कृत, पालि तथा उर्दू भाषाओं में धार्मिक, ऐतिहासिक, दार्शनिक, काव्य एवं सामाजिक विषयों पर उपलब्ध हैं। इनमें तिब्बती बौद्ध संग्रह, काग्युर (भारतीय पंडितों और तिब्बती अनुवादकों द्वारा संस्कृत से तिब्बती भाषा में अनुवादित बुद्ध की शिक्षाएं) जैसे नार्थङ काग्युर, देगे काग्युर, ल्हासा/झोल काग्युर, तोग काग्युर, छ़लपा काग्युर, पेडुरमा, और पेकिंग (नेशनल पैलेस म्यूज़ियम, ताइवान से किंग राजवंश द्वारा हस्तलिखित स्वर्ण–स्याही संस्करण तिब्बती ड्रैगन सूत्र), भोट चिकित्सा के 61 खंडों में शास्त्रीय पाठ का एक असाधारण संग्रह और स्मोनलाम ग्रैंड तिब्बती शब्दकोश जिसमें 223 खंड शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त पुस्तकालय में विश्वकोश, शब्द कोश तथा वार्षिक ग्रन्थों का संग्रह भी है। प्राप्त विवरण के अनुसार इस सत्र के दौरान संस्थान ने खरीद और उपहार के माध्यम से 630 नई पुस्तकें प्राप्त कीं। संस्थान की पुस्तकालय वर्ष के दौरान 33 भारतीय एवं विदेशी शोध पत्रिकाओं/समसामयिक पत्रिकाओं का ग्राहक बना।

19. संग्रहालय

संस्थान का एक छोटा संग्रहालय है, जिसमें विभिन्न ऐतिहासिक स्थलों से प्राप्त पुरातात्विक अवशेषों का संग्रह है। इस संग्रहालय में लद्दाख की बौद्ध कलाकृतियों, चित्रों और छायाचित्रों के साथ–साथ विभिन्न ऐतिहासिक स्थलों के पुरातात्विक अवशेषों के नमूने संरक्षित किए गए हैं। लद्दाख में यह अपने ढंग का एक अनूठा संग्रहालय है, जो प्रति वर्ष यहाँ बड़ी संख्या में आने वाले देशी एवं विदेशी पर्यटकों और शोधकर्ताओं को आकर्षित करता है।

20. पाठ्यक्रम

प्रारम्भ में संस्थान में एक दस वर्षीय पाठ्यक्रम प्रचलित था जिसके अन्तर्गत बौद्ध दर्शन, भोटी भाषा, संस्कृत, हिन्दी और अंग्रेज़ी की पढ़ाई होती थी। सन् 1973 में संस्थान, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश से सम्बद्ध हुआ तथा संस्थान के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए, सीमान्त प्रदेशीय छात्रों की आवश्यकतानुसार एक विशेष पाठ्यक्रम तैयार किया गया। जनवरी 2016 में के.बौ.वि.सं. लेह को सम विश्वविद्याल का दर्जा प्रदान करने के बाद संस्थान ने पाठ्यक्रम उपयुक्तता में संशोधन करते हुए अधिसत्र–प्रणाली (सेमेस्टर सिस्टम) को आरम्भ किया। इस सम्बन्ध में संस्थान ने सम्बन्धित क्षेत्र में विशेषज्ञों को आमंत्रित कर कार्यशालाओं की एक श्रृंखला आयोजित की और अन्य विश्वविद्यालयो से संबंधित विषयों के विभाग अध्यक्षों द्वारा संशोधन कराकर उक्त पाठ्यक्रम का क्रियान्वयन किया।

तत्पश्चात इसको शिक्षा परिषद के समक्ष विचार और अनुमोदन के लिए रखा गया। संस्थान के पाठ्यक्रम में भोट साहित्य एवं बौद्ध दर्शन अनिवार्य विषय हैं। उत्तर मध्यमा तक हिंदी और अंग्रेजी अनिवार्य विषय हैं, जबकि शास्त्री में इन्हें वैकल्पिक विषय के रूप में पढ़ाया जाता है। राजनीतिशास्त्र, अर्थशास्त्र, पालि, संस्कृत, इतिहास, तुलनात्मक दर्शन, आमची/भोट चिकित्साविद्या, काष्ठकला, शिल्पकला तथा चित्रकला अन्य वैकल्पिक विषय हैं। सफल उम्मी. दवारों को विद्यावारिधि (पीएचडी), आचार्य, शास्त्री, ज्योतिष और खगोल विज्ञान बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स (बीएफए) थंका पेंटिंग, बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स (बीएफए) हिमालयन मूर्तिकला, बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स (बीएफए) हिमालयन वुड कार्विंग, बैचलर इन भोट एस्ट्रोलोजी एंड एस्ट्रोनोमी और बैचलर ऑफ सोवा रिगपा ढवाई और शल्य चिकित्सा (बीएसआरएमएस) की उपाधि प्रदान की जाती है। समकक्ष उपाधि निम्नलिखित हैं :

1. पूर्वमध्यमा (मैट्रिकुलेशन)
2. उत्तर मध्यमा (उच्चतर माध्यमिक)
3. शास्त्री(बी॰ए॰)
4. आचार्य (एम॰ए॰)
5. विद्यावारिधि (पीएचडी)
6. बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स (बीएफए) थंका पेंटिंग
7. बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स (बीएफए) हिमालयन मूर्तिकला
8. बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स (बीएफए) हिमालयन वुड कार्विंग
9. बैचलर इन भोट एस्ट्रोलोजी एंड एस्ट्रोनोमी
10. बैचलर ऑफ सोवा रिगपा मेडिसिन एंड सर्जरी (बीएसआरएमएस)

संस्थान ने तिब्बत के महायान सम्प्रदाय शास्त्रों को अनिवार्य वैकल्पिक विषय के रूप में कक्षा शास्त्री और आचार्य के पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया है। इस कार्य का विभाग के सदस्यों, विद्यार्थियों तथा लद्दाख के अन्य विद्व ानों ने स्वागत किया है।

21. छात्रवृत्ति

संस्थान में अध्ययनरत छात्रों को ₹ 1800.00 रूपये से ₹ 2500.00 रूपये के बीच प्रत्येक छात्र को प्रतिमाह की दर से छात्रवृत्ति दी जाती है। इस के अतिरिक्त डुजिंग फोडंग विद्यालय, जंस्कर, बौद्ध दर्शन संस्कृत विद्यालय, मंडोगुलु और 50 गोनपा/श्रामणेरी विद्यालय के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति दी जाती है। इस प्रकार से इस सत्र के दौरान ₹ 64,15,584.00 लाख की कुल राशि का वितरण छात्रवृत्ति के रूप में किया गया।

22. विद्यार्थियों को पाठ्य पुस्तक एवं कापियों का निःशुल्क वितरण

संस्थान में माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्रों और फीडर गोनपा/श्रामणेरी विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थी लद्दाख के सबसे पिछड़े और दूरदराज क्षेत्रों से अनुसूचित जनजाति के हैं। तदनुसार, संस्थान ने सभी विद्यार्थियों के लिए पाठ्य पुस्तक एवं उत्तर पुस्तिकाओं का निःशुल्क वितरण करने की व्यवस्था की है। प्राप्त विवरण के अनुसार इस वर्ष के दौरान संस्थान ने ₹ 28,00,22.00 लाख रुपये की पाठ्य पुस्तकें एवं उत्तर पुस्तिकाएँ खरीदीं और केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान तथा लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के विभिन्न भागों में स्थित विद्यालयों के विद्यार्थियों में निःशुल्क वितरित कीं।

23. परीक्षा परिणाम

संस्थान की कक्षा छठी से आठवीं तक की परीक्षाएँ संस्थान के वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय द्वारा आयोजित की गईं जबकि पूर्वमध्यमा प्रथम से उत्तरमध्यमा द्वितीय तक परीक्षाएँ संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा आयोजित की गईं, जिससे विद्यालय संबद्ध है। शास्त्रीय (बीए), आचार्य (एम.ए.), बौद्ध ज्योतिष और खगोल विज्ञान, थंका चित्रकला (बीएफए), हिमालयी मूर्तिकला (बीएफए), हिमालयी काष्ठकला (बीएफए), भोट ज्योतिष और खगोल विज्ञान में स्नातक, बैचलर ऑफ सोवा रिगपा मेडिसिन एंड सर्जरी (बीएसआरएमएस) कक्षाओं की परीक्षाएँ केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान (सम विश्वविद्यालय), लेह के परीक्षा विभाग के प्रभारी द्वारा संचालित की गईं। वर्ष 2023–24 सत्र के अन्तर्गत प्रत्येक कक्षा की परीक्षाओं के परिणाम का विवरण पृष्ठ संख्या –– पर परिशिष्ट के रूप में दर्शाया गया है।

24.गोनपा/श्रामणेरी विद्यालय

अपने उद्देश्यों की पूर्ति हेतु यह संस्थान विभिन्न गोनपाओं में 50 गोनपा/श्रामणेरी विद्यालय चला रहा है जो इस प्रदेश में अत्यन्त प्रसिद्ध हैं। ये विद्यालय सम्बन्धित गोनपाओं के सहयोग से चलाए जा रहे हैं। तदनुसार उक्त गोनपा कक्षाओं एवं छात्रावास की सुविधाओं के साथ–साथ धार्मिक क्रियाकलापों की शिक्षा प्रदान करते हैं। संस्थान की ओर से प्रवेश प्राप्त छात्रों की संख्या के आधार पर विद्यार्थियों के लिए एक से तीन शिक्षकों की व्यवस्था की जाती है। इसके अतिरिक्त साज–सामान, लेखन–सामग्री, पाठ्यपुस्तक एवं कापी और प्रत्येक विद्यार्थी के लिए छात्रवृत्ति की व्यवस्था की जाती है। संस्थान द्वारा नियुक्त शिक्षक विद्यार्थियों को गोनपा–विषयक शिक्षा के साथ–साथ अन्य आधुनिक विषयों, जैसे – भोटी भाषा, हिन्दी, अंग्रेजी, गणित, सामाजिक विज्ञान आदि की शिक्षा प्रदान करते हैं। प्राप्त विवरण के अनुसार विगत वर्ष लद्दाख के विभिन्न गोनपाओं में स्थापित 50 गोनपा/श्रामणेरी विद्यालयों में कुल 760 विद्यार्थी अध्ययनरत थे। वर्ष 2023–24 के विद्यार्थियों के नामांकन का विवरण विद्यालय से तथा कक्षावार पृष्ठ संख्या –– पर परिशिष्ट के रूप में दर्शाया गया है।

25. प्रथम दीक्षांत समारोह

केंद्रीय बौद्ध विद्या संस्थान (सम विश्वविद्यालय), लेह, ने 14 सितंबर 2023 को संस्थान के परिसर में कें.बौ.वि.सं., लेह की कुलाधिपति मैडम मीनाक्षी लेखी, माननीय केंद्रीय संस्कृति और विदेश राज्य मंत्री, भारत सरकार, नई दिल्ली की अध्यक्षता में प्रथम दीक्षांत समारोह मनाया गया। 14 सितंबर, 2023 का यह दिन सामान्य रूप से केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख और विशेष रूप से केंद्रीय बौद्ध विद्या संस्थान (सम विश्वविद्यालय), लेह, लद्दाख के लिए एक ऐतिहासिक दिन था क्योंकि कें.बौ.वि.सं., लेह (सम विश्वविद्यालय), लेह ने इस दिन अपने सफल शोध छात्रों, स्नातकोत्तर और स्नातक. ों को डिग्री प्रदान किया और एक शानदार तरीके से अपना पहला दीक्षांत समारोह आयोजित किया। इसलिए, यह घटना कें.बौ.वि.सं. लेह के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखें जाने योग्य है।

समारोह में कई उच्च गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे, जैसे कि परम पूज्य स्क्याबजे थुकस्रस रिनपोछे, केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के माननीय उपराजयपाल के सलाहकार, डॉ. पवन कोतवाल, लद्दाख स्वायत्त पर्वतीय विकास परिषद, लेह के अध्यक्ष एडवोकेट टशी ग्यालछ़न, लद्दाख के संसद सदस्य श्री जामयांग छ़ेरिंग नामग्यल, श्रीमती रिनछेन लामो, सदस्य, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग, भारत सरकार, श्रीमती अमिता प्रसाद सरभाई, संयुक्त सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, श्री नीरज कुमार, निदेशक, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, पूज्य रिनपोछे गण, पूज्य भिक्षु छ़ेरिंग वांगदुस, अध्यक्ष, अखिल लद्दाख गोनपा संघ। इस अवसर पर छात्रों के माता–पिता/अभिभ. ावक तथा कें.बौ.वि.सं. लेह के पूर्व छात्र भी उपस्थित थे।

प्रशासनिक अधिकारी डॉ. कोनछोग रिगज़िन की नेतृत्व में दीक्षांत समारोह की सोभायत्रा पारंपरिक लद्दाखी लरङा संगीत के साथ दीक्षांत समारोह स्थल पर पहुँचा। सभी अतिथि, संकाय सदस्य, डिग्री प्राप्तकर्ता, छात्र, अभिभावक,

पूर्व छात्र और संस्थान के अन्य कर्मच. ारी अपने स्थानों से खड़े होकर ताली बजाकर दीक्षांत समारोह का जोरदार स्वागत किया। सबसे पहले, कें.बौ.वि. सं. लेह विश्वविद्यालय का कुल–गीत गाया, जिसके लिए सभी प्रतिभागी एक बार फिर अपने स्थानों से खड़े हो गए।

संस्थान के कुलाधिपति ने दीक्षांत समारोह के शुरुआत की घोषण ा की। इसके बाद गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित किया गया। तद. ुपरात संस्थान के विद्यार्थियों द्वारा भोटी में मंगलाचरण प्रस्तुत की गई।

कें.बौ.वि.सं. के कुलपति प्रो. राजेश रंजन ने मंच पर बैठे गणमान्य अतिथियों को खदग्स और लेह स्मृति चिहन भेंट कर उनका अभिनंदन किया और स्वागत भाषण दिया। स्वागत भाषण के बाद छात्रों को उपाधि प्रदान करने का कार्य शुरू हुआ। इसी क्रम में श्रीमती मीनाक्षी लेखी ने सफल शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि प्रदान की। तत्पश्चात् उन्होंने संस्थान की कुलाधिपति के रूप में अपना भाषण दिया। केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख के माननीय उपराज्यपाल के सलाहकार डॉ. पवन कोतवाल ने कें.बौ.वि.सं. (सम

विश्वविद्यालय) के छात्रों को पात्र पदक प्रदान किए। लद्दाख स्वायत्त पर्वतीय विकास परिषद, लेह के अध्यक्ष एडवोकेट टशी ग्यालछन, लद्दाख के सांसद श्री जामयांग छेरिंग नामग्याल और संस्थान के कुलपति प्रो. राजेश रंजन ने याग्य छात्रों को भोट बौद्ध दर्शन, भोटी साहित्य, भोट पौराणिक इतिहास में आचार्य, सोवा रिगपा चिकित्सा एवं शल्य क्रिया (बीएसआरएमएस), भोट ज्योतिष और खगोल विज्ञान में स्नातक, इंटीग्रेटेड बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स थङका चित्रकला, हिमालयी मूर्तिकला और शास्त्री की उपाधियाँ प्रदान कीं।

डिग्री प्रदान करने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद, डॉ. पवन कोतवाल ने अपना भाषण दिया। उनके बाद लद्दाख के सांसद श्री जामयांग छ़ेरिंग नामग्याल, श्रीमती रिनछेन लामो, सदस्य, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग, भारत सरकार ने भाषण दिया। तत्पश्चात् परम पूज्य थुगस्रस रिनपोछे ने दीक्षांत भाषण दिया। अंत में लद्दाख स्वायत्त पर्वतीय विकास परिषद, लेह के अध्यक्ष एडवोकेट टशी ग्यालछ़न, ने श्रीमती मीनाक्षी लेखी की जगह कार्यवाहक चांसलर के रूप में अपना भाषण प्रस्तुत किया। अंत में प्रशासनिक अधिकारी डॉ. कोनचोक रिगाज़िन ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। इसके बाद कार्यवाहक चांसलर की अनुमति से, दीक्षांत समारोह की समाप्ति की घोषणा की गई तथा सभी प्रतिभागियों ने अपने स्थान पर खड़े होकर राष्ट्रगान गाया। इसके तुरन्त बाद कें.बौ.वि.सं. लेह के कुलपति के नेतृत्व में दीक्षांत शोभायात्रा ने प्रस्थान किया। दीक्षांत समारोह के समापन पर संस्थान के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

26. स्थापना दिवस समारोह

केंद्रीय बौद्ध विद्या संस्थान (सम विश्वविद्यालय) के 64 वाँ स्थापना दिवस 23 अक्टूबर, 2023 को आर्य नागार्जुन सभागार में बड़े उत्साह और देशभक्तिपूर्ण उत्साह के साथ आयोजित किया गया। इस शुभ अवसर पर लद्दाख स्वायत्त पर्वतीय विकास परिषद, लेह के अध्यक्ष एडवोकेट टशी ग्यालछ़न मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर लद्दाख के संसद सदस्य

श्री जामयांग छ़ेरिंग नामग्यल, अखिल लद्दाख गोनपा संघ के अध्यक्ष, पूज्य भिक्षु छ़ेरिंग वांगदुस, लद्दाख बौद्ध संघ के सचिव, डॉ. छ़ेरिंग फुनछ़ोग, श्री छ़ेरिंग पलदान, निदेशक, शिक्षा, यूटी लद्दाख, लद्दाख विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति श्री सी फुनछ़ोग उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त लद्दाख के गणमान्य व्यक्ति, संस्थान के संकाय सदस्य और छात्र भी उपस्थित थे। इस दौरान संस्थान के वार्षिक परीक्षा में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों, निबंध प्रतियोगिता, कविता पाठ प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता, व्यानख्यान प्रतियोगिता, खेल प्रतियोगितओं, सांस्कृतिक गतिविधियों, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आदि विभिन्न प्रतियोगिताओं में जीतने वाले छात्रों को पुरस्कार वितरित किए गए। इस समारोह के अवसर पर प्रो. राजेश रंजन माननीय कुलपति द्वारा संस्थान की गतिविधियों पर एक संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। संस्थान के छात्रों ने एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। छात्र कल्याण के डीन डॉ. ठीनले यांगजोर के प्रेरणादायक धन्यवाद भाषण और राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन हुआ।

27. अन्य महत्वपूर्ण घटनाएँ

प्राप्त विवरण के अनुसार विगत वर्ष संस्थान में निम्नलिखित अन्य उत्सव एवं क्रियाकलापों का बड़े उत्साह के साथ आयोजन किया गया:

भोटी दिवसः दिनांक 1 अप्रैल, 2023 को संस्थान के भोटी भाषा और साहित्य विभाग ने कें.बौ.वि.सं. लेह के आर्य नागार्जुन सभागार में माननीय कुलपति प्रो.राजेश रंजन की अध्यक्षता में बड़े धूमधाम और सत्साह के साथ भोटी दिवस मनाया। इस अवसर पर प्रो. लोबज़ंग छ़ेवांग (सेवानिवृत्त) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त डॉ. ठीनले यांगजोर, डीन छात्र कल्याण, गेशे डागपा कालसांग, एसोसिएट प्रोफेसर और डॉ. कोनचोक रिगज़िन, प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान बुद्ध की प्रतिमा के सामने दीप प्रज्वलन और छात्रों के एक समूह द्वारा मंगलाचरण के साथ हुई। तत्पश्चात् भोटी भाषा और साहित्य विभाग के अध्यक्ष खानपो कोनचोग थुबस्तन ने मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथिओं को खदग्स भेंट करके स्वागत किया। डॉ. छ़ेवांग यांगजोर, सहायक प्रोफेसर ने भोटी भाषा के महत्त्व पर भाषण दिया और आचार्य टशी ग्यालपो, डॉ. ठिनलास ग्युरमेद, आचार्य तथा शास्त्री कक्षाओं के कुछ छात्रों ने भोटी में कविता प्रस्तुत की। इसके बाद इस समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. लोबज़ांग छ़ेवांग ने 'भोटी' नामकरण और इसके महत्त्व के बारे में सभा को संबोधित किया। अंत में डॉ. कोनछोग रिगज़िन, प्रशासनिक अधिकारी ने धन्यवाद ज्ञापन दिया और समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

(क) डॉ. राधाकृष्णन की जयन्ती, शिक्षक दिवस :

केंद्रीय बौद्ध विद्या संस्थान (सम विश्वविद्यालय) लेह डॉ. राधा कृष्णन की जयंती के उपलक्ष्य में प्रत्येक वर्ष 5 सितंबर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। वर्ष के दौरान कें.बौ.वि.सं., चोगलमसर, लेह की छात्र कल्याण समिति ने संस्थान संस्थान के आर्य नागार्जुन सभागार में 5 सितंबर, 2023 को शिक्षक दिवस मनाया गया। इस समारोह में संस्थान के माननीय कुलपति प्रो. राजेश रंजन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। समारोह की शुरुआत बुद्ध की

प्रतिमा के सामने दीप प्रज्वलन और छात्रों द्वारा मंगलाचरण के साथ हुआ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसत के संकाय सदस्यों, गैर–शिक्षण कर्मचारियों और छात्रों ने भाग लिया। इस दौरान कुलपति महोदय और संकाय सदस्यों ने छात्रों द्वारा भेंट किए गए केक को काटा। शिक्षकों के सम्मान में कुछ वरिष्ठ छात्रों द्व ारा भाषण प्रस्तुत करने के साथ–साथ इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया।

(ख) हिन्दी दिवस/हिन्दी पखवाड़ा :

संस्थान प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस एवं हिन्दी पखवाड़ा मनाया जाता है। इस दौरान राजभाषा हिंदी में निबंध लेखन, कविता पाठ, व्याख्यान आदि विभिन्न प्रकार की साहित्यिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष हिन्दी पखवाड़ा 2023 के अंतर्गत 6 सितंबर, 2023 को विद्यार्थियों के बीच निबंध लेखन प्रतियोगिता एवं पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दिनांक 7–09–2023 को संस्थान के विद्यार्थियों के लिए कविता एवं भाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को नकद पुरस्कार एवं प्रमाण–पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इसके अतिरिक्त संस्थान हिंदी दिवस एवं हिंदी पखवाड़ा 2023 के अंतर्गत कार्यालय में हिंदी में कार्य को बढ़ावा देने के लिए कार्यालय में कार्यरत कर्मचारियों के लिए राजभाषा हिंदी में प्रतियोगिता एवं हिंदी टंकण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले कर्मचारियों को प्रमाण पत्र एवं नकद पुरस्कार प्रदान किए गए।

संस्थान के हिन्दी विभाग द्वारा हिन्दी पखवाड़ा–2023 के अंतर्गत हिन्दी व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसके लिए डॉ. सविता प्रमोद, एसोसिएट प्रोफेसर, हिंदी डी.बी.पंबा कॉलेज, पथानामथिट्टा को ''गैर–हिंदी भाषी क्षेत्रों में हिंदी'' विषय पर एक विशेष भाषण देने के लिए आमंत्रित किया गया था।

पिछले वर्ष की भाँति इस वर्ष भी हिंदी विभाग द्वारा ऑनलाइन हिंदी व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न विषयों पर व्याख्यान देने के लिए विभिन्न विद्वानों को आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के कर्मचारीगण, छात्र–छात्राएँ तथा देश के विभिन्न स्थानों से हिंदी प्रेमीजन जुड़े।

(ग) स्वच्छ भारत अभियान :

भारत के माननीय प्रधानमंत्री जी की पहल पर भारत सरकार ने सम्पूर्ण देश को साफ सुथरा रखने के विचार से स्वच्छ भारत अभियान का शुभारंभ किया। तदानुसार केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह ने इसको ध्यान में रखते हुए दिनांक 16 से 30 अप्रैल, 2023 तक नोडल अधिकारी डॉ. छेवङ यङजोर के नेतृत्व में संस्थान के सभी कर्मचारी तथा विद्यार्थियों को सम्मिलित कर संस्थान के कार्यालय, कक्षा, परिसर और आसपास के क्षेत्रों की सफाई कराई गई। इस कार्यक्रम में संस्थान के माननीय कुलपति प्रो. राजेश रंजन भी उपस्थित रहे। इसी प्रकार उच्च माध्यमिक विद्यालय, कें.बौ.वि.सं. लेह के कर्मचारियों और छात्रों द्वारा अपने परिसर में स्वच्छता संबंधी गतिविधियाँ भी की।

(ङ) अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, भारत सरकार और संयुक्त सचिव, भारत सरकार का दौरा :

श्रीमती रंजना चोपड़ा, अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, भारत सरकार और श्रीमती अमिता प्रसाद साराभाई, संयुक्त सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, डॉ. नीरज कुमार, निदेशक, बी. टीआई, एमओसी के साथ दिनांक 13 सितंबर, 2023 को कें.बौ.वि. सं. (सम विश्वविद्यालय) लेह का दौरा किया। इस दौरान महोदया ने छात्रावासों में रहने वाले छात्रों से भी मिली और उनसे बातचीत की। उन्होंने संस्थान के पुस्तकालय और सोवा रिगपा विभाग का भी दौरा किया और कें.बौ.वि.सं. लेह द्वारा किए गए कार्यों की

सराहना की।

(च) महात्मा गांधी की जयंती :

महात्मा गांधी की जयंती आमतौर पर हर साल 2 अक्टूबर को संस्थान में मनाई जाती है। इस वर्ष भी संस्थान ने दिनांक 2 अक्टूबर को नागार्जुन सभागार में महात्मा गांधी की जयंती मनाई। संस्थान के संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और वरिष्ठ छात्रों ने समारोह में सक्रिय रूप से भाग लिया और महात्मा गांधी के जीवन और उपलब्धि पर प्रकाश डाला।

(छ) विश्व छात्र दिवस :

केंद्रीय बौद्ध विद्या संस्थान लेह (सम विश्वविद्यालय) हर साल 15 अक्टूबर को पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम के जन्मदिन के उपलक्ष में विश्व छात्र दिवस मनाया जाता है।

(ज) स्वतंत्रता दिवस :

केंद्रीय बौद्ध विद्या संस्थान (सम विश्वविद्यालय), लेह में 15 अगस्त , 2023 को हमारी प्यारी मातृभूमि भारत का 77 वाँ स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। संस्थान के कुलपति महोदय प्रो. राजेश रंजन ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया ने 15 अगस्त 2023 स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर मुख्य परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर शैक्षणिक और गैर–शैक्षणिक कर्मचारियों की उपस्थिति में कुलपति महोदय ने कर्मचारियों और छात्रों से कहा कि वे अपनी क्षमता के अनुसार भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने में योगदान दें, जैसा कि माननीय प्रधानमंत्री ने सपना देखा है।

इसके अतिरिक्त, संस्थान 14 अगस्त 2023 को शाम 4 बजे राष्ट्रीय ध्वज फहराकर ''हर घर तिरंगा'' मनाया। इस समय छात्र और कर्मचारियों ने हाथ में मिट्टी लेकर शपथ ली। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

(झ) अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस :

संस्थान हर साल अलग–अलग विषयों के साथ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन करता है। इस वर्ष महिला एवं बाल कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च 2024 को दोपहर 2.30 बजे केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान के प्रशासनिक कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में मनाया गया। इस दिन को संस्थान के अर्थशास्त्र विभाग की सहायक प्रोफेसर श्रीमती दिस्कीद छोरोल के संयोजक में विश्वविद्यालय की महिला कर्मचारियों द्वारा उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर संस्थान की पुस्तकालय एवं सूचना अधिकारी श्रीमती कुनज़ांग आंगमो

ने मुख्य अतिथि के रूप में अध्यक्षता की। इस समारोह में संस्थान के प्रशासनिक सलाहकार श्री सोनम वांगचुक भी उपस्थित थे और उन्होंने ''महिलाओ अर्थात महिलाओं को आर्थिक रूप से उनकी निवेशः प्रगति में तेजी'' को ध्यान में रखते हुए महिलाओं में निवेश के महत्व पर अपना बहुमूल्य भाषण दिया। समारोह की शुरुआत विश्वविद्यालय की भिक्षुणी छात्राओं द्वारा मंगलाचरण के साथ हुई, जिसके बाद अतिथियों को खदग्स प्रदान किए गए। तुलनात्मक दर्शन विभाग की सहायक प्रोफेसर जिगमेद लामो ने स्वागत भाषण दिया और अतिथियों और अन्य प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए महिला शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महिला दिवस के पालन के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में उन्होंने समाज में महिलाओं के सामने आने वाली समैयाओ के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए महिला दिवस मनाने के महत्व के बारे में बात की। सोवा रिगपा विभाग की डॉ. इशे अंगमो ने विशेष रूप से सोवा रिगपा परंपरा प्रणाली के परिप्रेक्ष्य से महिलाओं के स्वास्थ्य पर बात की। तत्पश्चात् प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान प्रतिभागियों ने महिलाओं के स्वास्थ्य के बारे में प्रश्न पूछे और डॉ. इशे अंगमो ने प्रश्नों के स्पष्ट उत्तर दिए। इसके बाद मुख्य अतिथि श्रीमती कुनज़ांग आंगमो ने समाज में लैंगिक समानता के महत्व पर भाषण दिया। अंत में श्रीमती दिस्कीद छोरोल ने धन्यवाद ज्ञापन दिया और कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

(ट) अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस :

केंद्रीय बौद्ध विद्या संस्थान (सम विश्वविद्यालय) प्रत्येक वर्ष 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाता है। इस वर्ष 21 जून 2023 को संस्थान में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। योग दिवस के इस अवसर पर संस्थान के संकाय सदस्य, गैर–शिक्षण कर्मचारी और छात्र उपस्थित थे। डॉ. ठीनले यांगजोर, डीन स्टूडेंट वेलफेयर/विभागाध्यक्ष, सोवा रिगपा विभाग ने स्वागत भाषण और योग का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किया और डॉ. कोनचोक रिगज़िन, प्रशासनिक आधिकारी, ने भी इस अवसर पर योग अभ्यास के लाभों पर भाषण दिया। इस दौरान डॉ. स्तनज़िन छोसरब, सहायक प्रोफेसर ने प्रतिभागियों को योग सिखाया।

इसके अतिरिक्त, सोवा रिगपा विभाग ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह के एक भाग के रूप में सोवा–रिगपा छात्रों और कर्मचारियों के लिए 10 दिवसीय विशेष योग प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया।

(ठ) विभिन्न देशों के युवा नेताओं के 10वें बैच का दौराः

केप वर्डे, साइप्रस, एस्टोनिया, गाम्बिया, लातविया, माल्टा, मोरक्को, नीदरलैंड, त्रिनिदाद और टोबैगो, ट्यूनीशिया और सूनाइटेड किंगडम (यूके) के 30 प्रतिनिधियों ने संस्थान का दौरा किया। ये युवा प्रतिनिधि अपने–अपने देशों में राजनीतिक दलों (सत्तारूढ़ और विपक्षी दोनों) के सदस्य, उद्यमी और उभरते नेता हैं। संस्थान द्वारा सम्मेलन कज में गर्मजोशी से स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया।

(ड़) गणतंत्र दिवस का उत्सवः

केंद्रीय बौद्ध विद्या संस्थान (सम विश्वविद्यालय), चोगलमसर, लेह ने संस्थान के प्रशासनिक ब्लॉक के सामने माननीय कुलपति प्रो. राजेश रंजन के नेतृत्व में ठंड के बावजूद बड़े उत्साह के साथ 75वाँ गणतंत्र दिवस बड़े धूमधाम से मनाया गया। इस शुभावसर पर संस्थान के कुलपति महोदय प्रो. राजेश रंजन ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया, इसके बाद संस्थान के कर्मचारियों ने राष्ट्रगान गाया। उन्होंने अपने संबोधन में कर्मचारियों को हमारे गतिशील प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की परिकल्पना के अनुसार 2047 तक हमारी प्यारी मातृभूमि को एक विकसित देश बनाने के लिए ईमानदारी और समर्पण के साथ कड़ी मेहनत करने का आह्वान किया। हल्के जलपान के बाद देशभक्ति गीतों पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

(ढ़) सबमर्सिबल वाटर पंप के दो सेटों का उद्घानः

श्री अजय कुमार झा, महाप्रबंधक (एनडब्ल्यू–प्प) भारतीय स्टेट बैंक, चंडीगढ़ सर्कल ने केंद्रीय बौद्ध विद्या संस्थान (सम विश्वविद्यालय), चोगलमसर, लेह के परिसर में सबमर्सिबल वाटर पंप के दो सेटों का उद्घाटन किया, इस अवसर पर संस्थान के कुलपति प्रो. राजेश रंजन, जम्मू के उप महाप्रबंधक (बी एंड ओ) श्री रवींद्र कुमार गुप्ता, जम्मू के क्षेत्रीय प्रबंधक (एजीएम–आरबीओ–5), जम्मू के श्री राजीव कुमार छाबड़ा, शाखा प्रबंधक श्री रिगज़ेन ग्युरमेद और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, चोगलामसर के रिलेशनशिप मैनेजर श्री नवांग छ़ेतन उपस्थित थे।

इसके अतिरिक्त इस अवसर पर संस्थान के संकाय सदस्य, कार्यालय कर्मचारी और कई छात्रा–छात्राएं भी उपस्थित थे। दो सबमर्सिबल वाटर पंप सेट की स्थापना से परिसर में कर्मचारियों और छात्रों की पीने और अन्य उद्देश्यों के लिए पानी की आवश्यकता पूरी हो जाएगी। संस्थान के कुलपति महोदय ने इस नेक कार्य के लिए भारतीय स्टेट बैंक के अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

(ण) आज़ादी का अमृत महोत्सव :

आज़ादी का अमृत महोत्सव भारत सरकार की एक पहल है, जो स्वतंत्रता के 75वें साल और इससे लोगों, संस्कृति और उपलब्धियों के गौरवशाली इतिहास को मनाने के लिए है। इसी क्रम में संस्थान ने विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।

(त) ओपन जिम और नए वाटर टैंकर का उद्घाटन :

लद्दाख के माननीय सांसद श्री जामयांग छ़ेरिंग नामग्याल ने 7 नवंबर, 2023 को केंद्रीय बौद्ध विद्या संस्थान (सम विश्वविद्यालय), चोगलमसर, लेह में नव स्थापित ओपन जिम और एक नए वाटर टैंकर का उद्घाटन संस्थान के माननीय कुलपति प्रो. राजेश रंजन की गरिमामयी उपस्थिति में किया। इस कार्यक्रम में आदरणीय भिक्षु छ़ेरिंग वांगदु,

ऑल लद्दाख गोनपा एसोसिएशन, एलएचडीसी, लेह के सदस्य आदरणीय भिक्षु कोनछोग छ़ेफेल, आदरणीय दोरजे स्तनज़िन, उपाध्यक्ष, ऑल लद्दाख गोनपा एसोसिएशन, डॉ. कोनछोग रिगज़िन, प्रशासनिक अधिकारी और श्री. आई बी झा अपर प्रशासनिक अधिकारी जैसे अनेक प्रतिष्ठित अतिथियों ने भाग लिया।

28. हिमालयी बौद्ध संस्कृति विश्वकोश के संकलन परियोजना

केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान दस खंडों में हिमालयी बौद्ध–संस्कृति–विश्व कोश के संकलन की एक मेगा परियोजना चला रहा है। यह परियोजना विद्वानों को अनुबन्ध के आधार पर नियुक्त कर शुरू की गई थी। यह परियोजना एक मुख्य संपादकों की देखरेख में दो संपादको और तीन शोध–सहायकों के सहयोग से प्रगति पर है। लद्दाख क्षेत्र से संबंधित विश्वकोश के दो खंड पहले ही प्रकाशित हो चुके हैं।

हिमाचल प्रदेश के क्षेत्र वाले अन्य दो खंड पूरे हो चुके हैं और प्रकाशन के अधीन हैं। हिमालयी बौद्ध संस्कृति के दार्शनिक और सैद्धांतिक आधार के प्रथम खंड पर कार्य प्रगति पर है। पहले खंड में 22 अध्याय है, जो पूर्ण हो कर प्रकाशन के लिए तैयार है। भाग दो प्रगति पर हैं।

29. पाण्डुलिपि संरक्षण केन्द्र

राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन, भारत सरकार ने केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह को पाण्डुलिपि संसाधन केन्द्र के रूप में लद्दाख क्षेत्र के लिए ''पाण्डुलिपि संरक्षण केन्द्र'' पद प्रदान किया है। तदनुसार संस्थान ने अनुबन्ध के आधार पर विद्वानों की नियुक्ति कर उन्हें काम सौंपा है। संस्थान ने लद्दाख क्षेत्र के 2,389 मठों, महलों एवं व्यक्तियों से लग. भग 37,722 पाण्डुलिपियों का संग्रह किया है तथा प्रयास है कि इस क्षेत्र में उपलब्ध सभी पाण्डुलिपियों का संग्रह किया जा सके। इसके अतिरिक्त संस्थान लद्दाख क्षेत्र के विभिन्न विहारों में उपलब्ध दुर्लभ पाण्डुलिपियों का संरक्षण भी करता है।

संस्थान ने पांडुलिपियों के संरक्षण के लिए एक प्रयोगशाला भी स्थापित की है। अब तक संस्थान ने दुर्लभ पांडुलिपियों के 56,635 फोलियो को संरक्षित किया है, जो विभिन्न मठों जैसे कि मठो मठ, हेमिस मठ और अन्य व्यक्तिगत घरों में बिगड़ने की अवस्था में हैं।

केंद्रीय बौद्ध विद्या संस्थान (सम विश्वविद्यालय), चोगलमसर, लेह में पांडुलिपि केंद्र (एमसीसी) ने विभिन्न बौद्ध मठों बौर विभिन्न गांवों में व्यक्तिगत संग्रह से एकत्रित पांडुलिपियों पर व्यापक निवारक और उपचारात्मक संरक्षण प्रयास किए है। अब तक संस्थान ने दुर्लभ पांडुलिपियों के निवारक संरक्षण के तहत 1,69,754 फोलियो और 3,39,508 पृष्ठों और उपचारात्मक संरक्षण के अंतर्गत 176799 फोलियो और 3,53,598 पृष्ठों को संरक्षित किया है, जो मठो, हेमिस, जैसे विभिन्न मठों और अन्य व्यक्तिगत घरों में बहुत खराब स्थिति में पड़े हुए थे।

30. वर्ष 2023–2024 के दौरान शैक्षणिक उपलब्धियाँ

1. डॉ. ठिनलेस यांगजोर, एसोएिट प्रोफेसर, डीन, सोवा–रिगपा संकाय

1) अनुसंधान और प्रकाशनः

(क) ''ऑस्टियोआर्थराइटिस के उपचार में हाइड्रोथेरेपी'' विषय पर चल रहा स्ववित्तपोषित अनुसंधान।

2) संगोष्ठी / कार्यशाला / बैठक

(क) 6 जुलाई, 2023 : राष्ट्रीय सोवा–रिगपा संस्थान, लेह में सोवा–रिगपा चिकित्सकों के लिए आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में ''सोवा रिगपा औषधीय पौधों का परिचय'' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

(ख) 12 अक्टूबर 2023 : नव प्रवेशित बी एस.आर.एम.एस.एस छात्रों (वर्ष 2023–24) के लिए प्रेरणा कार्यक्रम के दौरान, सोवा–रिगपा की विशिष्ट विशेषताओं और भविष्य की संभावनाओं से परिचित कराते हुए ''सोवा रिगपा का इतिहास और विशेष रूप से लद्दाख में सोवा–रिगपा का विकास'' विषय पर भाषण प्रस्तुत किया।

(ग) मार्च 18, 2023 : जनजातीय स्वास्थ्य देखभाल परियोजना के तहत राष्ट्रीय सोवा–रिगपा संस्थान, लेह में सोवा–रिगपा चिकित्सकों के लिए दो दिवसीय कार्यशाला में '' सोवा रिगपा की अनूठी विशेषताएं, तंत्रिकाओं और मूत्र की जांच करने की विधियों का पुनरुद्धार एवं विकास'' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

(घ) 25 अगस्त 2023 : खारदुंगला में एक दिवसीय चिकित्सा भ्रमण के दौरान संकाय और छात्रों को सोवा–रिगपा अभ्यास के लिए प्रासंगिक औषधीय जड़ी–बूटियों और पौधों की खोज और पहचान करने और दवाइयाँ तैयार करने के लिए उनकी कटाई करने में मार्गदर्शन किया।

(ङ) डीआईएचआर, लेह के सहयोग से एक दिवसीय सूखी वज्ञस्पतियों का संग्रह बनाने की कार्यशाला का आयोजन किया।

(च) 12 फरवरी 2024 : बी एस आर एम एस छात्रों के लिए नैदानिक प्रशिक्षण के अवसरों को बढ़ाने वाले चिकित्सा कर्मियों की भागीदारी में सहयोग पहल को बढ़ावा देने के लिए एस एन एम अस्पताल, लेह के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

2. गेशे डाकपा कलज़ांग, एसोसिएट प्रोफेसर, डीन, अध्यात्म तथा न्यायविद्या संकाय

1) प्राप्त विवरण के अनुसार समन्वयक के रूप में सत्र के लिए दार्शनिक वाद–विवाद कार्यक्रम आयोजित किया।

2) संयोजक के रूप में 28 सितंबर से 1 अक्टूबर 2023 तक केंद्रीय बौद्ध अध्ययन संस्थान, चोगलमसर, लेह, केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में ''मध्यमिक प्रणाली के विकास में मध्यमिकालंकार के महत्व'' विषय पर चार दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की जिसे भोट बौद्ध दर्शन विभाग और के. बौ. वि. सं. के सभी चार संप्रदाय शास्त्रों के विभागों ने भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद (आई.सी.पी.आर), नई दिल्ली, भारत के

सहयोग से संयुक्त रूप से आयोजित किया।

3) भोट बौद्ध दर्शन और संप्रदाय शास्त्र विभागों द्वारा के.बौ.वि.सं. में 15 नवंबर 2023 को आयोजित नालंदा परंपरा के दर्शन संगोष्ठी के दौरान ''पांच विहित ग्रंथ'' पर पत्र प्रस्तुत किया।

4) 11 से 12 अगस्त 2023 को के.बौ.वि.सं. में) भोट बौद्ध दर्शन और संप्रदाय शास्त्र विभागों द्वारा आयोजित ''21वीं सदी में नालंदा बौद्ध धर्म : चुनौतियॉ और प्रतिक्रियाएँ'' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान ''प्रज्ञा पारमिता सूत्र की समझ'' पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

5) 24 से 26 अगस्त 2023 तक आयोजित भोटी साहित्य के ऐतिहासिक विकास और इसकी कार्यप्रणाली पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान ''भोटी भाषा का महत्व'' विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

3. खनपो कोनचोक थुपस्तान, एसोसिएट प्रोफेसर, भोटी साहित्य विभाग

संयोजक के रूप में, भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद (आईसीएचआर), नई दिल्ली के सहयोग से कें. बौ.वि.सं. की ओर से ''भोटी साहित्य का ऐतिहासिक विकास और इसकी कार्यप्रणाली'' विषय पर 24 से 26 अगस्त 2023 तक आयोजित 3 दिवसीय सेमिनार का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

4. गेशे लोबजांग वांगछुक, सहायक प्रोफेसर, भोट बौद्ध दर्शन

1) एक सदस्य के रूप में 28 सितंबर से 1 अक्टूबर 2023 तक केंद्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, चोगलमसर, लेह, केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में आयोजित चार दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसका शीर्षक था ''मध्यमिक प्रणाली के विकास में मध्यमिकालंकार का महत्व'' जिसे भोट बौद्ध दर्शन विभाग और चार संप्रदाय शास्त्रों के विभागों द्वारा भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद (आईसीपीआर), नई दिल्ली, भारत के सहयोग से संयुक्त रूप से आयोजित किया।

2) केंद्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह के शास्त्री और आचार्य छात्रों के लिए 1 अप्रैल से 30 अप्रैल 2023 तक बौद्ध दार्शनिक तर्कवितर्क की कार्यशाला का आयोजन किया गया।

3) कर्नाटक में स्थित स्पितुक गोनपा द्वारा लद्दाख के विभिन्न विद्यालयों के लगभग 50 छात्रों के लिए आयोजित बौद्ध दार्शनिक तर्कवितर्क प्रतियोगिता के दौरान अतिथि वक्ता के रूप में संबोधित किया।

5. डॉ. दिलीप कुमार पटनायक सहायक प्रोफेसर, अंग्रेजी विभाग

1. आकाशवाणी, लेह पर रेडियो वार्ता प्रसारित

1) ऊर्जा के परिवर्तन के माध्यम से उपभोक्ताओं का सशक्तिकरण, 14 मार्च 2023 को प्रसारित किया।

2) गर्व और क्रोध, 27 सितंबर 2023 को प्रसारित।

2. अंडरस्टैंडिंग इंग्लिश फोनेटिक्स नामक एक पुस्तक लिखी गई और संशोधन के अधीन है।

3. संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट और रिगपे दुर्ची (छात्रों की पत्रिका) संपादित की।

6. खनपो कोनचोक थापडोल, सहायक प्रोफेसर, भोटी साहित्य

1. प्रशासनिक ब्लॉक, के.बौ.वि.सं. के गेट पर सीमेंट में आठ मंगल चिह्नों की नक्काशी की।
2. के.बौ.वि.सं. के कार्यालय के लिए कुनरिग की सर्वविद् वैरोचन की मूर्ती बनाई।
3. के.बौ.वि.सं. की ओर से दिल्ली हाट में हिमालय क्षेत्र की पारंपरिक मूर्तिकला की प्रदर्शनी में भाग लिया।

7. डॉ. संजीव कुमार गौतम, सहायक प्रोफेसर, इतिहास प्रकाशन

1. ''हिन्दू कोड बिल।'' बहुरि नहिं अवाना (यूजीसी केयर लिस्टेडः अप्रैल–जून, 2023) आईएसएसएन : 2320–7604
2. ''बौद्ध धर्म के अधारभूत सिद्धांत।'' बहुरि नहिं अवाना (यूजीसी केयर लिस्टेडः जुलाई–सितंबर,, 2024) आईएसएसएन : 2320–7604
3. ''समकालीन मुगल स्रोतों के आइने में लद्दाख इतिहास'' इतिहास दृष्टि (यूजीसी केयर लिस्टेडः मार्च, 2024)

पुस्तक समीक्षाः

1. ''पत्रकारिता में प्रतिक्रिया'' बहुरि नहिं अवाना (यूजीसी केयर लिस्टेडः जनवरी–मार्च, 2024) आईएसएसएन : 2320–7604

8. डॉ. छ़ेवांग यांगजोर, सहायक प्रोफेसर, भोटी साहित्य

1. तीन शोध कर्त्ताओं को पीएच.डी. उपाधि प्रदान करने के लिए उन का पर्यवेक्षण किया।
2. भोटी साहित्य विभाग की ओर से आयोजित चार छात्रों को तिब्बती भाषा में सर्टिफिकेट कोर्स कराया।
3. के.बौ.वि.संस्थान की वार्षिक छात्र पत्रिका रिगपे दुर्ची का संपादन किया।
4. वर्ष 2023 में हिमालयन बौद्ध संस्कृति संघ ने ''स्ञन–चोंम बुङ–वई रोल–छ़ो'' नामसे एक पुस्तक प्रकाशित की, जिस में उनके स्वयं अपने द्वारा लिखी गई कविताओं को संग्रहित किया है।
5. 14–5–2023, 2–9–2023 और 17–11–2023 को कला, भाषा और संस्कृति अकादमी, लेह, केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख द्वारा आयोजित संगोष्ठियों में क्रमशः बुद्ध जयंती, गांधी जयंती और भोटी भाषा पर कविताएँ पढ़ीं।
6. 24 से 26 अगस्त 2023 तक भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद (आईसी एचआर), नई दिल्ली के सहयोग से भोटी साहित्य विभाग द्वारा आयोजित ''भोटी साहित्य का ऐतिहासिक विकास और इसकी पद्धति'' विषय

पर 3 दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान जीवनी और इतिहास के बीच अंतर'' शीर्षक से एक पत्र प्रस्तुत किया।

7. 10–06–2023 को ''भोटी भाषाः वर्तमान स्थिति'' विषय पर दुरबुक, चांगथांग में एक स्थानीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

8. डीआईईटी, लेह, केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख द्वारा आयोजित अभिनव शिक्षण–शिक्षण कार्यक्रम में एक संसाधक व्यक्ति के रूप में भाग लिया।

9. 17 नवंबर 2023 को एलएचडीसी, लेह द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''आधुनिक समय में भोटी भाषा की स्थिति और स्थानीय विद्यालयों में इस की शिक्षा'' पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

10. भोट बौद्ध दर्शन और संप्रदाय शास्त्र विभाग, के.बौ.वि.सं., लेह द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''माध्यमिक दर्शन'' पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

9. गेशे लोबज़ंग छुलठीम, सहायक प्रोफेसर, गेलुग संप्रदाय शास्त्र विभाग :

1. दिनांक 1 मई से 31 मई 2023 तक एक महीने के लिए विश्वविद्यालय विंग और वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कें.बौ.वि.सं. के छात्रों के लिए पारंपरिक दार्शनिक तर्क–वितर्क कार्यशाला का आयोजन किया।

2. दिनांक सितंबर, 2023 को कें.बौ.वि.सं. के नागार्जुन हॉल में विश्वविद्यालय विंग के छात्रों के लिए पाँच महान प्रमुख ग्रंथों पर एक दिवसीय आंतरिक संगोष्ठी का आयोजन किया।

3. कें.बौ.वि.सं. द्वारा 16 अगस्त से 31 अगस्त, 2023 तक जम्मू और कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के शैक्षिक दौरे के समन्वयक के रूप में नियुक्त किया गया।

4. भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा वित्तपोषित संस्थानों के बीच अंतर संस्थान तर्क–वितर्क और बैडमिंटन प्रतियोगिता सहित 6 दिवसीय कार्यक्रम में भाग लेने के लिए कें.बौ.वि.सं.लेह के 8 छात्रों सहित नौ सदस्यीय दल के पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त किया गया। दिनांक 18 से 23 मार्च, 2024 तक भारत सरकार के साथ मिलकर हिमालयी संस्कृति पर संगोष्ठी आयोजित की।

5. दिनांक सितंबर से 1 अक्टूबर 2023 तक कें.बौ.वि.सं. लेह में '' माध्यमिक प्रणाली के विकास में मध्यमिका अलंकार का महत्व'' विषय पर चार दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

10. खनपो जमयांग कुनज़ांग, सहायक प्रोफेसर, सक्या संप्रदाय

1. मासिक छात्र पत्रिका ''लोमाई गछ़ल'' का संपादन और डिजाइन किया।

2. 12 से 13 जुलाई 2023 को डुज़िंग फोटांग विद्यालय, ज़ांस्कर में बौद्ध धर्म के परिचय पर दो दिवसीय स्थ. ानीय संगोष्ठी का समन्वय किया।

3. 28 सितंबर से 1 अक्टूबर 2023 तक केंद्रीय बौद्ध अध्ययन संस्थान, चोगलमसर, लेह में ''मध्यमिक प्रणाली के विकास में मध्यमिकालंकार का महत्व'' विषय पर चार दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। यह संगोष्ठी भोट बौद्ध दर्शन विभाग और संप्रदाय शास्त्र विभागों ने भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद (आई. सी.पी.आर), नई दिल्ली, भारत के सहयोग से संयुक्त रूप से आयोजित किया।

11. डॉ. लोबज़ांग छुलठिम भोटिय, सहायक प्रोफेसर, कग्युद संप्रदाय

1. एक संसाधक के रूप में 1 से 31 मई 2023 तक केंद्रीय बौद्ध विद्या संस्थान (सम विश्वविद्यायल), लेह में आयोजित बौद्ध दर्शन तर्कवितर्क कार्यशाला के आधीन एक महीने के लिए के.बौ.वि.सं. के शास्त्री और आचार्य छात्रों को बौद्ध दार्शनिक तर्कवितर्क पढ़ाया।
2. 11 अगस्त 2023 को के.बौ.वि.सं., लेह लद्दाख में आयोजित ''21वीं सदी में नालंदा बौद्ध धर्मः चुनौतियां और प्रतिक्रियाएँ'' पर राष्ट्रीय संमेलन में पेपर प्रस्तुत किया।
3. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ स्पिरिचुअलिटी एंड कॉग्निशन, खंड 1, अंक 1 दिसंबर 2023, आईएसएसएन– 2584–2315 में ''महायान बौद्ध धर्म का एक सर्वोत्कृष्ट आध्यात्मिक अभ्यास'' विषय से एक लेख प्रकाशित हुआ।
4. 28 सितंबर से 1 अक्टूबर 2023 तक केंद्रीय बौद्ध विद्या संस्थान (सम विश्वविद्यायल), लेह में ''मध्यमिक प्रणाली के विकास में मध्यमिकालंकार का महत्व'' विषय पर चार दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की जिसे भोट बौद्ध दर्शन विभाग और के. बौ. वि. सं. के सभी चार संप्रदाय शास्त्रों के विभागों ने भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद (आईसीपीआर), नई दिल्ली, भारत के सहयोग से संयुक्त रूप से आयोजित किया।
5. 17 मार्च 2024 को माइंडफुल ट्रॉमा मैनेजमेंट और हैप्पी रिलेशनशिप पर चौथे वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस के दौरान ''ध्यान के माध्यम से आत्म स्नेह'' पर अतिथि वक्ता के रूप में भाषण दिया। इसका आयोजन स्पीकिंग क्यूब द्वारा नीति आयोग, एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार, वेंडा विश्वविद्यालय, दक्षिण अफ्रीका और शूलिनी विश्वविद्यालय के सहयोग से किया गया।

12. खनपो शेडुब कोनचोक, सहायक प्रोफेसर, बौद्ध इतिहास और संस्कृति

1. 24 से 26 अगस्त 2023 तक भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद (आईसीएचआर), नई दिल्ली के सहयोग से भोटी साहित्य विभाग द्वारा आयोजित ''भोटी साहित्य का ऐतिहासिक विकास और इसकी कार्य प्रणाली'' विषय पर 3 दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान ''तिब्बत में भोटी भाषा का विकास'' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

2. शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ठ कार्य के लिए 12 जुलाई 2023 को स्टूडेंट्स एसोसिएशन फॉर विपेज एजुकेशन (एसएवीई) से प्रशंसा प्रमाण पत्र प्राप्त किया।
3. संयोजक के रूप में वर्ष 2021 से 2023 तक आज़ादी का अमृत महोत्सव समारोह के दौरान व्याख्यान दिया

13. डॉ. जिगमेद मिग्युर, (बीटीएमएस/एमडी), सहायक प्रोफेसर, सोवा रिगपा विभाग

1. सेंट्रल काउंसिल ऑफ तिब्बती मेडिसिन, धर्मशाला, एचपी द्वारा प्रकाशित किया गया द सोगि जर्नल, खंड 4, सितंबर–2023, आईएसबीएन 9789387974593 में भोटी/तिब्बती भाषा में ''सोवा रिगपा क्लिनिकल रिसर्च के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान पद्धति'' विषय पर एक लेख प्रकाशित है।
2. राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा पद्धति आयोग द्वारा सोवा रिगपा तृतीय व्यावसायिक बी एस आर एम एस के लिए योग्यता आधारित पाठ्यक्रम और पाठ विवरण तैयार करने के लिए ''अनुसंधान पद्धति और जैव सांख्यिकी के विशेषज्ञ सदस्य के रूप में कार्य किया। आयुष मंत्रालय, भारत सरकार (संदर्भ–बीयूएसएस/तृतीय व्यावसायिक पाठ्यक्रम (सोवा–रिगपा) 2024)।

14. श्री छेरिंग छोलदन, सहायक प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान

1. 2023 में मानविकी और सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान के एक पीयर रिव्यू जर्नल में ''स्वतंत्रता के बाद से लद्दाखी पहचान को संरक्षित करने की संभावनाएँ और चुनौतियाँ'' शीर्षक से शोध पत्र प्रकाशित।
2. अगस्त 2023 में आई.सी एस एस आर, नई दिल्ली के सहयोग से सेंटर फॉर हिमालयन एंड ट्रांस–हिमालयन स्टडीज और राजनीति विज्ञान विभाग, लद्दाख विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''लद्दाख की सामाजिक–सांस्कृतिक विरासत : निरंतरता और परिवर्तनों पर विचार'' पर एक पत्र प्रस्तुत किया।
3. आई सी एस एस आर द्वारा प्रायोजित और सेंटर फॉर हिमालयन एंड ट्रांस–हिमालयन स्टडीज राजनीति विज्ञान विभाग, लद्दाख विश्वविद्यालय द्वारा 2023 में आयोजित सामाजिक विज्ञान में दो सप्ताह के शोध पद्ध ति पर एक सर्टिफिकेट कोर्स में भाग लिया।
4. 30.03.2024 को एस सी ओ पी ई (यूजीसी केयर लिस्टेड और स्कोपस इनडेक्स) के जर्नल में ''लद्दाख में यायावर चांगपा की सामाजिक–आर्थिक स्थिति और चुनौतियाँ'' विषय पर शोध पत्र प्रकाशित हुआ।

15. डॉ. ठिनलस ग्युरमेद, अनुवादक

1. साहित्य अकादमी और उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र द्वारा दिनांक 2 से 24 जून 2023 तक ''बौद्ध धर्म और कश्मीर'' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में ''बौद्ध सम्मेलनों का संस्मरण'' विषय पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

2. दिनांक 22/3/2024 को श्री कुमार झा, सहायक कमांडेंट (राजभाषा) को आमंत्रित करके राजभाषा हिंदी टाइपिंग पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।
3. दगपो टशी नमग्यल विरचित ''छगछेन दावई ओदज़ेर'' नामक एक दुर्लभ बौद्ध ग्रंथ का भोटी से हिंदी में 428 पृष्ठों का अनुवाद को पूरा किया गया है।
4. संस्थान के वार्षिक रिपोर्ट–2023–24 और वार्षिक लेखापरीक्षा रिपोर्ट 2023–24 अनुवाद करके तैयार किया गया।
5. दिनांक 27 से 28 मार्च 2023 तक कला, संस्कृति और भाषा, विभाग कारगिल, लद्दाख द्वारा आयोजित लद्दाख साहित्य सम्मेलन–2023, तीसरे संस्करण में भाग लिया और भौटी में एक कविता प्रस्तुत किया।

16. खनपो कर्मा तेनज़िन, सहायक प्रोफेसर, ञिंगमा संप्रदाय

1. कें.बौ.वि.सं. के लड़कियों के छात्रवास में कई महीनों तक स्व–अध्ययन के दौरान शाम को कक्षा 6 से 12 तक की छात्राओं को उनके विषय से संबंधित बौद्ध अध्ययन प्रशिक्षण दिया।
2. 2023 में कई महीनों तक कें.बौ.वि.सं. की छात्राओं के एक समूह को बौद्ध ध्यान और दर्शन का विशेष प्रशिक्षण दिया।
3. वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के कक्षा 6 से 12 तक के बौद्ध छात्रों के लिए पाठ्यक्रम को संशोधित करने का कार्य किय।
4. कई महीनों तक विदेशी विश्वविद्यालयों के छात्रों के लिए ऑनलाइन बौद्ध दर्शन कक्षाएं संचालित की।
5. सत्र 2023–24 के सोवा रिगपा के नए छात्रों के पंद्रह दिवसीय बौद्ध दर्शन तर्क वितर्क प्रशिक्षण आयोजित किया।
6. वर्ष 2023 में छात्र कल्याण समिति, के.बौ.वि.सं. के अनुरोध पर एक महीने के लिए शीतकालीन अवकाश के दौरान 50 छात्रों को बौद्ध दर्शन और भोटी भाषा पर गहन शिक्षण प्रदान किया।
7. दिनांक 1 अगस्त से 13 अगस्त 2023 तक पेथुब गोनपा द्वारा आयोजित विभिन्न विद्यालयों अविद्यालयों के छात्रों के लिए विर्तक प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की।
8. दिनांक 1 से 31 मई 2023 तक के.बौ.वि.सं. के छात्रों के लिए ''नालंदा तर्क वितर्क'' विषय पर एक कार्यशाला आयोजित की।
9. दिनांक 28 सितंबर से 1 अक्टूबर 2023 तक केंद्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, चोगलमसर, लेह में बौद्ध दर्शन विभाग और के. बौ. वि. सं. के सभी चार संप्रदाय शास्त्र के विभागों द्वारा भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद (आईसीपीआर), नई दिल्ली, भारत के सहयोग से ''मध्यमिक प्रणाली के विकास में मध्यमिकालंकार का महत्व'' विषय पर आयोजित चार दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''फ्यी–रोल ग्यी दोन–ला द्ब्याद–प'' विषय पर एक

पत्र प्रस्तुत किया।

10. के. बौ. वि. सं. के लद्दाख प्रभा में प्रकाशन के लिए ''चार आर्य सत्यों के माध्यम से समाज की सेवा करना'' और ''माइंड स्कूल के अनुसार चेतना कणों पर एक विश्लेषण'' विषयों पर क्रमशः दो पत्र प्रस्तुत किए।

17. खनपो शेडुब कोनचोग, सहायक प्रोफेसर, भोट बौद्ध दर्शन

1. भोट बौद्ध दर्शन विभाग और चारों संप्रदाय शास्त्रों के विभागों द्वारा संयुक्त रूप से के.बौ.वि.सं. में 1 से 31 मई 2023 तक आयोजित नालंदा तर्क वितर्क पर एक महीने की कार्यशाला के दौरान संसाधक के रूप में कार्य किया।
2. 28 सितंबर से 1 अक्टूबर 2023 तक केंद्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, चोगलमसर, लेह में बौद्ध दर्शन विभाग और के. बौ. वि. सं. के सभी चार संप्रदाय शास्त्र के विभागों द्वारा भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद (आईसीप. ीआर), नई दिल्ली, भारत के सहयोग से ''मध्यमिक प्रणाली के विकास में मध्यमिकालंकार का महत्व'' विषय पर आयोजित चार दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''सेमस् च्म पस फ्यी दोन ज़ल ग्यीस जेस मि जेस (विज्ञानवाद द्वारा बाह्यार्थ स्वीकार करने या न करने)'' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।
3. दिनांक 20 दिसम्बर 2023 से 20 जनवरी 2024 तक सकटी के गाँव वालों को ''बारदो थोसडोल'' पर ध र्मोपदेश देने का कार्य किया।
4. दिनांक 18 से 20 सितंबर 2024 तक बौद्ध विद्या संरक्षण सभा, जिसपा, लाहौल और स्पीति, हिमाचल प्रदेश द्वारा आयोजित संगोष्ठी में ''लाहौल की बौद्ध संस्कृति'' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

18. डॉ. टशी ग्यालपो, सहायक प्रोफेसर, भोटी

1. जून 2023 में आचार्य के छात्रों के लिए रचनात्मक लेखन (कविताएँ और कहानियाँ) पर एक कार्यशाला आयोजित की।
2. शास्त्री द्वितीय (अप्रैल–जून 2023) के लिए भोटी पाठ्यक्रम संपादित किया।
3. एक सदस्य के रूप में 24 से 26 अगस्त 2023 तक भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद (आईसीएचआर) नई दिल्ली के सहयोग से के.बौ.वि.सं. लेह की ओर से ''भोटी साहित्य का ऐतिहासिक विकास और इसकी कार्यप्रणाली'' पर 3 दिवसीय संगोष्ठी का सफलतापूर्वक आयोजन किया।
4. 24 से 26 अगस्त 2023 को के.बौ.वि.सं. लेह और भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद द्वारा आयोजित भोटी भाषा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''तिब्बती कविता का विश्लेषण'' पर एक पत्र प्रस्तुत किया।
5. ''मध्यमिक प्रणाली के विकास में मध्यमिकालंकार का महत्व'' विषय पर आयोजित चार दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''एक नया तार्किक तर्क'' पर एक पत्र प्रस्तुत किया (28 सितंबर से 1 अक्टूबर 2023)।

6. आचार्य के छात्रों के लिए निबंध लेखन पर एक कार्यशाला आयोजित की (अक्टूबर 2023)।
7. आचार्य के अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए रंगमंच की प्रकृति और विकास पर एक संगोष्ठी आयोजित की (अक्टूबर 2023)।
8. वाराणसी में तिब्बती उपन्यास की प्रकृति और विकास पर व्याख्यान देने के लिए छात्र काल्याण संघ, सीआईएचटीएस, सारनाथ द्वारा आमंत्रित किया गया (25 जनवरी, 2024)
9. ज़िला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान, लेह में एक लघु प्रेरण प्रशिक्षण के लिए एक ससांधक व्यक्ति के रूप में कार्य किया (5 से 9 मार्च, 2024)।
10. अंतरराष्ट्रीय सहकर्मी समीक्षा वाली रेफरी पत्रिका वेदंजलि खंड 19, श्रृंखा 12, (जनवरी–जून अंक) प्रभाव कारक के साथ : 7.109. आईएसएसएन : 2349–364ग में ''तिब्बत में कृषि के पारंपरिक विधि : एक अध्ययन'' शीर्षक से एक लेख प्रकाशित किया।

19. गेशे कोनचोक नमडग, सहायक प्रोफेसर, भोट बौद्ध दर्शन

1. के.बौ.वि.सं. लेह द्वारा डेढ़ महीने तक आयोजित बौद्ध दार्शनिक तर्कवितर्क का पर्यवेक्षण किया।
2. ''ल्दा–व ओदज़ेर'' नामक पुस्तक का संपादन किया।
3. राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान केंद्रीय उच्च तिब्बती अध्ययन संस्थान, वाराणसी में अभिसमयालंकार पर एक पत्र प्रस्तुत किया।
4. वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कें.बौ.वि.सं. लेह की कक्षा टप से टप्प के लिए बौद्ध दार्शनिक तर्क वितर्क के लिए पाठ्यक्रम का नया मॉडल तैयार किया।

20. खानपो कोनचोक नमदक, सहायक प्रोफेसर, भोट बौद्ध दर्शन

1. 28 सितंबर से 1 अक्टूबर 2023 तक केंद्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, चोगलमसर, लेह में बौद्ध दर्शन विभाग और के. बौ. वि. सं. के सभी चार संप्रदाय शास्त्र के विभागों द्वारा भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद (आईसीप. ीआर), नई दिल्ली, भारत के सहयोग से ''मध्यमिक प्रणाली के विकास में मध्यमिकालंकार का महत्व'' विषय पर आयोजित चार दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''फ्यी नांग ग्यी र्दुल–फ्रान दोद छुल दङ रागपा चोंम छुल ग्यी स्कोर'' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।
2. कला, संस्कृति और भाषा अकादमी, लेह की सहायता से ''तारू गांव का इतिहास और संस्कृति'' और ''फ्यांग गांव का इतिहास और संस्कृति'' नामक दो पुस्तकें प्रकाशनाधीन हैं।
3. 21 और 23 मई 2023, 29 अक्टूबर और 1 नवंबर 2023 को कार्यक्रम ओदज़ेर (रोशनी) के लिए ऑल इंडिया रेडियो, लेह पर नियमित वार्ता प्रस्तुत की।

4. 30 मई 2023 को लद्दाख अकादमी ऑफ आर्ट, एंड कल्चर लेह द्वारा आयोजित कविता पाठ कार्यक्रम में भाग ले कर ''छोस क्यी स्कुल मा'' विषय पर एक कविता प्रस्तुत किया।

21. डॉ. राज किरण नेगी, सहायक प्रोफेसर, संस्कृत बौद्ध दर्शन

1. 24 मई 2023 को के.बौ.वि.सं. लेह के संस्कृत बौद्ध दर्शन विभाग द्वारा आयोजित विभागीय संगोष्ठी के दौरान मुख्य भाषण प्रस्तुत किया।
2. मेरा लेख ''बौद्ध दर्शन में तर्क'' प्रकाशन के लिए भेजा गया है।

22. सुभाष चंद, सहायक प्रोफेसर, संस्कृत बौद्ध दर्शन

शोध पत्र/कार्य

1. ''कल्याण और मानसिक स्वास्थ्य पर बौद्ध विचार के प्रभाव'' पर एक लेख प्रकाशित किया। खंड 11, संख्या 2, प्रभाव कारक 7.5 (2024)। आईएसएसएन : 2349:5928
2. हिंदू धर्म और बौद्ध धर्म में समानताएं और विरोधाभासःएक तुलनात्क अध्ययन, खंड। सुरभि प्रकाशन। प्रभाव कारक 5.7 (2024)। आईएसएसएन 2349:4557
3. हिंदू और बौद्ध दर्शनः एक तुलनात्मक अध्ययन। आईएसबीएन 978–93–92087–95–0 (2024)

23. डॉ. स्तज़िन मिग्युर, सहायक प्रोफेसर, बौद्ध इतिहास और संस्कृति विभाग।

1. **शोध प्रकाशनः**

क. स्तनज़िन मिग्युर, ''ञरमा–मई लो–ग्र्युस'' (ञरमा की विरासत), अंतर्राष्ट्रीय संस्कृति और नैतिकता संस्थान (आईसीइ), 2023।

ख. स्तनज़िन मिग्युर, ''लद्दाख में गेलुगस्पा सम्प्रदाय की स्थापना'' लद्दाख प्रभा–23, केंद्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, 2023 पृष्ठ 228 से 242। आईएसबीएन : 978–81–97146–18–3

2. सम्मेलन/सेमिनार में भाग लिया

क. 28 अक्टूबर 2023 को ञरमा गोनपा के 1000 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में ''ञरमा का इतिहास'' पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

ख. 12 से 13 जुलाई 2023 से ''बौद्ध धर्म का परिचय'' पर दुज़िङ फोटांग विद्यालय, ज़ांस्कर में दो दिवसीय स्थानीय संगोष्ठी के समन्वयक की सहायता की।

ग. 17 अक्टूबर 2023 को लद्दाख साहित्य दिवस–2023 में भाग लिया।

घ. 5 से 6 नवंबर 2023 को 2035 तक उत्खनन के लिए दृष्टि से परे देखने पर सम्मेलन के दौरान ''ञरमा''

पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

3. पाठ्यक्रम

क. शे नरो फोटांग में चांगथांग क्षेत्र के छात्रों के लिए छह सप्ताह का शीतकालीन ब्रिजिंग कार्यक्रम और लद्दाख के इतिहास पर एक पाठ्क्रम आयोजित किया।

ख. एस ए वाई एम प्लेटफ़ॉर्म से बौद्ध पर्यटन पर एक एम ओ ओ सी कोर्स पूरा किया, जिसमें ''धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश'' नामक एक मॉड्यूल का योगदान दिया।

4. अतिथि व्याख्यान/आमंत्रित वार्ताः

22 अप्रैल 2023 को अंतर्राष्ट्रीय संस्कृति और नैतिकता संस्थान, लद्दाख में लद्दाख के इतिहास पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।

5. अन्य उपलब्धियाँ

2023 में ऑस्ट्रियाई विज्ञान अकादमी, वियना, ऑस्ट्रिया के तहत ''तिब्बती वास्तुकला में भवन और शिल्प परंपराएँ'' परियोजना के लिए फील्डवर्क का संचालन किया।

24. डॉ. कर्मा रबसल, सहायक प्रोफेसर, सोवा रिगपा विभाग

1. दिनांक 4 फरवरी 2024 को 'सोवा गिपा' विषय पर हिमालयन लैगून स्टूडियो में 'ज़– स्पेनबे डीगरिम' के एक विशेष एपिसोड के लिए अतिथि वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया। इस एपिसोड को वर्तमान में हिमालयन लेगून के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर 11000 बार देखा जा चुका है।
2. राष्ट्रीय सोवा रिगपा संस्थान द्वारा आयोजित एक सेमिनार में ''गठिया'' पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
3. तिब्बती स्वास्थ्य केंद्र, चोगलमसर के कर्मचारियों को ''आहार और व्यवहार'' पर एक भाषण दिया।
4. सोवा रिगपा के विशेषज्ञ के रूप में मानव शरीर रचना विज्ञान और शरीर क्रिया विज्ञान पर पाठ्यक्रम तैयार किया।
5. कें.बौ.वि.सं. में कक्षा में समूह चर्चा और सहयोगी शिक्षण स्थान की सुविधा प्रदान की।

25. श्रीमती जिगमेद ल्हामो, सहायक प्रोफेसर, तुलनात्मक दर्शन

28 सितंबर से 1 अक्टूबर 2023 तक केंद्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, चोगलमसर, लेह, केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में आयोजित चार दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान ''बौद्ध दर्शन की स्वतंत्र योगाचार्य मध्यमिका प्रणाली की रूपरेखा'' शीर्षक से एक पत्र प्रस्तुत किया। यह संगोष्ठी भोट बौद्ध दर्शन विभाग और के.बौ.वि.सं. के सभी चार संप्रदाय शास्त्रों के विभागों द्वारा भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद (आईसीपीआर), नई दिल्ली, भारत के सहयोग से संयुक्त रूप से आयोजित की गई थी।

26. डॉ. स्तनज़िन छोसरब, सहायक प्रोफेसर, सोवा रिगपा

1. चांगला दर्रे के लिए हर्बल औषधीय दौरे के समन्वयक के रूप में दौरे की योजना और निष्पादन का प्रबंधन किया। लद्दाख आमची सभा और के.बौ.वि.सं. के सोवा रिगपा विभाग के साथ समन्वय करके इस ट्रेक को निर्देशित, विशेषज्ञ सत्र आयोजित किया और सुचारू संचार सुनिश्चित किया, जिससे छात्रों को लद्दाख के औषधीय पौधों और पारंपरिक उपचार प्रथाओं से जुड़ने में मदद मिली।
2. दिनांक 3/8/2023 को के.बौ.वि.सं. लेह में डॉ. मनोज के नेतृत्व में दीहर, लेह के सहयोग से आयोजित पौधों के नमूने संग्रह, प्रेसेसिग और संरक्षण तकनीकों पर एक दिवसीय हर्बेरियम मेकिंक कार्यशाला में भाग लिया।
3. के.बौ.वि.सं. लेह में सोवा रिगपा इंडक्शन प्रोग्राम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में शामिल हुए।
4. एन सी आई एस एम–एनईईटी–एसआर–यूजी–2023 प्रवेश परीक्षा के लिए एनसीआईएसएम पर्यवेक्षकों में से एक को रूप में नियुक्त किया गया और पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए एनसीआईएसएम बैठक में भी भाग लिया।
5. के.बौ.वि.सं., महाबोधि विद्यालय और राष्ट्रीय सोवा–रिगपा संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित प्रशिक्षक के रूप में सिंधु दर्शन में योग कार्यक्रम का नेतृत्व किया।
6. के.बौ.वि.सं. के सोवा रिगपा छात्रों के लिए डीआईएचएआर में एक दिवसीय हर्बल औषधीय पौधों के दौरे के दौरान पर्यवेक्षक के रूप में काम किया।
7. जुलाई 2023 में आयोजित तकनीकी समिति के सदस्य के रूप में एवाईडी 06 सोवा रिगपा अनुभागीय समिति की 2023 बैठक में वर्चुअल रूप से भाग लिया।

27. डॉ. पद्मा रिगज़िन, सहायक प्रोफेसर, सोवा रिगपा

प्रकाशनः

''सोवा रिगपा के महत्व को इसके दृष्टिकोण, मार्ग और फल के माध्यम से रेखांकित करना'' शीर्षक पर लेख अक्टूबर 2023 में लद्दाख कॉलेज के छात्र सम्मेलन की कार्यवाही में प्रकाशित हुआ, जिसे उक्त सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया।

शैक्षणिक और प्रशासनिक उत्तरदायित्व

1. 25 अगस्त, 2023 : सोवा रिगपा के संकाय के डीन डॉ. ठिनलेस यांगजोर के साथ खरदुंगला में एक दिवसीय चिकित्सा भ्रमण पर गए, ताकि सोवा रिगपा अभ्यास से संबंधित औषधीय जड़ी–बूटियों और पौधों की खोज और पहचान की जा सके और दवाइयाँ तैयार करने के लिए इनकी कटाई की जा सके।

2. 29 सितंबर, 2023: चांदनी रात में बनाया गया एक अनूठा कैल्साइट फॉर्मूलेशन, 'चोङ ज़ी दओद' पहली बार सफलतापूर्वक तैयार किया गया।

3. 9 अक्टूबर, 2023: शैक्षणिक वर्ष 2023–24 के लिए नव प्रवेशित बीएसआरएमएस छात्रों के लिए संक्रमण ाकालीन–सह–प्रेरण कार्यक्रम के आयोजन के लिए समन्वय किया गया।

4. 1 फरवरी 2024 : यूनानी, सिद्ध और सोवा रिगपा, एनसीआईएसएम, दिल्ली के बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा नामित, बीएसआरएमएस द्वितीय व्यावसायिक कार्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए एनजीओ बजुंग आरटैग्स–II (सोवा रिगपा पैथोलॉजी भाग–II) के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त किया गया।

5. 12 फरवरी, 2024 : संकाय डीन, सोवा रिगपा के मार्गदर्शन में, चिकित्सा कर्मियों की भागीदारी में सहयोगी पहल को बढ़ावा देने और बीएसआरएमएस छात्रों के लिए नैदानिक प्रशिक्षण के अवसरों को बढ़ाने के लिए एसएनएम अस्पताल, लेह के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) का मसौदा तैयार किया।

6. 29 फरवरी, 2024 यूटी लद्दाख के नैदानिक स्थापना अधिनियम के तहत सोवारिगपा अस्पताल के पंजीकरण का समन्वय किया।

7. 18 मार्च, 2024: के.बौ.वि.सं. में बीएसआरएमएस के वैकल्पिक पाठ्यक्रम का समन्वय किया।

संगोष्ठी, कार्यशालाएं और बैठकें:

1. 10 अक्टूबर, 2023: नव प्रवेशित बीएसआरएमएस छात्रों (2023–24) के लिए प्रेरणा–कार्यक्रम के दौरान उन्हें सोवा रिगपा की विशिष्ट विशेषताओं और भविष्य की संभावनाओं से परिचित कराया।

2. 19 से 21 फरवरी, 2024 : सीआईएचटीएस सारनाथ, वाराणसी में द्वितीय व्यावसायिक बीएसआरएमएस कार्यक्रम के लिए तीन दिवसीय पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला में भाग लिया।

28. डॉ. जिगमेद ल्हाजेस, सहायक प्रोफेसर, सोवा रिगपा

1. ''द के हीलिंग हॉट स्प्रिंग्स ऑफ लद्दाख'' नामक एक कहानी–आधारित लेखन परियोजना को एक पुस्तक 'पीपल कॉल्ड लद्दाख' में पूरा किया, जिसे वेस्टलैंड पब्लिकेशन हाउस द्वारा 2024 के मध्य में प्रकाशित किया जाएगा।

2. 19–8–2023 को डीआईएचआर, लेह में जड़ी–बूटियों की खोज के लिए सोवा रिगपा द्वितीय वर्ष के छात्रों को ' लद्दाख किसान जवान विज्ञान मेला' में मार्गदर्शन किया।

3. लद्दाखी जड़ी–बूटियों की पहचान के लिए 25 अगस्त 2023 को खारदोंग दर्रे में एक दिवसीय सोवा रिगपा हर्बल यात्रा में शामिल हुए।

4. 1 फरवरी 2024 को वाराणसी में एनसीआईएसएम, दिल्ली के देखरेख में बीएसआरएमएस द्वितीय प्रोफेशनल के लिए पाठ्यक्रम तैयार करने हेतु 'लुस स्तोद डांग दोन स्नोद सोवा (सिर, गर्दन, वक्ष और उदर विकारों

का प्रबंधन) के लिए विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त किया गया।

5. सीआईएचटीएस वाराणसी (सारनाथ) में बीएसआरएमएस द्वितीय प्रोफेशनल के लिए तीन दिवसीय पाठ्यक्रम फ्रेमिंग कार्यशाला में भाग लिया और पाठ्यक्रम रूपरेखा को अंतिम रूप देने के लिए राष्ट्रीय विशेषज्ञों के साथ सहयोग किया।

छात्रों की उपलब्धियाँ

क. निम्नलिखित छात्रों ने गुजरात में आयोजित अंडर–16 जूनियर गर्ल्स फुटबॉल 2023 में भाग लिया:

1. स्तनज़िन छिमेद
2. सेनम यांगस्कीद
3. मिफम छ़ोमो
4. छ़ेरिंग छोडोन

ख. निम्नलिखित छात्रों ने लेह में आयोजित राज्य स्तरीय हैंडबॉल 2023 में भाग लिया:

1. न्वांग डोलमा
2. छ़ेरिंग छोसडोन
3. थुबस्तान डोलकर
4. थुबस्तान दोरजे
5. कोनछोक छ़ेरिंग

ग. निम्नलिखित छात्रों ने लेह में आयोजित राज्य स्तरीय वॉलीबॉल 2023 में भाग लिया:

1. सोनम पालमो
2. छ़ेतन डोलमा
3. थुबस्तान डोलकर
4. सेनम छोरोल
5. न्वांग ल्हाडोल
6. स्तनज़िन टशी
7. स्तनज़िन छोसफेल

घ. लेह में आयोजित अंतर–क्षेत्रीय जिला स्तरीय फुटबॉल टूर्नामेंट 2023 में निम्नलिखित छात्रों ने भाग लिया:

1. उग्र्यान थोकमेद

ङ. निम्नलिखित छात्रों ने लेह में आयोजित अंतर–क्षेत्रीय जिला स्तरीय हैंडबॉल टूर्नामेंट 2023 में भाग लिया:

1. सोनम पालमो
2. छ़ेतन डोलकर

च. लेह में आयोजित अंतर–विद्यालय स्तरीय टूर्नामेंट 2023 में निम्नलिखित छात्रों ने पुरस्कार प्राप्त किए:

1. छ़ेवांग डोलमा, डिस्कस थ्रो, प्रथम स्थान
2. नेबु छोसफेल, तीरंदाजी, दूसरा स्थान
3. नेबु छोसफेल, तीरंदाजी, दूसरा स्थान (युवा उत्सव)
4. छ़ेतन डोलकर, शॉट पुट, दूसरा स्थान
5. छ़ेतन डोलकर, डिस्कस थ्रो, तीसरा स्थान

छ. वार्षिक प्रशिक्षण शिविर एनसीसी में निम्नलिखित छात्रों ने पुरस्कार प्राप्त किए:

1. स्मूह नृत्य, प्रथम स्थान
2. स्तज़िन अंगमो ने सर्वश्रेष्ठ गार्ड का पदक जीता।

31. डिग्री/डिप्लोमा प्राप्त छात्रों का नियोजन

संस्थान पी–एच. डी. (विद्यावारिधि) उपाधि, भोट बौद्ध दर्शन, संस्कृत बौद्ध दर्शन, बौद्ध पौराणिक इतिहास, भोट साहित्य तथा तुलनात्मक दर्शन विषयों में आचार्य (एम.ए. के समतुल्य), शास्त्री (बी.ए. के समतुल्य), उत्तर मध्यमा (+2 के समतुल्य) और पूर्वमध्यमा (मैट्रिक के समतुल्य) की उपाधि प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त भोट चिकित्सा, थंका/चित्रकला, मूर्ति–कला और काष्ठकला में बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स (बीएफए) थंका पेंटिंग, बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स (बीएफए) हिमालयन मूर्तिकला, बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स (बीएफए) हिमालयन वुड कार्विंग, बैचलर इन भोट बोद्ध ज्योतिष और खगोल विज्ञान, बैचलर ऑफ सोवा रिगपा मेडिसिन एंड सर्जरी (बीएसआरएमएस) की उपाधि दी जाती है। यह अवलोकन किया गया है कि जिन विद्यार्थियों ने केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह से ऊपर बताए गए पाठ्यक्रमों में उपाधि प्राप्त की है, वे बेरोजगार नहीं है। जिन विद्यार्थियों ने इस संस्थान से उपाधि प्राप्त की है वे विशेषकर शिक्षा विभाग, केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख, केन्द्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय, और निजी स्कूलों में आसानी से नियुक्त हो जाते हैं। जिन उम्मीदवारों के पास ऊपर की उपाधियाँ हों उन्हें आकाशवाणी और दूरदर्शन विभागों में नियुक्त होने का अच्छा अवसर है, क्योंकि इन विभागों में उन उम्मीदवारों को वरीयता दी जाती है, जिनको स्थानीय भाषा का अच्छा ज्ञान हो।

संस्थान को गर्व महसूस होता है कि संस्थान के पूर्व छात्र राज्य और केंद्र सरकार की सेवाओं में अच्छे स्थानों पर हैं, जिनकी भर्ती कश्मीर पी.एस.सी. और यू.पी.एस.सी के माध्यम से की जाती है। इस के अतिरिक्त संस्थान के पूर्व छात्र पूरे भारत में सेना और अर्ध सैनिक बलों में देश के लिए सेवा कर रहे हैं। संस्थान के कुछ पूर्व छात्र विश्व भारती विश्वविद्यालय, शान्ति निकेतन कलकत्ता, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली आदि प्रख्यात विश्वविद्यालयों में काम कर रहे हैं। लद्दाख पुलिस के विभागों में अनेक ऐसे अधिकारी हैं जिन्होंने केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह से उपाधि प्राप्त की है। के.बौ.वि.सं., लेह की शाखा और फीडर स्कूल केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह के पूर्व छात्रों को नियुक्त कर चलाए जा रहे हैं, जो इस क्षेत्र की संस्कृति और विरासत के संरक्षण तथा पदोन्नति के लिए उपयोगी है।

भोट चिकित्सा में उपाधि प्राप्त विद्यार्थी केन्द्र प्रायोजित योजना 'राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन' के अधीन राज्य के स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत हैं, जो पूरे क्षेत्र में ग्रामीण मरीजों को देखते हैं। थंका/चित्रकला, मूर्ति–कला और काष्ठकला में उपाधि प्राप्त विद्यार्थी स्थानीय लोग तथा लद्दाख में आए पर्यटकों से थंका, मूर्ति और लकड़ी पर नक्काशी का काम करके अच्छी खासी धनराशि कमा रहे हैं। इसके अतिरिक्त जिन छात्रों ने ऊपर बताई गई उपाधियाँ प्राप्त की हों, वे उन संस्थ. ाओं में प्रशिक्षक के रूप में नियुक्त होते हैं, जहाँ पर समान पाठ्यक्रम हों।

इस प्रकार हजारों विद्यार्थियों ने केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह से उपाधियाँ प्राप्त की हैं और उनमें से कोई भी बेरोजगार नहीं है। यह केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह की एक महान् उपलब्धि है।

32.पाठयपुस्तकों का परिशोधन एवं संपादन

वर्ष 2023–24 के दौरान संस्थान ने कक्षा शास्त्री–III मुख्य पाठ्य पुस्तक (छठे सेमेस्टर) और शास्त्री–III संप्रदाय शास्त्र पाठ्य पुस्तक (छठे सेमेस्टर) की भोटी में पाठ्य पुस्तकों को संशोधित, संपादित और प्रकाशित किया गया।

33. डुजिंग फोटंग विद्यालय, जंस्कार

(क) संक्षिप्त इतिहासः

जंस्कार बौद्ध संघ के निमन्त्रण पर सन् 1980 में पहली बार परम पावन दलाई लामा जी जंस्कार पधारे थे। उन्होंने इस क्षेत्र की संस्कृति के संरक्षण की आवश्यकता का अनुभव करते हुए एक विद्यालय की स्थापना के लिए जंस्कार बौद्ध संघ को कुछ धनराशि भेंट की। जंस्कार बौद्ध संघ ने इस क्षेत्र के निर्धन एवं जरूरतमंद छात्रों के कल्याण के लिए सितम्बर वर्ष 1984 में डुजिंग फोटंग में एक विद्यालय की स्थापना की। यहाँ प्रारंभ में कुल 101 छात्रों को प्रवेश दिया गया तथा तीन अध्यापकों को नियुक्त किया गया। दूर–दराज के क्षेत्रों के छात्रों के लिए एक छात्रावास का प्रबंध भी किया गया। जंस्कार के बौद्ध निवासियों ने भी इस विद्यालय के कोष के लिए धन जुटाया। परम पूज्य दलाई लामा

जी के वर्ष 1988 में दूसरी बार जंस्कार पधारने पर विद्यालय के विकास के लिए पुनः धनराशि भेंट की। जंस्कार बौद्ध संघ और क्षेत्र की जनता ने तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री राजीव गाँधी को इस विद्यालय के महत्त्व के बारे में अवगत कराया तथा उनसे निवेदन किया कि केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह की तरह इस विद्यालय का प्रबंधन भारत सरकार अपने अधीन कर ले। तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री राजीव गाँधी ने मार्च/अप्रैल 1988 में अपनी जंस्कार यात्रा के दौरान वहाँ के नागरिकों की भावनाओं का समादर करते हुए "डुजिंग फोटंग विद्यालय" को केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह से सम्बद्ध करने की घोषणा की थी। तदनुसार भारत सरकार ने नवम्बर, 1989 से इस विद्यालय को केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह की शाखा के रूप में मान्यता प्रदान कर दी। तब से यह विद्यालय केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह के वित्तीय एवं प्रशासनिक नियन्त्रण में चलाया जा रहा है। वर्तमान में इस विद्यालय में प्रथम कक्षा से दसवीं कक्षा तक कुल 340 विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं। डुजिंग फोटंग विद्यालय के परिसर में शैक्षिक विभाग, एक छोटा सा पुस्तकालय, एक छोटा बहुउपयोगी सभा भवन, 100 छात्रों के रहने के लिए छात्रावास, कर्मचारी आवास और एक खेल का मैदान है। जो विद्यार्थी छात्रावास में नहीं रहते हैं, उनको लाने–ले जाने के लिए एक स्कूल बस भी है। जंस्कार घाटी एक अलग क्षेत्र है और सर्दियों में लगभग 6 से 7 महीने के लिए लेह और कारगिल से कटा रहता है।

(ख) परीक्षा का परिणाम (डी.पी.एस.,जंस्कार) :

डुजिंग फोटंग विद्यालय, जंस्कार के कक्षा पहली से आठवीं तक के विद्यार्थियों की वार्षिक परीक्षाएँ प्रधानाध्यापक के निरीक्षण में संस्थान द्वारा अयोजित की गईं। कक्षा नवीं तथा दसवीं के विद्यार्थियों की वार्षिक परीक्षाएँ संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्याय, वाराणसी द्वारा संचालित की गईं। वहाँ के विद्यार्थियों को परीक्षा के लिए लेह आना पड़ता था और अनेक कठिनाईयों का सामना करना पड़ता था। अतः इन बातों को ध्यान में रखकर वहाँ एक परीक्षा केन्द्र स्थापित किया गया। वर्ष 2023–2024 सत्र के अर्न्तगत विद्यार्थियों के नामांकन और प्रत्येक कक्षा की परीक्षाओं के परिणाम का विवरण पृष्ठ संख्या **37** पर परिशिष्ट के रूप में दर्शाया गया है।

(ग) अन्य क्रिया–कलाप (डी.पी.एस., जंस्कार) :

यह स्कूल विविध शैक्षिक क्रिया–कलापों का आयोजन कर रहा है, जैसे – वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता, साहित्यिक प्रतियोगिता, ऐतिहासिक स्थलों/विहारों का दर्शन, राष्ट्रीय स्तर के महापुरुषों का जन्म दिवस मनाना, मासिक व्याख्यान प्रतियोगिता आदि। इसके अतिरिक्त इस स्कूल में एक छोटा सा ग्रन्थालय है जहाँ विद्यार्थियों के लिए ग्रन्थों का एक अच्छा संग्रह उपलब्ध है।

(घ) कर्मचारी संख्या :

प्राप्त विवरण के अनुसार डुजिंग फोटंग विद्यालय के कर्मचारियों की संख्या पृष्ठ संख्या **46** पर परिशिष्ट के

रूप में दर्शाया गया है।

34. बौद्ध दर्शन संस्कृत विद्यालय, मंडोगलु (हि.प्र.)

(क) संक्षिप्त इतिहास :

हिमालय क्षेत्र क्रमश : लाहुल, स्पीति, किन्नौर, पंगी, कुल्लू और मनाली की बहुमूल्य बौद्ध कला, भाषा और संस्कृति को सुरक्षित रखने के लिए बौद्ध दर्शन संस्कृत विद्यालय, केलंग, लाहुल–स्पीती (हि.प्र.) की स्थापना सन् 1976 में हुई। सन् 1959 से पूर्व इस क्षेत्र के विद्वान, श्रामणेर एवं भिक्षु उच्च बौद्ध शिक्षा के लिए तिब्बत जाते थे। परन्तु 1959 की ऐतिहासिक घटना के परिणामस्वरूप अचानक इस परम्परा में व्यवधान पैदा हुआ। अतः नवशिष्यों को पारम्परिक बौद्ध शिक्षा देने के लिए बौद्ध दर्शन संस्कृत विद्यालय, केलांग अस्तित्व में आया। आरम्भ में यह विद्यालय यहाँ के निवासियों से धन जुटाकर चलाया जाता था। तत्पश्चात् भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय ने बौद्ध/तिब्बती संस्था विकास के वित्त सहयोग योजना के अर्न्तगत कुछ वित्तीय सहयोग दिया। इस क्षेत्र के लोगों ने इस विद्यालय को केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह और केन्द्रीय तिब्बती विश्वविद्यालय, सारनाथ, वाराणसी की प्रणाली के अनुसार भारत सरकार की एक स्वायत्त संस्था के रूप में प्रभार लेने के अथक प्रयास किए। परन्तु यह भारत सरकार के संस्कृति मन्त्रालय की एक स्वायत्त संस्था के रूप में प्रभार नहीं ले सका।

तथापि वर्तमान में, संस्कृति मन्त्रालय, भारत सरकार ने केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह की प्रबन्धकारिणी की संस्तुति के आधार पर इस विद्यालय को डुज़िंग फोटंग विद्यालय (डी.पी.एस.) जंस्कार के समान केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह की शाखा विद्यालय के रूप में अपने अधीन लेने का निर्णय लिया है। तदनुसार संस्कृति मन्त्रालय, भारत सरकार के पत्र सं0 एफ./1–11/2004–बी.टी.आई. दिनांक 05–03–2010 के अनुसार बौद्ध दर्शन संस्कृत विद्यालय, केलांग (हि.प्र.) को केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह ने अपनी शाखा के रूप में ले लिया है। तब से इस विद्यालय के प्रशासन को केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह द्वारा पूर्ण वित्तीय सहयोग से चलाया जा रहा है। इस विद्यालय में एक प्रधानाध्यापक, छः प्रशिक्षित स्नातक, एक भोटी अध्यापक, एक बौद्ध दर्शन का अध्यापक, एक कार्यालय सहायक और तीन चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी कार्यरत है। डुज़िंग फोटंग विद्यालय, जंस्कार के समान इस विद्यालय के कर्मचारियों का वेतन, छात्रों की छात्रवृत्ति, साज–सामान और दिन–प्रति दिन का व्यय केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान,लेह द्वारा दिया जाता है। वर्तमान में यह विद्यालय मंडोगुलु, मन्डी. हि.प्र. में चलाया जा रहा है, जहाँ डीगुङ कग्युद सोसाइटी द्वारा निःशुल्क आवास प्रदान किया है।

इस विद्यालय की पहली से दसवीं कक्षा तक की वार्षिक परीक्षाएँ प्रधानाध्यापक के निरीक्षण में अयोजित की जाती हैं। वर्ष 2023–2024 सत्र के अर्न्तगत विद्यार्थियों के नामांकन और प्रत्येक कक्षा की परीक्षाओं के परिणाम का विवरण पृष्ठ संख्या **47** पर परिशिष्ट के रूप में दर्शाया गया है।

(ख) कर्मचारी संख्या :

बौद्ध दर्शन संस्कृत विद्यालय, मंडोगुलु (हि.प्र.) के कर्मचारी संख्या पृष्ठ संख्या पर परिशिष्ट के रूप में दर्शाया

गया है।

35. I) के.बौ.वि.सं. लेह की संस्थान की संरचनाः

क्र. सं.	नाम और पता	पद
1.	सचिव,संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार	अध्यक्ष
2.	एएस और एफए, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
3.	संयुक्त सचिव, बीटीआई संस्कृति मंत्रालय,भारत सरकार	सदस्य (पदेन)
4.	भारत सरकार के उच्च शिक्षा विभाग मानव संसाधन विकास मंत्रालय, का एक नामांकित व्यक्ति	सदस्य (पदेन)
5.	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सचिव या नामांकित व्यक्ति	सदस्य (पदेन)
6.	उपायुक्त, लेह	सदस्य (पदेन)
7.	अखिल लद्दाख गोनपा संघ, के द्वारा चुना गया लद्दाख के गोनपाओं का एक प्रतिनिधि (भिक्षु छ़ेरिङ वांगदुस, अध्यक्ष)	सदस्य (गैर–सरकारी)
8.	श्री थुबस्तन छ़ेवांग, अध्यक्ष, लद्दाख बौद्ध संघ, लेह लद्दाख के प्रतिनिधि	सदस्य (गैर–सरकारी)
9-10	केन्द्रीय सरकार द्वारा नामांकित दो प्रख्यात बौद्ध शिक्षाविद 1) डॉ. पद्मा ग्युरमेद, निदेशक राष्ट्रीय सोवा रिगपा संस्थान, लेह 2) डॉ. सोनम वांगमो, असिस्टेन्ट प्रोफेसर डिग्री कॉलेज, लेह	 सदस्य (गैर–सरकारी) सदस्य (गैर–सरकारी)
11.	कुलपति के.बौ.वि.सं., लेह	सदस्य (पदेन)
12- 13	के.बौ.वि.सं. लेह के संकायों के दो डीन, 1) खनपो कोनचोग थुबस्तन, एसोसिएट प्रोफेसर के.बौ.वि.सं. लेह 2) डॉ. एस.के गौतम , सहायक असिस्टेन्ट प्रोफेसर के.बौ.वि.सं., लेह	 सदस्य (पदेन) सदस्य (पदेन)
14.	रजिस्ट्रार/ प्र॰ अधिकारी केंद्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह सचिव	(पदेन)

II) के.बौ.वि.सं. लेह के प्रबन्धक समिति की संरचनाः

क्र.सं.	नाम और पता	पद
1.	प्रो. राजेश रंजन, कुलपति के.बौ.वि.सं., लेह	अध्यक्ष (पदेन)
2-3.	संकायों के दो डीन 1) डॉ ठिनले यांगजोर, डीन, के.बौ.वि.सं., लेह 2) डॉ. एसके गौतम, सहायक प्रोफेसर के.बौ.वि.सं., लेह	
4-6.	कुलाधिपति द्वारा मनोनीत तीन प्रख्यात शिक्षाविद 1. प्रो. वांगछुग दोरजे नेगी के.उ.ति.शि.सं.,सारनाथ 2. प्रो. के.टी.एस. साराओ, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, बौद्ध अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली 3. खनपो ईशे छ़ेरिंग, प्रधान मठाधीश, भिक्षुणी सक्या कॉलेज, छ़ेछेन शेडुब समतन फुनछ़ोग लिंग धर्मार्थ समाज, देहरादून, उत्तराखंड	 सदस्य सदस्य सदस्य
7.	केंद्र सरकार द्वारा मनोनीत एक प्रख्यात शिक्षाविद सदस्य होंगे (प्रक्रियाधीन)	सदस्य
8-9.	दो शिक्षण संकाय (प्रोफेसर/ सहायक प्रोफेसर) वरिष्ठता के आधार पर बारी 1. गेशे डाकपा कालसांग, सहायक प्रोफेसर 2) खनपो कोनचोग थुबस्तन, सहायक प्रोफेसर के.बौ.वि.सं.	 सदस्य सदस्य
10-13.	सोसायटी के चार नामांकित व्यक्ति 1. श्रीमती अमिता प्रसाद सरभाई संयुक्त सचिव, एमओसी (बीटीआई) 2. श्री नीरज कुमार, निदेशक (बीटीआई) एमओसी 3. श्री थुबस्तन छ़ेवांग , अध्यक्ष, लद्दाख बौद्ध संघ, लेह 4. भिक्षु छ़ेरिगं वङदुस, अध्यक्ष, लद्दाख गोनपा संघ,लेह	 सदस्य (पदेन) सदस्य (पदेन) सदस्य सदस्य
14.	सहायक प्रोफेसर श्रेणी के एक शिक्षक बारी पर 1. गेशे लोबज़ांग वांगछुक, सहायक प्रोफेसर	 सदस्य
15.	रजिस्ट्रार/ प्र॰ अधिकारी. केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह	सदस्य

III) विद्या परिषद की संरचना :

क्र.सं.	नाम और पता	पद
1.	प्रो.राजेश रंजन, कुलपति के.बौ.वि.सं., लेह संकायों के डीन	अध्यक्ष
	संकायों के डीन	
2-5	1) गेशे डाकपा कालसांग विभागध्यक्ष, अध्यात्म तथा न्यायविद्या विभाग	सदस्य
	2) खनपो कोनछोग थुबस्तन, विभागध्यक्ष, शब्दविद्या विभाग	सदस्य
	3) डॉ. एसके गौतम, सहायक प्रोफेसर	सदस्य
	4) डॉ. ठिनले यंगजोर, विभागध्यक्ष, सोवा रिगपा एवं ज्योतिष विभाग	सदस्य
	विभागों के अध्यक्ष	
6-11.	अध्यात्म विद्या संकाय	
	1) गेशे डाकपा कालसांग भोट बौद्ध दर्शन विभाग	सदस्य
	2) गेशे डाकपा कालसांग, प्रभारी भोट बौद्ध दर्शन विभाग (संस्कृत माध्यम)	सदस्य
	3) गेशे लोबज़ांग छुलठिम, ञींगमा सम्प्रदाय विभाग	सदस्य
	4) खनपो लोबज़ांग छुलठीम बुटिया, र्कयुद सम्प्रदाय विभाग	सदस्य
	5) खनपो जमयांग कुनजांग, सक्या सम्प्रदाय विभाग	सदस्य
	6) गेशे लोबज़ांग छुलठिम, गेलुग सम्प्रदाय विभाग	सदस्य
12-16.	शब्द विद्या संकाय	
	1) खनपो कोनचोग थुबस्तन, भोटी साहित्य विभाग	सदस्य
	2) डॉ. राहुल मिश्र, प्रभारी संस्कृत विभाग	सदस्य
	3) डॉ. राहुल मिश्र, प्रभारी पाली विभाग	सदस्य
	4) डॉ. डी.के. पटनायक, अंग्रेजी विभाग	सदस्य
	5) डॉ. राहुल मिश्र, प्रभारी हिंदी विभाग	सदस्य
17-21	सोवा रिगपा और शिल्प विद्या संकाय	
	1) डॉ. ठिनले यांगजोर, सोवा रिगपा विभाग	सदस्य
	2) श्री छेरिंग दोरजे, थंका चित्र–कला विभाग	सदस्य
	3) भिक्षु कोनचोग थबडोल, हिमालय मूर्ति–कला विभाग	सदस्य
	4) श्री कोनचोक छोसफेल, हिमालय काष्ठ–कला विभाग	सदस्य
	5) डॉ. कोनचोग छेरिंग, ज्योतिष और खगोल विज्ञान विभाग	सदस्य

22-26	आधुनिक विद्या संकाय	
	1) खनपो शेडुब कोनचोग, बौद्ध पौरणिक इतिहास	सदस्य
	2) डॉ. विपिन कुमार पांडे, तुलनात्मक दर्शन विभाग	सदस्य
	3) डॉ. एस.के.गौतम, इतिहास विभाग	सदस्य
	4) डॉ. एस.के.गौतम, प्रभारी,राजनीति विज्ञान	सदस्य
	5) डॉ. एस.के.गौतम, प्रभारी, अर्थशास्त्र विभाग	सदस्य
27-30	विभागाध्यक्ष के अलावा सभी प्रोफेसर वरिष्ठता के आधार पर बारी से वर्तमान में प्रो पद रिक्त हैं	सदस्य
31-32	विभागाध्यक्ष के अलावा दो सहायक प्रोफेसर वरिष्ठता के आधार पर बारी से	
	1) गेशे डाकपा कालसांग	सदस्य
	2) खनपो कोनचोग थुबस्तन	सदस्य
33-34	विभाग के दो सा–आचार्य वरिष्ठता के आधार पर	
	1) गेशे लोबज़ांग वांगछुग	सदस्य
	2) खनपो कोनछोग थबडोल	सदस्य
35-37	तीन प्रतिष्ठित शिक्षाविद जो संस्थान की सेवा में नहीं हैं	
	1) प्रो. बिमलेंद्र कुमार, बीएचयू	सदस्य
	2) प्रो. धर्मचंद जैन, जयपुर	सदस्य
	3) प्रो. एसके दास, शांति निकेतन	सदस्य
38-40	तीन व्यक्ति जो शिक्षण स्टाफ के सदस्य नहीं है, अपने विशिष्ट ज्ञान के लिए अकादमिक परिषद द्वारा सहयोजित हैं।	
	1) भिक्षु संघसेन, निदेशक, एमआईएमसी, लेह	सदस्य
	2) डॉ. कोनछोग रिगज़िन, अनुसंधान अधिकारी	सदस्य
	3) डॉ. पी.के. दास, नव नालंदा महाविहार	सदस्य
41.	रजिस्ट्रार / प्र॰ अधिकारी	
	1. डॉ. कोनछोग रिगज़िन, प्रशासनिक अधिकारी	सचिव

IV)	**वित्त समिति की संरचना :**	
क्र.सं.	नाम और पता	पद
1.	प्रो. राजेश रंजन, कुलपति	अध्यक्ष
2.	संस्थान की सोसायटी द्वारा नामित किए जाने वाले व्यक्ति श्री हरीश कुमार, निदेशक (वित्त) एमओसी	सदस्य
3-4	प्रबंधन समिति के दो मनोबीत सदस्य एक बोर्ड का सदस्य होगा 1. प्रो. वांगछुक दोर्जे नेगी, कुलपति, के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ, वाराणसी, उ.प्र. 2. श्री छेवांग दोर्जे, प्रभारी, लेखाधिकारी केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख	 सदस्य सदस्य
5.	केंद्र सरकार का एक प्रतिनिधि श्री नीरज कुमार, निदेशक, (बीटीआई अनुभाग), एमओसी	सदस्य
6.	संस्थान के वित अधिकारी (वर्तमान में डॉ. कोनछोक रिगज़िन प्रशासनिक अधिकारी द्वारा कार्यभार संभाला जा रहा है)	सदस्य–सचिव

V)	**प्रकाशन समिति की संरचना :**	
क्र.सं.	नाम और पता	पद
1.	निदेशक / कुलपति	अध्यक्ष
2.	डॉ. पेमा तेनज़िन प्रकाशन अधिकारी, सीआईएचटीएस, सारनाथ, वाराणसी (यूपी)	सदस्य
3.	प्रो. जमयांग ग्यालछ़न, मुख्य संपादक, विश्वकोश हिमालयी बौद्ध संस्कृति, कें.बौ.वि.सं. लेह	सदस्य
4.	श्री छुलठीम ग्याछो (सेवानिवृत्त) टशी थोंगमोन, चोगलमसर, लेह	सदस्य
5.	प्रशासनिक अधिकारी कें.बौ.वि.सं., लेह	सदस्य
6.	डॉ. कोनचोक रिगज़िन अनुसंधान अधिकारी के.बौ.वि.सं., लेह	सदस्य सचिव

VI)	**पुस्तकालय समिति की संरचना :**	
क्र.सं.	नाम और पता	पद
1.	निदेशक / कुलपति	अध्यक्ष
2.	पुस्तकालयाध्यक्ष, जिला पुस्तकालय, लेह	सदस्य

3.	डॉ. टशी समफेल निदेशक, स्नोङचन पुस्तकालय, पी. ओ. कुलान, देहरादून	सदस्य
4.	भिक्षु लगदोर, निदेशक, तिब्बती पुस्तकालय एवं अभिलेख, धर्मशाला (हि.प्र.)	सदस्य
5.	पुस्तकालय एवं सूचनाधिकारी, केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान,लेह स्य–सचिव	सदस्य सचिव

VII)	**शोध समिति की संरचना :**	
क्र.सं.	नाम और पता	पद
1.	निदेशक / कुलपति	अध्यक्ष
2.	राम नंदन सिंह बौद्ध अध्ययन विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय	सदस्य
3.	डॉ. ग्युरमेद दोरजे बौद्ध अध्ययन विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय	सदस्य
4.	प्रो. लोबज़ांग छेवांग (सेवानिवृत्त) शे गांव, लेह, लद्दाख	सदस्य
5.	डॉ. कोनचोक रिगज़िन अनुसंधान अधिकारी, के.बौ.वि.सं., लेह	सदस्य सचिव

VIII)	**केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह के कर्मचारियों की पदेन–वार संख्या : क. शैक्षणिक पद**		
क्र.सं.	पद का नाम	वेतन स्तर	स्वीकृत पद
1.	कुलपति	210000 नियत	01
2.	प्रोफेसर / आचार्य	एएल –14	04
3.	उपाचार्य	एएल –13ए	09
4.	प्राध्यापक	एएल –10	24
5.	प्रशिक्षक, स्नातक	स्तर–07	12
6.	प्रशिक्षित काष्ठकला	स्तर–05	01
7.	अध्यापक, गो॰ वि॰	स्तर–05	100

ख. प्रशासनिक पद			
1.	प्रशासनिक अधिकारी	स्तर–11	1
2.	अग्नि॰ प्र॰ अधिकारी	स्तर–11	1
3.	अधीक्षक	स्तर–06	1

4.	लेखाकार	स्तर–06	1
5.	मेडिकल सुपरवाईज़र	स्तर–06	1
6.	निजी सहायक	स्तर–06	1
7.	मुख्य सहायक	स्तर–06	1
8.	आशुलिपिक	स्तर–05	1
9.	कार्यालय सहायक	स्तर–04	4
10.	रोकड़िया	स्तर–04	1
11.	भण्डारक	स्तर–04	1
12.	एल.डी.सी	स्तर–02	1
13.	पम्प चालक	स्तर–04	1
14	गाड़ी चालक	स्तर–04	2
15.	केयर टेकर	स्तर–04	1
17.	वरिष्ठ चौकीदार	स्तर–01	1
18.	चौकीदार	स्तर–01	4
19.	जमादार	स्तर–01	1
20.	चपरासी	स्तर–01	6
21.	छात्रावास रसोईया	स्तर–01	4
22.	छात्रावास बैरा	स्तर–01	1
23.	कैन्टीन बैरा	स्तर–01	1
24.	माली	स्तर–01	1
25.	सफाई कर्मचारी	स्तर–01	3
ग. पुस्तकालय कर्मचारी			
26.	पुस्तकालय एवं सूचनाधिकारी	स्तर–10	1
27.	सहायक सम्पादक/ सह सूचीकार	स्तर–06	1
28.	पुस्तकालय सूचना सहायक	स्तर–06	1
घ. शोध एकांश			
29.	शोधाधिकारी	स्तर–10	1

30.	अनुवादक	स्तर–07	1

IX) केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान (सम विश्वविद्यालय) लेह के 2023–2024 सत्र के अन्तर्गत क. सेमेस्टर एण्ए ट और वार्षिक परीक्षाओं के परिणाम का विवरण :					
म.स	कक्षा	छात्र संख्या	परीक्षा में प्रवेश	परीक्षा में उत्तीर्ण	उत्तीर्ण प्रतिशत
क.	विश्वविद्यालय कक्षाएँ				
1.	शास्त्री प्रथम	15	14	14	100
2.	शास्त्री द्वितीय	19	18	18	100
3.	शास्त्री तृतीय	18	18	18	100
4.	शास्त्री तृतीय (बैक)	13	13	08	61
5.	आचार्य प्रथम	21	20	20	100
6.	आचार्य द्वितीय	20	20	20	100
7.	बीएफए मूर्तिकला–I	03	03	03	100
8.	बीएफए चित्रकला–I	03	03	03	100
9.	बीएफए काष्ठकला–I	01	01	01	100
10.	बीएफए मूर्तिकला–II	02	02	02	100
11	चित्रकला–II	06	06	06	100
12.	चित्रकला–III	02	02	02	100
13.	मूर्तिकला–IV	01	01	01	100
14.	चित्रकला–IV	01	01	01	100
15.	मूर्तिकला–V	03	03	03	100
16.	चित्रकला–V	03	03	03	100
17.	काष्ठकला–V	01	01	01	100
18.	मूर्तिकला–VI	01	01	01	100
19.	चित्रकला–VI	03	03	03	100
20.	चित्रकला–VII	01	01	01	100
21.	भोट ज्योतिष	01	01	01	100

	कुल	**138**	**135**	**130**	**96.29**

ख. सेमेस्टर II,IV और VI परीक्षाओं के परिणाम का विवरण					
क्रम.स	कक्षा	छात्र संख्या	परीक्षा में प्रवेश	परीक्षा में उत्तीर्ण	उत्तीर्ण प्रतिशत
क.	विश्वविद्यालय कक्षाएँ				
1.	शास्त्री प्रथम	11	11	11	100
2.	शास्त्री द्वितीय	18	18	18	100
3.	शास्त्री तृतीय	18	17	17	100
4.	शास्त्री तृतीय (बैक)	10	10	09	90
5.	आचार्य प्रथम	19	18	18	100
6.	आचार्य द्वितीय	19	19	19	100
क्रम.स	कक्षा	छात्र संख्या	परीक्षा में प्रवेश	परीक्षा में उत्तीर्ण	उत्तीर्ण प्रतिशत
1.	बीएफए हिमालयन मूर्तिकला–I	03	03	03	100
2.	बीएफए चित्रकला–I	03	03	03	100
3.	बीएफए काष्ठकला–I	01	01	01	100
4.	मूर्तिकला–II	02	02	02	100
5.	बीएफए चित्रकला–II	06	05	05	100
6.	थंका चित्रकला–III	02	02	02	100
7.	हिमालयन मूर्तिकला–IV	01	01	01	100
8.	थंका चित्रकला–IV	01	01	01	100
9.	हिमालयन मूर्तिकला–V	03	03	03	100
10.	थंका चित्रकला–V	03	03	03	100
11.	हिमालयन काष्ठकला–V	01	01	01	100
12.	हिमालयन मूर्तिकला–VI	02	02	02	100
13.	थंका चित्रकला–VI	03	03	03	100
14.	थंका चित्रकला–VII	01	01	01	100

15.	भोट ज्योतिष खगोल विज्ञान–I	01	01	01	100
क्रम.स	कक्षा	छात्र संख्या	परीक्षा में प्रवेश	परीक्षा में उत्तीर्ण	उत्तीर्ण प्रतिशत
1.	सोवा रिगपा (बीएसआरएम)–ए	04	04	04	100
2.	सोवा रिगपा (बीएसआरएम)–बी	07	07	07	85
3.	सोवा रिगपा (बीएसआरएम)–सी	15	15	15	100
4.	सोवा रिगपा (बीएसआरएम)–ए	15	12	–	–
5.	सोवा रिगपा (बीएसआरएम)	06	06	06	100
	कुल	175	169	145	86

ग.के.बौ.वि.सं. उच्चतर माध्यमिक विद्यालय					
क्रम.स	कक्षा	छात्र संख्या	परीक्षा में प्रवेश	परीक्षा में उत्तीर्ण	उत्तीर्ण प्रतिशत
1.	छठी	31	30	27	90
2.	सातवीं	33	30	27	90
3.	आठवीं	44	40	38	95
4.	पूर्वमध्यमा प्रथम	81	81	56	69.1
5.	पूर्वमध्यमा द्वितीय	67	67	54	81
6	उत्तरमध्यमा प्रथम	40	39	34	87.2
7.	उत्तरमध्यमा द्वितीय	53	51	44	86.3
	कुल	349	338	280	82.8

X) गोनपा/श्रामणेरी विद्यालयों के 2023–2024 सत्र के अन्तर्गत विद्यार्थियों के विद्यालयवार एवं कक्षावार नामांकन का विवरण:

क्र.सं.	गोनपा/श्रामणेरी विद्यालय का नाम		कक्षावार कुल नामांकन								कुल
	गोनपा विद्यालय	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	पंचम	छठवीं	सतवीं	आ. ठवीं	योग	

1.	हेमीस गोनपा विद्यालय, हेमीस, लेह	02	08	01	07	05	13	09	08	53	5
2.	शचुकुल गोनपा विद्यालय, शचुकुल, चंगथंग, लेह	06	04	01	04	02	05	05	.	27	3
3.	चेमडे गोनपा विद्यालय, चेमडे, लेह	.	05	05	04	04	.	.	.	18	2
4.	हनले गोनपा विद्यालय, हनले, लेह	02	.	03	04	04	.	.	.	13	2
5.	कर्मा डूपग्युद छोसलिंग गोनपा विद्यालय, चोगलमसर	07	04	.	08	.				19	1
6.	लिकीर गोनपा विद्यालय, लिकीर, लेह	03	01	.	06	04				14	2
7.	ठीक्से गोनपा विद्यालय, ठीक्से, लेह	01	.	04	.	.				05	1
8.	स्मतनलिग गोनपा विद्यालय, सामस्तानलींग, नूबरा, लेह	06	04	03	.	03			.	16	2
9.	स्पीतुग गोनपा विद्यालय, स्पीतुग, लेह	11	08	05	06	05	.	.	.	35	3
10.	फ्यांग गोनपा विद्यालय, फ्यांग, लेह	04	03	02	01	03				13	1
11.	ग्युदजिन तान्त्रिक गोनपा विद्यालय, फे	07	.	04	.	.				11	1
12.	मठो गोनपा विद्यालय, मठो, लेह	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
13.	हनुथंग गोनपा विद्यालय	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
14.	स्तगना गोनपा विद्यालय, स्तगना, लेह	02	04	03	03	03				15	2

15.	स्क्युरबनचन गोनपा विद्यालय, खलचे़	03	.	.	02	02				07	1
16.	न्योमा गोनपा विद्यालय, चंगथंग	.	.	.	01	.				01	1
19.	देस्कीद गोनपा विद्यालय, देस्कीद, नूबरा, लेह	.	02	03	03	03				11	1
20.	यरमा गोनबो गोनपा विद्यालय, नुबरा	02	03	03	09	02				19	2
21.	बरदन गोनपा विद्यालय, बरदन, जंस्कार, कारगील	09	05	.	02	.				16	1
22.	कोरज़ोग गोनपा विद्यालय, चंगथंग	.	.	08	04	01				13	2
23.	कारशा गोनपा विद्यालय, कारशा, जंस्कार, कारगील	01	08	05	03	.				17	2
24.	लामायुरू गोनपा विद्यालय, लामायुरू, लेह	.	07	04	05	03				19	3
25.	फूगथल गोनपा विद्यालय, फूगथल, जंस्कार, कारगील	.	04	03	.	.	01	02	.	10	3
26.	रंगदुम गोनपा विद्यालय, जंस्कार	01	02	02	.	01				06	1
27.	मुने गोनपा विद्यालय, जंस्कार	02	.	.	.	.				02	1
28.	जोंगखुल गोनपा विद्यालय, जंस्कार	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.
29.	स्तगरिमो गोनपा विद्यालय, जंस्कार	.	.	01						01	5
30.	पलदार गोनपा विद्यालय, पलदार	14	17	15	20	18				84	2

31.	की गोनपा विद्यालय, कजा, स्पीती	.	.	10	05	10				25	2
32.	तनग्युद गोनपा विद्यालय, कज़ा, स्पिती	.	02	04	02	01				09	.
33.	नालंदा गोनपा, सबु थंग	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.
34.	उग्र्यज्ञान संङग छोलिङ गोनपा विद्यालय, कुंगरि स्पीती	04	.	05	.	04				13	1
35.	डिगुङ कग्युद दोर्जे यीङ गोनपा, देहरादून	10	27	36	16	19				108	
36.	तिमोस्मंग श्रामणेरी विद्यालय तिमोस्मंग	.	01	.	04	.				05	1
37.	स्किदमंग श्रामणेरी विद्यालय, स्कितमांग	.	06	03	.	02				11	1
38.	चुलीचन श्रामणेरी विद्यालय, चुलीचान, लेह	03	.	.	.	01				04	1
39.	बौद्धखरबु श्रामणेरी विद्यालय, बौद्धखरबु, करगील	02	01	.	.	01				04	1
40.	वाखा श्रामणेरी विद्यालय, वाखा, कारगील	05	.	.	01	01				07	1
41.	शारगोल श्रामणेरी विद्यालय, शारगोल, कारगील	04	01	01	01					07	1
42.	ज़ंगला श्रामणेरी विद्यालय, ज़ंगला, जंस्कार, कारगील	03	01	06	01	06				17	2
43.	करशा श्रामणेरी विद्यालय, जंस्कार कारगील	03	02	01	.	.				06	1

44.	टशी छोसलिंग श्रामणेरी विद्यालय, कनम, कीनौर, हि0 प्र0	08	02	02	.	.				12	1
45.	सक्या श्रामणेरी विद्यालय, चोगलमसर	03	01	.	01	.				05	1
46	यङ्चेन् छोसलिङ् श्रामणेरी विद्यालय, स्पीती हि0	.	.	05	05	.				10	1
47.	तुङरि श्रामणेरी विद्यालय, ज़ङ्कर	01	.	02	.	02				05	1
48.	दोर्गे ज़ोङ् श्रामणेरी विद्यालय, ज़ङ्कर	07	04	04	05	01				21	2
49.	फगमो लिङ् श्रामणेरी विद्यालय, स्क्यागम, ज़ङ्कर	02	07	01	01	04				15	2
50	देछेन छोलिङ् श्रामणेरी विद्यालय, पीन गांव, स्पीती	.	06	05	.	04				15	2
	कुल योग	133	152	167	140	125	19	16	8	760	75

XI) वर्ष 2023–2024 के परीक्षा का परिणाम (डी.पी.एस.,जंस्कार) :

क्र.सं.	कक्षा	छात्र संख्या	उपस्थित	परीक्षा में उत्तीर्ण	उत्तीर्ण प्रतिशत
1.	प्रथम	38	38	38	100
2.	द्वितीय	30	27	27	90
3.	तृतीय	25	25	25	100
4.	चतुर्थ	26	26	26	100
5.	पांचवीं	34	34	34	100
6.	छठी	32	32	32	100
7.	सातवीं	32	32	32	100
8.	आठवीं	30	30	30	100

9.	नौवीं	18	18	16	89
10.	दसवीं	20	20	17	85
	कुल	285	282	277	98

XII) डी.पी.एस.,जंस्कार की कर्मचारी संख्या :			
क.	शैक्षणिक कर्मचारी	ग्रेड में	स्वीकृत पद
1.	प्रधानाध्यापक	वेतन स्तर–8	1
2.	टी.जी.टी	वेतन स्तर–7	7
3.	प्राथमिक अध्यापक	वेतन स्तर–5	5
4.	शारीरिक शिक्षा अध्यापक (अनुबन्ध पर)	44900/=(नियत)	1
5.	कंप्यूटर प्रशिक्षक (अनुबन्ध पर)	44900/=(नियत)	1

ख.	गैर शैक्षणिक कर्मचारी	वेतनमान	स्वीकृत पद
1.	कार्यालय सहायक (अनुबन्ध पर)	25000/=(नियत)	1
2.	रसोइया	वेतन स्तर–1	1
3.	चपरासी सह चौकीदार	वेतन स्तर–1	1
4.	गाड़ी चालक (संविदा)	19900/=(नियत)	1
5.	माली (संविदा)	18000/=((नियत)	1
6.	सफाई कर्मचारी	वेतन स्तर–1	1
7.	चौकीदार (संविदा)	18000/=(नियत)	1
8.	छात्रावास रसोईया (संविदा)	19000/=(नियत)	1

XIII) बौद्ध दर्शन संस्कृत विद्यालय, मंडोगुलन हिमाचल प्रदेश के वर्ष 2023–2024 की परीक्षा का परिणामः					
क्र.सं.	कक्षा	छात्र संख्या	उपस्थित	परीक्षा में उत्तीर्ण	उत्तीर्ण प्रतिशत
1.	प्रथम	13	13	13	100%

2.	द्वितीय	10	10	10	100%
3.	तृतीय	08	08	08	100%
4.	चतुर्थ	06	06	06	100%
5.	पांचवीं	06	06	06	100%
6.	छठी	10	10	10	100%
7.	सातवीं	06	06	06	100%
8.	आठवीं	03	03	03	100%
9.	नवीं	Nil	Nil	Nil	
	कुल	Nil	Nil	Nil	
		62	62	62	100%

XIV) बौद्ध दर्शन संस्कृत विद्यालय, केलांग की कर्मचारी संख्या :			
क.	शैक्षिक कर्मचारी	वेतनमान	स्वीकृत पद
1.	प्रधानाध्यापक	वेतन स्तर–8	1
2.	टी.जी.टी	वेतन स्तर–7	8
3.	शारीरिक शिक्षा अध्यापक	वेतन स्तर–7	1
ख.	गैर शैक्षिक कर्मचारी	वेतनमान	स्वीकृत पद
4	कार्यालय सहायक	वेतन स्तर–4	1
5.	चपरासी	वेतन स्तर–3	3

CENTRAL INSTITUTE OF BUDDHIST STUDIES

(Deemed to be University)

ANNUAL REPORT 2023-2024

Choglamsar, Leh,Union Territory of Ladakh

CONTENTS

S.No.	Contents	Page No.
1.	Brief History	1
2.	Objectives	2
3.	Society	4
4.	Management	4
5.	Funds	6
6.	Staff Strength	6
7.	Faculties, Departments and Admission	6
8.	Seminar/Symposium/Workshop	10
9.	Special Lecture/Other Academic Activities	12
10.	Medical Facilities	13
11.	Sowa-Rigpa Medical College	13
12.	Students' Exchange Programme	16
13.	New Executive Committee of SWC	16
14.	Educational Tour	18
15.	Publication	19
16.	Research	19
17.	Campus	20
18.	Library	21
19.	Museum	22
20.	Syllabi	22
21.	Stipend to Students	23
22.	Free Distribution of Text Books and Note Books to Students	23
23.	Examination Results	24
24.	Gonpa/Nunnery Schools	24
25.	First Convocation Ceremony of CIBS	25
26.	Foundation Day Celebration	27
27.	Other Important Events	28
28.	Project for the Compilation of Encyclopaedia of Himalayan Buddhist Culture	35

29.	Manuscripts Resource Centre	35
30.	Academic Achievements	36
31.	Placement of Students after Obtaining their Degrees and Diplomas	50
32.	Revision and Editing of Text Books	51
33.	Duzin Photang School, Zanskar] District Kargil	51
34.	Bauddha Darshan Sanskrit Vidyalaya,Mandogalu, Mandi, HP.	52
35.	Annexures	
i)	Composition of the Society	54
ii)	Composition of Board of Management	55
iii)	Composition of Academic Council	56
iv)	Composition of Finance Committee	59
v)	Composition of Publication Committee	60
vi)	Composition of Library Committee	60
vii)	Composition of Research Committee	61
viii)	Staff Strength of CIBS	62
ix)	Examination Results of CIBS	63
x)	School-wise and Class-wise Enrolment of Gonpa/Nunnery Schools	66
xi)	Examination Results of DPS, Zanskar, Kargil, Ladakh	69
xii)	Staff Strength of DPS, Zanskar, Kargil, Ladakh	70
xiii)	Examination Results of BDSV, Mandogalu, HP	70
xiv)	The Staff Strength of BDSV, Mandogalu, HP	71

BRIEF HISTORY

Prior to 1959, scholars, novices and monks of Ladakh used to go to Tibet in pursuit of higher monastic education and research for years in the famous mahaviharas of Drepung, Sera, Gadan, Tashi Lhunpo, Sakya, Sagnag Chosling, Derge, Drigung etc. This practice abruptly came to an end because of Chinese Cultural Revolution there. Hence, it was held imperative that a Buddhist institute should be established for formal Buddhist education in this country. Ladakh was chosen the centre for the dissemination of the Buddhist culture and philosophy in view of its geophysical suitability and traditional matrix.

Accordingly, a Buddhist Philosophy Institute was established at Leh in the year 1959 with the holy rituals performed by His Eminence Ling Rinpoche, the Senior Tutor to HH the 14th Dalai Lama in the year 1959. In the beginning, the institute was named as School of Buddhist Philosophy and ten monk students were granted admission, one each from ten major gonpas (monasteries) situated in Ladakh. Two teachers were appointed to instruct the students in Bhoti literature and Buddhist philosophy. For three years, these ten gonpas met the entire expenses of the students and the teachers. From 1959 to 1961, the institute was conducted at Leh.

In 1962, at the behest of His Eminence Kushok Bakula, Pt. Jawahar Lal Nehru, the first Prime Minister of India was convinced of the necessity of such an institution for the benefit of the Buddhist communities, living in the Himalayas. Thus the institution was given full accreditation in the matter of finance under the administrative charge of the Ministry of Culture, Govt. of India. It was shifted from Leh to Spituk village, about 8 km South of Leh in the same year. In the year 1964, it was registered under the J&K Societies Registration Act VI of 1998 (1941 AD) as an educational institution. Sanskrit, Hindi, English and Pali languages were further introduced in addition to the teaching of Buddhist philosophy and Bhoti literature. Subsequently, in the year 1973, the institute was affiliated to Sampurnanand Sanskrit Vishwavidyalaya, Varanasi, UP, and more courses suitable for the students of the frontier region were introduced.

On 15th January, 2016, the Government of India, the then Ministry of Human Resource Development (Department of Higher Education), on the recommendation of the University Grants Commission (UGC) conferred the status of 'Deemed to be Uni-

versity' under Section 3 of the UGC Act 1956 to the Central Institute of Buddhist Studies, Leh (Ladakh), vide its Notification No. F.9-5/2001-US (A), dated 15th January 2016.

The first Principal of the institute was a renowned Tibetan Buddhist scholar Ven. Yeshi Thupstan who worked from 1959 to 1967. Ven. Lochos Rinpoche was appointed as the second Principal of the institute. Dr. Tashi Paljor worked as the Principal of the institute from 1979 to 2005. He was succeeded by Dr. Nawang Tsering as the new Principal. Consequent upon the retirement of Dr. Nawang Tsering from the post of Principal after rendering 5 years of service from 2005 to 2010, Dr. Wangchuk Dorjee Negi took over the charge of Principal on 15th June, 2010. Subsequently, the Board of Management (BoM), CIBS in its meeting held on 19th December, 2011 decided to rechristen the post of Principal as Director. After the completion of the tenure of Dr. Wangchuk Dorjee Negi on 12th December, 2014, Prof. Konchok Wangdu worked as the Director of the institute. Prof. Nawang Samten, Vice-Chancellor, Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi, UP became the I/C Director of the institute on 1st January, 2021 for six months. Thereupon, Prof. Baidaynath Labh, Vice-Chancellor, Nava Nalanda Mahavihara, Nalanda, Bihar was entrusted with the additional charge of Director of the institute till 22nd March, 2023. Afterwards, Prof. Rajesh Ranjan joined the institute on 23rd of March 2023 as the first Vice-Chancellor of CIBS (Deemed to be University). Since then the institute has been on the path of rapid progress.

2. OBJECTIVES

The objective of the institute is to sharpen the multi-faceted personality of the students through the inculcation of the wisdom of Buddhist philosophy, Bhoti literature and arts as well as the study of the modern subjects. This has been a unique institution in the country because of its provision to teach all the aspects of Himalayan Buddhist culture at one place. The institute undertakes graduate, post-graduate and doctoral programmes in Buddhist philosophical and cultural studies as well as running high schools and Feeder Gonpa Schools.

The objectives for which the institute is established are:

- To develop, manage, supervise and administer the affairs of the educational institute called the Central Institute of Buddhist Studies (Deemed to be University), Cho-

glamsar, Leh, UT of Ladakh, formerly known as the School of Buddhist Philosophy.

- To provide higher education, leading to excellence and innovation in such branches of knowledge as may be deemed fit primarily at post-graduate and research degree levels, fully conforming to the concept of a university, namely University Education Report (1948) and the Report of the Committee on Renovation, Rejuvenation of Higher Education in India (2009) and the Report of the Review Committee for Deemed to be Universities (2009).

- To engage in areas of specialization with proven ability to make distinctive contributions to the objectives of the university education system, i.e., academic engagement clearly distinguishable from programmes of an ordinary nature that leads to conventional degrees in arts, medicines, dental pharmacy, etc., routinely offered by the conventional institutions.

- To provide high quality teaching and research facilities for the advancement of knowledge and its dissemination through various research programmes, undertaken by a substantial number of full time faculty/research scholars (Ph.D and Post-Doctoral) in all disciplines available in the institute.

- To provide instructions for various courses of study and research in different branches of Buddhist philosophical and cultural studies as well as other related studies for the award of the degrees and diplomas.

- To provide facilities for research, publication, restoration and advancement of learning and dissemination of knowledge in the aforementioned areas of study and in such other related branches of Buddhist philosophy, as the institute may deem fit.

- To co-operate with educational and other institutions in any part of the world having objectives similar to those of the institute in such a manner as may be conducive to their common objectives.

- To invite scholars of Buddhist Philosophy and Cultural Studies from India and other countries for lectures, and to hold seminars, discussions and discourses in Buddhist Philosophy and Culture.
- To do all such things as may be necessary, incidental or conducive to the attain-

ment of all or any of the objectives of the society.

3. SOCIETY

Consequent upon the conferment of Deemed to be University status to the institute, the Memorandum of Association & Rules and Regulations were to be revised as per UGC (Institutions Deemed to be Universities) Regulations as amended from time to time by the UGC. Accordingly, the same is to be revised as per UGC Institutions Deemed to be Universities (Amendments) Regulations 2023. However, the present composition of the "Society of the Central Institute of Buddhist Studies" has been framed in term of UGC (Institutions Deemed to be Universities) Regulations 2016. The composition of the existing Society is placed as Annexure-I.

4. MANAGEMENT

BOARD OF MANAGEMENT (BoM)

The management of the institute is vested with the Board of Management (BoM), under the chairpersonship of the Vice-Chancellor, CIBS. The members of the Board are the representatives of different ministries, departments, associations, universities and they also include Buddhist scholars, nominated by the Govt of India, Ministry of Culture. All the members of the Board of Management, other than the ex-officio members and the Vice- Chancellor shall hold office for a term of three years and in case of Deans, the term shall be three years or until they hold office of the Dean, whichever is earlier. During the year, a meeting of Board of Management of CIBS, Leh was held on 11-08-2023 on circulation basis. The existing composition of the Board of Management is placed as Annexure-II.

ACADEMIC COUNCIL

In terms of the Memorandum of Association and Rules and Regulations, the institute constitutes an Academic Council, consisting of eminent scholars and academicians to advise the Board in the academic affairs of the institute. The Academic Council meets as often as may be necessary, but not less than four times during an academic year. The existing composition of the Academic Council is placed as Annexure-III.

FINANCE COMMITTEE

A Finance Committee under the chairpersonship of the Vice-Chancellor is constituted as per Memorandum of Association and Rules and Regulations of the institute. The Finance Committee meets at least four times in an academic year to examine the accounts and to scrutinize proposals for expenditure. The meetings of Finance Committee were held on 12-06-2023 and 16-10-2023. The existing composition of the Finance Committee is placed as Annexure-IV.

PUPLICATION COMMITTEE

The institute is carrying out the publication of rare books on Buddhist philosophical texts, Buddhist culture, history, Bhoti literature and manuscripts and translated Buddhist texts relevant to Himalayan Buddhist arts etc. The rare books/manuscripts proposed to be published are placed before the Publication Committee for review and justification of their publication before being sent to the press. The Publication Committee consists of eminent scholars and subject experts in the field of research and publication. The existing composition of the Publication Committee is placed as Annexure-V.

LIBRARY COMMITTEE

The Library Committee also includes subject experts and experts in the field of Library and Information Science recommend the books to be purchased for the library as well as gives suggestions for up-gradation and improvement of the Library, including the requirements of additional staff, machines and equipment, digitization, cataloguing etc., from time to time. The existing composition of the Library Committee is placed as Annexure-VI.

RESEARCH COMMITTEE

The Research Committee of the institute conducts interview for selection of candidates for the grant of the institutional scholarships, reviews the synopses and progress of the research fellows etc. The existing composition of the Research Committee is placed as Annexure-VII.

5. FUNDS

The institute is fully financed by the Ministry of Culture, Govt. of India and has been allocated a provision of Rs. 3810.35 lakh for the year 2023-24 to execute various projects approved by the Board of Management, CIBS, Leh.

6. STAFF STRENGTH

The Vice-Chancellor being the administrative head spearheads the progress the institute, assisted by the Administrative Officer and other support staff of the institute. Staff strength of CIBS, Leh, showing teaching and non-teaching staff separately, is placed as Annexure-VIII.

7. FACULTIES AND DEPARTMENTS

The faculties and departments of the institute have been established keeping in view the age-old tradition of Panch Mahavidyas of monastic tradition. For smooth and effective functioning of the institute on the university pattern, the following faculties have been created:

1. Faculty of Adhyatma and Nyaya Vidya (Faculty of Philosophy and Logic)
2. Faculty of Shabda Vidya (Faculty of Literature and Languages)
3. Faculty of Sowa Rigpa and Shilpa Vidya (Faculty of Bauddha ha Medical Science and
   Arts)

4. Faculty of Aadhunik Vidya (Faculty of Modern Studies)

These faculties are further divided into different departments relevant to their studies as per details given below:

1. Faculty of Adhyatma and Nyaya Vidya (Faculty of Philosophy and Logic)

The faculty consists of three Departments for Mool Shastra and Sampradaya Shastra with different branches of the disciplines. As per monastic system, Adhyatma

and Nyaya Vidya are two independent vidyas, having different faculties. Howere the institute has combined these together to suit the syllabi of the institute. The departments as discussed are given below:

i) Department of Bhot Bauddha Darshan
ii) Department of Sanskrit Bauddha Darshan
iii) Department of Sampradaya Shastra

2. Faculty of Shabda Vidya (Faculty of Literature and Languages)

This faculty consists of the languages as per details given below:
i) Department of Bhoti Literature
ii) Department of Classical Languages (Sanskrit and Pali)
iii) Department of Modern Languages (English and Hindi)

3. Faculty of Sowa Rigpa and Shilpa Vidya (Faculty of Bauddha Medical Science and Arts)

The institute takes much interest in preservation and promotion of traditional Himalayan arts and culture. Accordingly, the following departments have been set up for preservation and promotion of the arts and culture of the region:

i) Department of Sowa Rigpa and Astrology:

It is centuries old tradition in Ladakh to provide herbal medicines to the patients. When there were no allopathic medicines, the Sowa Rigpa System of Medicines was very popular in the region. The people still believe that the Sowa Rigpa System of Medicines is the most useful one and has no side effect. Now the Govt. of India has also recognized Sowa Rigpa as one of the traditional and useful medicine systems. So the people opt for Sowa Rigpa System of Medicines. Keeping the facts in view, the Iinstitute imparts training to students, interested in Bauddha Medical Science. The +2 (Higher Secondary) passed students having the sound knowledge of Bhoti language are eligible for admission into six-year Bauddha Medical Science Course. There are a number of students who have been awarded the degrees and some of them are practicing independently, while most of them are in Govt./private jobs.

Bhot Astrology & Astronomy is another such field which needs to be preserved and protected. The department teaches history of astrology and cosmology as propounded in Bhoti literature and how they relate to the society and culture. In the past, drawing

and studying astrological charts required knowledge of geometry and astronomy. Knowledge of geometry and astronomy is also required for Thankha painting.

ii) Department of Himalayan Arts and Craft:

a) Department of Thankha Painting:

This art of painting is very popular in the region. Monasteries of Ladakh are very popular for preserving numerous Thankha paintings and frescoes. The frescoes of Alchi and Lamayuru monasteries are very famous. One can still see the paintings in these monasteries that are one thousand-year-old. Besides, in each village, there is a monastery having Thankas, frescoes and statues. The tourists from all over the world come to Ladakh in summer season to visit these monasteries. The institute runs Bachelor of Fine Arts (BFA) with Major in Thankha Painting. A number of students receive training in this course to keep alive the centuries-old tradition of making the Thankhas.

b) Department of Himalayan Sculpture: The making of clay statues and masks of Buddhist tantric deities are very common in the Ladakh region. There are monastic festivals known as Gustor/Dosmoche/Tsetchu/Nagrang/Kagyad in every monastery, held on a special occasion. On this occasion, the mask dances popularly known as Chham are performed by wearing masks of different deities etc. The institute has arranged to train the students for making the art of sculpture of Buddhas, Bhodhisattvas, gods, deities etc., and also teaches the art of making masks. The interested students have to undergo Bachelor of Fine Arts with major in Himalayan Sculpture. A number of students are under training in this art of making statues and masks.

c) Department of Himalayan Wood Carving: In olden times, when there were no printing machines to print books, here in Ladakh, the people used to get the religious and other holy texts copied from wooden blocks. The scripts of texts, especially religious texts, are carved on hard wooden blocks in a systematic way, so that the scripts get printed on a paper for reading. Once a text is carved on the wooden blocks, one can copy the text for thousand times like photo copies. This was very popular in Ladakh in olden times. There is a tradition to hoist prayer flags, known as tarchok in the monasteries, higher places, on the roof tops of the houses as well as on the main gate of every Buddhist household known as tarchen. These prayer flags are printed texts on clothes of five different colours, which symbolize high spiritual power. The text contains Lungsta

and GyaltsanTsemo. The text is printed on clothes from wooden block made for the purpose.

In order to preserve and protect this art for posterity, the institute has introduced Bachelor of Fine Arts with major in Himalayan Wood Carving. Apart from the block making, one can learn the art of carving other decorative items like the carving of dragons, birds, lions, horses etc. This art is very popular in the entire Himalayan region and one can earn handsome money for one's livelihood through this art.

4. Faculty of Aadhunik Vidya (Faculty of Modern Studies)

There are three departments under this faculty, which are as under:

i) Department of Bauddha Puranic History
ii) Department of Comparative Philosophy
iii) Department of Social Sciences (History, Political Science, Economics and Phy.Education)

ADMISSION

Direct admission is given into Gonpa/Nunnery Schools also known as feeder schools of CIBS, situated in various monasteries of Ladakh, Himachal Pradesh and Uttarakhanda. Admission on the basis of an entrance test is being provided to the students in Class VI and Class IX subject to availability of seats in these classes. The students of the Gonpa/Nunnery Schools of the institute get direct admission into higher classes.

Admission in university classes is given after passing Class XII (Uttar Madhyama). Admission is also given to the students to the Bachelor of Fine Arts (BFA) in Thankha Painting, Bachelor of Fine Arts in Himalayan Sculpture, Bachelor of Fine Arts in Himalayan Wood Carving, Bachelor of Bhot Astrology & Astronomy and Bachelor of Sowa Rigpa Medicines and Surgery (BSRMS). Fifteen seats have been allotted to CIBS in Bachelor of Sowa Rigpa Medicines and Surgery course by the Ministry of AYUSH, Govt. of India and students are admitted in this course through National Eligibility-cum-Entrance Test for Sowa Rigpa [NCISM-NEET-SR (UG)] since the academic session 2022-23.

8. SEMINARS/SYMPOSIUMS/WORKSHOPS

Central Institute of Buddhist Studies, being one of the unique institutions for Buddhist Studies in the country has been widening its reach nationally and internationally through different programmes in recent years. The details of seminars/symposiums/ workshops etc., organized during year 2023-24 are as under:

1. The Department of Sanskrit Bauddha a Darshan organized a Special Lecture Programme on 20th of May, 2023 in the sequence of 75th Azadi Ka Amrit Mahotsav in which Dr. Urgain Dadul, retired Associate Prof. of the institute was the chief guest and retired Acharya Tsultim Gyatso was the keynote speaker. Geshe Dakpa Kalsang, HoD and Coordinator, teachers and students of the department were present in the programme.

2. A three-day National Seminar was organized by the Department of Bhoti Language and Literature in collaboration with Indian Council of Historical Research (ICHR), New Delhi from 24th to 26th August, 2023 on "Bhoti Language and Literature with Special Reference to the Historical Development of Bhoti Literature and its Methodology". Shri Tashi Gyaltsan, CEC, LAHDC, Leh was the Chief Guest of the inaugural function and Shri Jamyang Tsering Namgyal, MP (Ladakh-Lok Sabha), President, All Ladakh Gonpa Association and President, Ladakh

Buddhist Association were among the dignitaries, present on the occasion as Guests of Honour. Moreover, scholars from various universities and Ladakh were invited who presented their scholarly papers in different sessions of the seminar. The closing ceremony of the seminar was presided over by the President, All Ladakh Gonpa Association.

3. The Department of Bhot Bauddha a Darshan, the four Departments Nyingma Sampradaya Shastra, Kargyud Sampradaya Shastra, Sakya Sampradaya Shastra and Gelug Sampradaya Shastra of CIBS organized a Four-Day National Seminar in collaboration with Indian Council of Philosophical Research (ICPR), New Delhi on "The Significance of Madhayamikalankara in the Development of Madhyami System" from 28th September 2023 to 1st October, 2023. His Eminence Ngor Ponlop Rinpoche blessed the inaugural function of the seminar as the Chief Guest. Prof. Rajesh Ranjan, Hon'ble Vice-Chancellor, CIBS, Leh presided over the function. During the seminar, the scholars invited from various universities and monastic institutions presented their scholarly papers related the topic. All faculty members, students of the institute and general public of Ladakh also participated in the seminar.

The valedictory function of the seminar was held on 1st October 2023. Shri Tsering Dorjay, Vice-President, Ladakh Buddhist Association was present on the occasion as the Chief Guest. The scholars, faculty members and the students of the university made the function a grand success with their presence and participation.

4. One-day internal seminar on the topic "Gzhung bKapot lGna (Five Major Scriptures)" was organized by the Department of Bhot Bauddha a Darshan and Departments of Sampradaya Shastra on 2nd of September, 2023. Prof. Rajesh Ranjan, Hon'ble Vice-Chancellor, CIBS, Leh was present as the Chief Guest on the occasion. During the seminar, five students of the university presented their papers on Five Fundamental Scriptures of Buddhisim, i.e, that is 1 Pramana, 2 Madhyamika, 3 Prajnaparamita, 4 Abhidharma- Kosha and 5 Vinaya.

5. The Department of Bhot Bauddha Darshan and the four Departments of Sampradaya Shastra of the institute organized the Buddhist Philosophical Debate for the students of university classes as well as for the students of SSS, CIBS, Leh from 01-05-2023 to 01-07-2023 and from 15-08-2023 to 15-09-2023 in the morning from 9.30 am. to 10.00 am. Dialectical Debate is one of the best methods to enhance and sharpen the wisdom and to develop the cognitive abilities. The students can have numerous benefits from this debate, which include critical thinking and analysis, effective communication and articulation, enhanced research and information gathering skills, improved problem-solving and argumentation abilities and encouraging diverse perspectives and broadening understanding. It also fosters logical reasoning, quick thinking and responsiveness, confidence and public speaking skills, respectful disagreement and open-mindedness.

9. SPECIAL LECTURES/ OTHER ACTIVITIES

i) Gyalsras Kushok Bakula Rinpoche Memorial Lecture Series

The institute organises Gyalsras Kushok Bakula Rinpoche Memorial Lecture Series every year. Under this programme, the institute invites an eminent scholar to deliver special lecture on various topics.

ii) Annual/Monthly Magazine:

The institute also brings out an annual magazine titled "Rig-pa'i Dur tsi" and one monthly news letter titled Lomai Gatsal (The Green Grove) in Bhoti to which the students and the staff contribute articles on different subjects. The activities of the institute and the achievements of the staff and the students having received awards etc., during the year are also highlighted with their photographs. Besides, Green Tara Girls' Hostel brings out a monthly newsletter titled "sGrol-lJang gi

sGron-me (The Light of Green Tara)".

10. MEDICAL FACILITIES

(i) Dispensary: The institute has its own dispensary which takes care of the health needs of the students, staff and their family members and provides them with medicines. A Staff Nurse and a Nursing Orderly look after the dispensary. It procures medicines and necessary equipment for its smooth functioning. In the Academic Year 2023-24, the department purchased medicines worth Rs.1,77,256.76. Moreover, some of the medicines were received from the office of the Chief Medical Officer, Leh.

The institute also reimbuses the medical expenditures of its staff for thier treatment outside, which cannot be done at the dispensery.

11. SOWA RIGPA MEDICAL COLLEGE AND HOSPITAL.

To preserve the Sowa-Rigpa Medical System of Nalanda Tradition, CIBS is now running Sowa-Rigpa Medical College and Hospital recognized by NCISM. It offers a five-year and six-months programme namely, Bachelor of Sowa-Rigpa Medicines and Surgery (BSRMS) with an annual intake capacity of 15 students. The College has eight professional departments, a ten-bedded hospital with four specialized Outpatient Departments

(OPDs), two Inpatient Departments (IPDs), and a dPbyadSbyong (Panchakarma) Department; a Pharmaceuticals Unit; and a Herbal Garden. General public avail themselves of Sowa Rigpa medical treatment and other facilities such as Hot Compression Therapy, Cold Compression Therapy, Hot Oil Compression Therapy, Moxibustion Therapy, Heat Therapy, Medicinal Bath Therapy, Massage Therapy, Pathological Tests, Sowa Rigpa Medicines and OPD Consultations on all working days from 10 AM to 4: 30 PM.

CIBS treats this Sowa Rigpa Medical System as a unique expression of Himalayan Buddhist culture and its preservation ensures the continuation of traditional knowledge and practices, strengthening cultural identity and heritage. For centuries, Sowa-Rigpa has been the primary healthcare system in the Himalayas. In the absence of modern medical facilities in remote areas, sMenpa (Sowa-Rigpa practitioners) remain the trusted source of healing for communities still today. Hence the main objectives of imparting education on Sowa Rigpa are:

- To facilitate the students with hand on practise of this medical system.
- To provide research guidance to students and Sowa-Rigpa researchers.
- To contribute to the holistic healthcare system.
- To provide community service through mobile health care unit of Sowa Rigpa College

The Department of History And Fundamental Principles of Sowa-Rigpa explores into the historical development and philosophical foundations of Sowa-Rigpa through the classical Sowa-Rigpa texts, tracing the lineage of traditional medical wisdom, and examining the core philosophies that underpin the practice. The Department of Human Anatomy and Physiology is created to aligned with the NCISM's Minimum Essential Standards-2022, offering an in-depth understanding of the human body's structure and function, integrating both classical Sowa-Rigpa principles and modern medical science and synthesizing the traditional anatomical concepts with contemporary findings. The Department of Materia Medica, Pharmacology, And Pharmaceutics explores into the study of medicinal plants, minerals, and formulations integral to So-

wa-Rigpa. It covers traditional pharmaceutics alongside rigorous quality control methods to ensure safe and effective therapeutic preparations. A practical laboratory enhances the curriculum, providing students with hands-on experience in processing, extraction, formulation, and quality assurance of traditional remedies. The Department of Disease Prevention and Sowa-Rigpa Pathology specializes in understanding disease causation, developing diagnostic methodologies, and implementing preventive healthcare strategies within the Sowa-Rigpa framework by integrating traditional theories of pathology with contemporary diagnostic techniques and incorporating yoga practices as a key element in promoting holistic well-being. The Department of External Therapy and Surgery specializes in training students in traditional external therapies and minor surgical procedures, hands-on proficiency and patient safety. The curriculum covers techniques such as sByong (Panchakarma) therapy, and dPyad a minor surgical interventions. The Department of General Medicines focuses on the diagnosis and treatment of common ailments through a holistic approach as per Sowa-Rigpa principles and therapeutic methodologies. The Department of Paediatrics and Gynaecology focuses on child health, maternal care, and gynaecological treatments within the Sowa-Rigpa system. The Department of Clinical Psychology and Toxicology is dedicated to exploring mental health management and traditional psychiatric approaches by combining classical Sowa-Rigpa wisdom with Buddhist principles. The curriculum emphasizes the interconnectedness of mind, body, and spirit—a core principle of classical Sowa-Rigpa.

The College of Sowa-Rigpa aims at enhancing its academic capacity by increasing the student intake from 15 to 45 and introducing MD and PhD programs under NCISM regulations once officially gazetted.

12. STUDENTS' EXCHANGE PROGRAMME

Central Institute of Buddhist Studies used to organize students' exchange programme with Central Institute of Higher Tibetan Studies (CIHTS) during the winter vacation. However, the programme was not organized in the year under report.

13. NEW EXECUTIVE BODY OF SWC

An election was held among the students of the three houses of the institute on 10th April, 2023 under the supervision of the Dean, Students' Welfare to elect a new Executive BODY of the Students' Welfare Committee (SWC) of the institute. The SWC organizes various programs related to academics like conferences, winter workshop, seminars etc. The SWC organized a three-day conference and one-month winter workshop during the academic session 2023-24. The details of which are as follow:

Winter Workshop:

The Students' Welfare Committee of the institute organized the month-long 6th Winter Workshop from 17th December 2023 to 16th January, 2023. This workshop was inaugurated by the Hon'ble Vice-Chancellor of the institute Prof. Rajesh Ranjan in the presence of the Administrative Officer; the Controller of Examinations; Principal, Senior Secondary School, CIBS,

all the four teachers of the Winter Workshop and the participants of the Winter Workshop. The Vice-Chancellor was very pleased that the students took the initiative for organizing this workshop.

All Ladakh College Students' Conference:

The Students' Welfare Committee of the institute organized the three-day 6th All Ladakh College Students' Conference on the theme "Culture of Ladakh and Youth Responsibility" from 4th to 6th June 2023 at Dharma Centre, Choglamsar, Leh in collaboration with the Students' Welfare Committee of Central Institute of Higher Tibetan Studies (CIHTS), Sarnath, Varanasi, UP, and Ladakh Academy of Art, Culture & Languages, Leh, UT of Ladakh. Restoration & preservation of rich Ladakhi culture and the responsibilities of the youth in this regard was discussed in the conference. His Eminence Bakula Rangdol Nima was the Chief Guest on the Inaugural Function. Several distinguish guests were also present on the occasion. Apart from the students of CIBS and CIHTS, the students of Govt. Girls' Higher Secondary School, Leh, Ladakh Public School, Leh; Siddharth High School, Stok, Leh; Mahabodhi Residential School, Sabu Thang, Leh; Jawahar Navadaya Vidyalaya, Leh; Govt. High School, Chuchot, Leh, Lamdon Model Senior Secondary School, Leh, and Druk Padma Karpo, Shey, Leh also participated in the conference. Eminent educationists and educational administrators attended the conference and addressed the gathering. On the closing day, held on 6th June 2023, Geshe Tsewang Dorjey, Director, Ngaris Institute, Sabu, Leh was the Chief Guest while Khanpo Konchok Thupstan, Head, Department of Bhoti Language and Literature, CIBS was the Guest of Honour. In their addresses, the Chief Guest and the Guest of Honour appreciated the students of participating in and organizing a very important conference on restoration and preservation of the age-old rich Ladakhi culture. On the conclusion of the conference, all the participants were given participation certificates.

One-Day Health Counselling Session:

The Students' Welfare Committee of the institute organized a one-day Health Counselling Session on 19th May, 2023 in collaboration with the Co-Curricular Acivities Organizing Committee. Dr. Nordan Otzer, a local doctor who also carries out social work and his teammates were invited for the programme. The Hon'ble Vice-Chancellor highly appreciated Dr. Nordan Otzer and his team for their social work in the field of public health.The faculty members, staff and the students of the University Wing and

the SSS attended the session.

In addition, the SWC organized a three-day Cultural Workshop on 13th May 2023, Women's Health Conference on 25th May 2023 at Green Tara Girls' Hostel and the Farewell Function in honour of the outgoing Executive Committee of the 8th SWC.

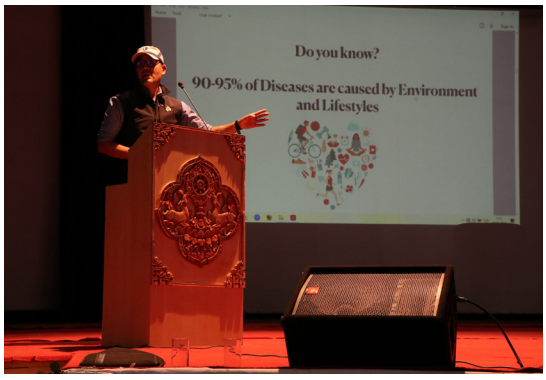

14. EDUCATIONAL TOUR

The Univesity Wing of the institute organizes Educational Tours for the students every year. During the educational tour, the students visit important places of the Buddhist Circuit and other historical and archaeological sites, related to Lord Buddha and Buddhism, located in different states of India. This year, the Hon'ble Vice-Chancellor flagged off a group of forty- seven students from various classes of the institute for a 15-day Educational Tour on 16th September 2023 under the guidance of Geshe Lobzang Tsultrim, Asst. Prof., Gelug Sampradaya Shastra and Ms. Lobzang Youdol, Asst. Prof., English (Contractual). The tour team reached Srinagar (J&K) in the evening and on 17th September they visited various Buddhist historical sites of Kashmir, namely the ruins of old Buddhist monastery at Harwan, Nishat Bagh, Shalimar Bagh and Dal Lake etc. Next day, they reached Jammu and visited Amar Mahal Museum, Ragunath Mandir, Ranbireshwar Mandir and Jammu Zoo. On reaching Dharamshala in Himachal Pradesh, the students visited Library of Tibetan Works and Archives, Gyutote Monastery, Norbulingka Institute etc. After Dharamshala, the team reached Mandi also in Himachal Pradesh where they visited Rewalsar Lake, also known as Tso-Padma and the Buddhist monasteries there. They

next reached Manali on September 24, 2023 and went for a sightseeing there. Thereafter, the students reached Spiti and visited Tabo Gonpa, the ancient and famous monastery. They also reached Lahaul and visited the famous Triloknath Temple, popularly known as Garja Phagspa, housing the holy statue of Arya Avalokiteshvara. Finally, the touring students returned to Leh via Zanskar on 1st October, 2023, crossing the Shingkunla Pass.

In addition, a week-long herbal medicinal excursion to Changla Pass was organized by the Sowa Rigpa Department in collaboration with Ladakh Amchi Sabha, situated between Sakti and Tangtse Durbuk from 4th to 10th August 2023. The main objective of this tour was to identify and collect herbal medicinal plants and to provide practical experience to the students and to enrich their understanding of Sowa-Rigpa medicinal plants. A one-day medicinal plants excursion was conducted by the Sowa Rigpa Department of the institute on 27th August 2023 to Khardungla. The students of the department collected various medicinal plants for its Pharmacy Unit.

15. PUBLICATION

The institute publishes rare and valuable books on various subjects, including the proceedings of the national and international seminars, conducted by the institute under the title "Ladakh Prabha". During the year 2023-24, the institute published two text books for the Class Shastri-III, namely Main Text Book (6th Semester) and Sampradaya Shastra Text Book (6th Semester) in Bhoti.

16. RESEARCH

The institute has instituted eight institutional fellowships for Research Scholars. The research work are being conducted in different subjects, i.e., Buddhist Philosophy, Himalayan Buddhist Culture, Bhoti Literature, Ladakh Studies and related areas. Accordingly, seven research scholars were awarded Ph.D. degrees during the first Convocation Ceremony of the institute on 14th September 2023.

17. CAMPUS

The institute is located 8 km South of Leh town on the bank of the Indus river at Choglamsar. It has two campuses. The old campus is located on a piece of land, measuring 23 Kanals and is being used for running the Senior Secondary School. It is under the charge of a Principal, assisted by post-graduate teachers (PGTs), trained graduate teachers (TGTs) and other staff members. There is the office, the teaching block, a small auditorium and the library on the campus. A guest house with a capacity to accommodate 20 guests at a time is situated on the old campus.

Consequent upon the declaration of Central Institute of Buddhist Studies, Leh as a Deemed to be University by the then Ministry of Human Resource Development, Department of Higher Education, Govt. of India vide Notification No.F.9-5/2001-U3 (A), dated 15th January 2016, the Junior Wing of the institute was delinked and made a separate Senior Secondary School as per Office Memo-

randum No. CIBS/2021/511, dated 1/11/2021. Accordingly, Classes from Purva Madhyama-I to Uttar Madhyama-II (Classes IX to XII) are being run in this SSS on the old campus. Presently, Dr. I.B. Jha is looking after the school as In charge Principal.

The new campus is located just half a kilometre away from the old campus, built up with separate blocks for teaching, administration, library and the three hostels one each for monks, boys and girls with the capacity to accommodate hundred students in each hostel. There are 60 residential quarters for the staff on the new campus. A sports stadium with facilities of spectators' gallery, dressing room, washroom, store etc., is also located on the new campus. Arya Nagarjuna Auditorium with a seating capacity of 580 people is available to carry out various academic and co-curricular activities of the institute. Besides, a Philosophical Debate Hall and a Students' Recreation Centre are available on the campus. In addition, construction of four professors' residential quarters has been completed. The construction of one more hostel for nun students is in progress. Ladakh chapters of Manuscripts Resource Centre and Manuscripts Conservation Centre, funded by the National Manuscripts Mission, New Delhi are also being run on the new campus.

18. LIBRARY

The Sherab Gyasched Tsal (Shes-rab rGyas-byed Tshal) Library of the institute is a vital organ of the institute which not only the students and teachers, but also other members of the institute depend upon for seeking information and wisdom. The library is one of the biggest libraries in the entire Himalayan region, disseminating knowledge in Buddhist Studies, culture, Ladakh studies and various other subjects. The library has been computerised by installing the Slim Thunmi Software. There are three sections of the library, i.e., (1) General Section, (2) Sungbum Section (housing the commentaries of Indian and Tibetan scholars) and (3) Reference Section.

At present, there are a collection of 38904 books availabe in Bhoti, English, Hindi, Sanskrit and Pali on religion, history, philosophy, literature, sociology etc., including the collections of Kagyur (the original teachings of Lord Buddha translated from Sanskrit into Bhoti by Indian panditas and Tibetan translators) such as

Narthang Kagyur, Dege Kagyur, Lhasa/Zhol Kagyur, Stok Kagyur, Tshalpa Kagyur, Pedurma, and Peking (hand-copied gold-ink edition Tibetan Dragon Sutra by the Qing dynasty from the National Palace Museum. Taiwan), an extraordinary collection of classical texts in 61 volumes on Bhot Medicines and Monlam Grand Bhoti Dictionary consisting of 223 volumes.

Moreover, the Library has a well-collected reference section, comprising of encyclopaedias, dictionaries and year books. During the year, 2023-24, the institute acquired 630 new books by purchase and gift. The library of the institute subscribed 33 national and international research journals and magazines during the year.

19. MUSEUM

The institute has a small museum with a collection of antiquities and objects-de-art which among other things, including Thankha painting, sculpture and wood carving, articles of Ladakh, antique photographs and replicas brought from many historical places of India. This is a unique museum of its kind in Ladakh, which draws attention of tourists as well as the research scholars on large scale every year.

20. SYLLABI

In the formative years, the ten-year syllabi covering the subjects of Buddhist philosophy, Bhoti grammar and literature, Sanskrit, Hindi and English were in operation. In the year 1973, the institute was affiliated to the Sampurnanand Sanskrit Vishwavidyalaya, Varanasi, U.P., and accordingly, special syllabi were drawn up to fulfil the requirements of the Himalayan border area students and to achieve the aims and objectives for which the institute was initially established. Consequent upon the conferment of a Deemed to be University status to the CIBS, Leh on 15th January 2016, the institute amended the curriculum suitability by introducing the semester system. The curriculum has been implemented after conducting a series of workshops by inviting experts in the field and by amending the same by the Heads of Departments of the subjects concerned of other universities. Thereafter, it was placed before the Academic Council for consideration and approval. Bhoti Grammar and Literature, Buddhist Philosophy are compulsory sub-

ject at all levels Hindi and English are compulsory subjects up to Uttar Madhayama, whereas in Shastri they are taught as optional subjects. The other optional subjects are Political Science, History, Economics, Pali, Sanskrit, Comparative Philosophy, Sowa Rigpa, Wood Carving, Sculpture and Painting. The degrees of Vidyavaridhi (Ph.D), Shastri, Acharya, Bachelor of Fine Arts (BFA) in Thankha Painting, Himalayan Sculpture, Himalayan Wood Carving, Bhot Astrology and Astronomy, Sowa Rigpa Medicine and Surgery (BSRMS) are being awarded to the successful candidates. The equivalent degrees are given below:

1. Purva Madhyama (Matriculation)
2. Uttar Madhyama (Higher Secondary/Senior Secondary)
3. Shastri (B.A.)
4. Acharya (M.A.)
5. Vidyavaridhi (Ph.D)
6. Bachelor of Fine Arts (BFA) Thankha Painting
7. Bachelor of Fine Arts (BFA) Himalayan Sculpture
8. Bachelor of Fine Arts (BFA) Himalayan Wood Carving
9. Bachelor in Bhot Astrology and Astronomy
10. Bachelor of Sowa Rigpa Medicines and Surgery (BSRMS)

The institute included the Sampradya Shastra of Mahayana Buddhism in Shasrti and Acharya courses as one of the compulsory optional subjects, which has been welcomed by the faculty members, students and other scholars of Ladakh.

21. STIPEND TO STUDENTS

The stipend ranging from Rs 1,800 to Rs 2,500 per student per month is presently granted to students of CIBS, Leh. Besides, the stipend is being paid to the students of Duzin Photang School, Zanskar, District Kargil of Ladakh; Bauddha Darshan Sanskrit Vidyalaya, Mandogalu, HP and 50 Feeder Gonpa/Nunnery schools. Thus, a total amount of Rs 64,15,584.00 was disbursed during the year towards stipend to the students.

22. FREE DISTRIBUTION OF TEXT BOOKS/ NOTE BOOKS TO STUDENTS

The students who are studying in the University, Senior Secondary School, High Schools and Feeder Gonpa/Nunnery Schools come from the most backward and remote areas of the region and belong to Scheduled Tribe community. Accordingly, the institute arranged the free distribution of text books and note books to all students. During the year 2023-24, text books and note books worth Rs. 28,00,22.00 lakh were purchased and freely distributed among all the students of CIBS and its schools, located in different parts of Ladakh, Himachal Pradesh and Uttarakhanda.

23. EXAMINATION RESULTS

The examinations from Classes VI to Class VIII were conducted by the Senior Secondary School of the institute. The examinations from Purva Madhyama-I to Uttara Madyama-II Classes were conducted by Sampurnanand Sanskrit Vishwavidyalaya, Varanasi, UP, to which the SSS is affiliated. The examinations of Shastri (BA) and Acharya (MA), Thankha Painting (BFA), Himalayan Sculpture (BFA), HimalayanWood Carving (BFA) and Bachelor of Sowa Rigpa Medicine and Surgery (BSRMS) and Bachelor of Bhoti Astrology and Astronomy (CBBAA) classes were conducted by the Examination Department of CIBS (Deemed to be University), Leh. The results of each classes for the Academic Year 2023-24 are placed as Annexure-IX.

24. FEEDER GONPA/NUNNERY SCHOOLS

To achieve its numerous objectives, the institute is running 50 Gonpa/Nunnery Schools in different monasteries which are extremely popular in the region. These schools are being run in collaboration with the respective monasteries; the monasteries/nunneries give the traditional monastic education to the novices. Accordingly, they arrange classrooms, hostel facilities etc. The institute provides one to three teachers depending on the number of enrolment in the schools. Besides, the furniture, stationery, text books, note books, and stipend to the students are being provided by the institute. The appointed teachers teach them the modern

elementary education viz., Bhoti, Hindi, English, Mathematics and Social Studies, in addition to the monastic education. During the year under report, 760 students were enrolled in the 50 Gonpa/Nunnery Schools, located in different monasteries of Ladakh. The school-wise and class-wise enrolment of the students for the year 2023-24 is placed as Annexure-X.

25. FIRST CONVOCATION CEREMONY OF CIBS

The Central Institute of Buddhist Studies (Deemed to be University), Leh, UT of Ladakh organized its first Convocation Ceremony under the chairpersonship of Chancellor of CIBS Madam Meenakashi Lekhi, Hon'ble Union Minister of State for External Affairs and Culture of India, Govt. of India on 14th September 2023 on the campus of CIBS, Leh. The 14th September 2023 is a historic day for the Union Territory of Ladakh in general and for Central Institute of Buddhist Studies, (CIBS), Leh, Ladakh in particular as on this day, CIBS not only organized its First Convocation Ceremony to present degrees to its successful research scholars, post-graduates and graduates, but also organized it in a befitting manner. Hence, this event may be written with golden letters in the history of CIBS.

Several high dignitaries were present in the ceremony such as His Eminence Thuksay Rinpoche; Dr. Pawan Kotwal, Advisor to the Hon'ble Lt. Governor, UT of Ladakh; Shri Tashi Gyalson, Chief Executive Councillor (CEC), Ladakh Autonomous Hill Development Council (LAHDC), Leh; Shri Jamyang Tsering Namgail, Member of Parliament (Ladakh); Ms. Rinchen Lhamo, Member, National Commission for Minorities, Govt. of India; Ms. Ranjana Chopra, Additional Secretary & Financial Advisor, Ministry of Culture, Govt. of India, Ms. Amita Prasad Sarbhai, Joint Secretary, Ministry of Culture, Govt. of India; Shri Niraj Kumar, Director, Ministry of Culture, Govt. of

India, His Eminence Rinpoches; Ven. Tsering Wangdus, President, All Ladakh Gonpa Association, Ven. Members of Buddhist Sangha, Vice-Chancellors/ Directors of several universities, other dignitaries and guests. Parents/guardians of the students and alumni of CIBS were also present on the occasion.

The Convocation Procession, led by the Administrative Officer, Dr. Konchok Rigzen, entered the convocation venue with the traditional Ladakhi Lhar-Nga music. All the guests, faculty members, degree recipients, students, parents, alumni, and other staff of the institute stood up from their places and gave a rousing welcome to the Convocation Procession by clapping their hands. At the outset, the University Anthem (Kul-Geet) of CIBS was played for which all the participants once again stood up from their places. The Chancellor of the institute declared the Convocation Ceremony open. It was followed by the lighting of the lamps by the dignitaries. Next, it was the turn of Mangalacharan in Bhoti by the students of the institute.

Prof. Rajesh Ranjan, the Vice-Chancellor of CIBS felicitated the dignitaries, seated on the dais by presenting to them khadaks and souvenirs and presented the Welcome Address. After the welcome

address, the work of conferring degrees to the students started. It was followed by admonition of degree recipients by the Vice-Chancellor. Ms. Meenakashi Lekhi, the Chancellor of CIBS presented Ph.D. degrees to the successful research scholars. Thereafter, Ms. Meenakashi Lekhi delivered her speech as the Chancellor of the institute. Dr. Pawan Kotwal, Advisor to the Hon'ble Lieutenant Governor of the UT of Ladakh presented CIBS/University Medals to the eligible students. Thereafter, His Eminence Thuksey Rinpoche, Shri Tashi Gyalson, CEC, LADHC, Leh, Shri Jamyang Tsering Namgyal, MP and Prof. Rajesh Ranjan, Vice-Chancellor presented degrees of Acharya in Bhot Bauddha Darshan, Bhoti Literature, Bhot Punranic History, Bachelor in Sowa Rigpa Medicines and Surgery (BSRMS), Bachelor of Bhot Astrology and Astronomy, Integrated Bachelor of Fine Arts (Thangka Painting), Bachelor of Fine Arts (Himalayan Sculpture) and Shastri to the eligible recipients.

After the completion of the conferment of degrees, Dr. Pawan Kotwal, delivered his speech. He was followed by Shri Jamyang Tsering Namgyal, MP and Ms. Rinchen Lhamo, Member, NCM. Afterward, His Eminence Thuksey Rinpoche delivered the Convocation Address. Finally, Adv. Tashi Gyaltson delivered his speech as the officiating Chancellor in place of Ms. Meenakashi Lekhi, who left the venue for New Delhi soon after her address. At the end, Dr. Konchok Rigzen, Administrative Officer presented Vote of Thanks. With the permission of the officiating Chancellor, the Convocation Ceremony was declared closed and the National Anthem was sung with the standing of all the participants from their places. Soon after, the Convocation Procession, led by the Vice-Chancellor, CIBS, Leh, departed. It was followed by a session of group photography. On the conclusion of the Convocation Ceremony, cultural programme was presented by the students of the institute, followed by lunch for all the participants.

26. CELEBRATION OF FOUNDATION DAY

The 64th Foundation Day of the Central Institute of Buddhist Studies was organized on 23rd October, 2023 at Arya Nagarjuna Auditorium with great enthusiasm and patriotic fervour. On this auspicious occasion, Shri Tashi Gyaltsan, CEC, LAHDC, Leh was the Chief Guest. Besides, Shri Jamyang Tsering Namgyal, MP, Ladakh; Shri C.Phuntsog, Ex. -VC, University of Ladakh; President, All Ladakh Gonpa Association, Dr. Tsering Phuntsog, General Secretary, LBA, Leh, and Shri Tsering Paldan, Director, Education, UT of Ladakh were present as Guests of Honour on the occasion. Prof. Rajesh Ranjan, Vice-Chancellor, the staff and students of CIBS were also present on the occasion. The prizes were distributed among the position holders in the Annual Examinations and to the students who won in various competitions viz., essay competition, poem recitation competition, painting competition, lecture competition, sports activities, cultural activities, quiz competition etc. A brief report on the activities of the institute was presented by Prof. Rajesh Ranjan Vice-Chancellor. The students of the institute presented a colourful cultural programme. The celebration concluded with words of thanks from Dr. Thinles Yangjor, Dean, Students' Welfare followed by the National Anthem.

27. OTHER IMPORTANT EVENTS

Other important events were organised with great enthusiasm in the institutions during the year 2023-24.

BHOTI DAY :

On 1st April 2023, the Department of Bhoti Language and Literature of the institute celebrated Bhoti Day with great pomp and enthusiasm under the chairmanship of Hon'ble Vice Chancellor Prof. Rajesh Ranjan in the Arya Nagarjuna Auditorium. Dr.

Lobzang Tsewang (Retired) Professor was present as the Guests of honour on the occasion. Dr. Thinles Yangjor, Dean Student's Welfare, Geshe Dagpa Kalsang, Associate Prof. and Dr.Konchok Rigzin, Administrative Officer were also present on the occasion. The programme commenced with lighting of lamp in front of the statue of Lord Buddha and invocation by a group of the students. Khanpo Konchok Thupstan, Head, Department of Bhoti welcomed the Chief Guest and the Guest of Honour with Khadags and presented the welcome address. Dr. Tsewang Yangjor, Assistant Prof. delivered speech on Significance of Bhoti Language. Acharya Tashi Gyalpo, Dr. Thinlas Gyurmet and some students of Acharya and Shastri classes recited poems in Bhoti. Dr. Lobzang Tsewang in his address as the Chief Guest explained the Bhoti nomenclature and the importance of this language. Dr. Konchok Rigzen, AO, gave vote of thanks and the celebration was concluded with the singing as national anthem.

i) BIRTH ANNIVERSARY OF Dr. RADHAKRISHNAN:

Central Institute of Buddhist Studies celebrates Teachers' Day on 5th September every year to mark the birth anniversary of Dr. S. Radhakrishnan, the second President of India and an eminent teacher. Accordingly, Student's Welfare Committee of CIBS celebrated the Teacher's Day on 5th of September 2023 in Arya Nagarjuna Auditorium of the institute. Prof. Rajesh Ranjan, Hon'ble Vice-Chancellor, CIBS was the Chief Guest. This function was attended by the faculty members, the non-teaching staff and the students of the Uni-

versity wing. The celebration commenced with the lighting of lamp in front of the statue of Lord Buddha and invocation by a group of students. Hon'ble Vice-Chancellor and the faculty members cut the cake offered by the students. Some of the senior students delivered speeches. Various activities were organized on the occasion to honour the teachers.

ii) Hindi Divas/Hindi Pakhwada:

The institute celebrates Hindi Divas on 14th September every year by conducting various literary competitions viz., essay writing, poem recitation, lecture delivery etc., in Hindi language. During the year, Hindi Pakhwada and Divas were organized from 1st to 15th in September, 2023. Essay writing competition and poster making and declamation competition were organized among the students on 6.09.23. Poem writing-cum-recitation competition was also organized for the students of the institute on 7.09.23, in which the students participated with great enthusiasm. The students who secured first, second and third positions were honoured with cash prizes and certificates.

Apart from this, during Hindi Divas and Hindi Pakhwada - 2023, a competition was held on routine office work, namely writing applications, notices, circulars, office memoranda, minutes of the meetings etc, in official language Hindi. Competition in Hindi typing was also organized for the employees working in the office to promote work in Hindi in the offices of the institute. The employees who secured first, second and third positions in these competitions were awarded certificates and cash prizes.

Under Hindi Pakhwada-2023, a lecture in Hindi was organized by Hindi Department. Dr. Savitha Pramod, Associate Professor, Hindi, D.B. Pamba College, Pathanamthitta was invited to deliver a lecture on the topic "Hindi in non-Hindi speaking regions". Like last year, online Hindi lecture series was also organized by Hindi Department. Various scholars were invited to deliver lectures on various topics. The staff and the students of the institute and Hindi loving people from different places of the country attended the programme.

iii) Swachha Bharat Abhiyan:

The Govt. of India, on the initiative of Hon'ble Prime Minister of India Shri Narendra Modi, launched Swachh Bharat Abhiyan with a view to make the whole country neat and clean. Accordingly, the institute observed Swachh Bharat Pakhwada from 16th to 30th April 2023 under the leadership of Dr. Tsewang Yangjor, Nodal Officer, CIBS. Prof. Rajesh Ranjan, Hon'ble Vice-Chanceller, faculty members, students and the staff of the institute participated in the cleanness of the campus and the surrounding areas of the institute. Swachhta related activities was also carried out by the faculty members, students and the office staff of the university wing and SSS, CIBS, Leh on their respective campuses under the leadership of Dr.Tsewang Yangjor, Nodal Officer, CIBS.

Visit of Addl Sec. and Financial Advisor, GoI and Joint Secretary, MoC :

Ms. Anjana Chopra, Additional Secretary & Financial Advisor and Ms. Amita Prasad Sarbhai, Joint Secretary accompanied by Dr. Neeraj Kumar, Director, BTI, MC visited CIBS Campus on 13th September 2023. During their visit to the institute, they met and interacted with the students, residing in the hostels. They also visited the Library and Sowa Rigpa Department and appreciated the work done by CIBS.

Birth Anniversary of Mahatma Gandhi:

The institute celebrated the birth anniversary of Mahatma Gandhi, on 2nd October 2023 in Arya Nagarjuna Auditorium. The faculty members, staff members and the senior students of the institute actively participated in the function and threw light on the life and contribution of Mahatma Gandhi in the freedom movement of the country.

World Students' Day:

CIBS celebrated World Students' Day each year on October 15 to commemorate the birth anniversary of Dr. APJ Abdul Kalam, the former president of India.

Independence Day:

The institute celebrated the 77th Independence Day of the nation with great gaiety and patriotism on 15th August 2023. The faculty members, non-teaching staff and the students participated in the celebrations. The Vice-Chancellor Prof. Rajesh Ranjan hosted the National Flag. The students presented a colourful cultural programme. The Vice-Chancellor exhorted the staff and the students to contribute according to their potential to make India a developed nation by 2047, as envisioned by the Hon'ble Prime Minister, Shri Narendra Modi.

Besides, the institute observed "HAR GHAR TIRANGA" by hoisting National Flag on 14th of August 2023 at 4:00 pm. The students and the staff took Oath with soil in their hands.

International Women's Day:

The institute organizes International Women's Day with different themes each year. This year, the International Women's Day was celebrated in the Conference Room of the Administrative Block of the institute on 8th March 2024 as per the directions, given by the Ministry of Women and Child Welfare, Govt of India. The day was celebrated enthusiastically by the female staff of the university under the convenorship of Mrs Diskit Chorol, Assistant Professor, Department of Economics. Mrs Kunzang Angmo, Library and Information Officer (Officiating), presided over the occasion as the Chief Guest. The celebration commenced with manglacharan by nun students of the university followed by presenting khatags to the guests. Shri Sonam Wngchuk, Consultant (Administration) also graced the day with his presence and delivered a speech on the importance of investing in women, keeping in view the theme of the day which was

"Invest in Women: Accelerate Progress". Mrs Jigmet Lhamo, Asst. Prof., Department of Comparative Philosophy presented the welcome speech, highlighting the importance of women's education. Delving the historical perspective of the observation of women's day internationally, she spoke about the significance of observing women's day to create awareness about the issues women face in the society. Dr Eshey Wangmo, Medical Officer, Sowa Rigpa Hospital spoke on women's health, particularly from the perspective of Sowa Rigpa system of medical tradition. There was a Q & A session and a number of participants asked questions regarding women's health Dr Eshey Wangmo answered the questions to the satisfaction of the participants. Mrs Kunzang Angmo speaking as the Chief Guest stressed on the importance of gender equality in society. Mrs Diskit Chorol gave the vote of thanks and the program was concluded with the singing of national anthem.

International Day of Yoga:

International Day of Yoga was celebrated with great enthusiasm on 21st June 2023 on the campus of the institute. Faculty members, non-teaching staff and the students of the institute were present during the Yoga Day. Dr. Thinles Yangjor, Dean Students' Welfare/HoD., Sowa Rigpa presented the welcome address and a brief introduction on yoga. Dr. Konchok Rigzen, Administrative Officer also delivered a speech on the benefits of practicing Yoga in our daily lives. Dr. Stanzin Chosarab, Asst. Prof. demonstrated various yogasanas to the participants.

Moreover, the Department of Sowa Rigpa organized a 10-day Special Yoga Training Session for the staff and the students of Sowa Rigpa Department as part of International Day of Yoga celebrations.

Visit of the 10th Batch of Young Leaders from Several Countries:

30 delegates from several countries namely Cape Verde, Cyprus, Estonia, Gambia, Latvia, Malta, Morocco, the Netherlands, Trinidad & Tobago, Tunisia and the United Kingdom visited the institute. These young delegates are members of various political parties (both ruling and opposition), entrepreneurs and rising leaders in their respective countries. A warm welcome program was organized by the institute in the Conference Hall.

Celebration of 75th Republic Day:

The institute celebrated the 75th Republic Day with great enthusiasm despite cold weather conditions, under the leadership of the Hon'ble Vice-Chancellor Prof. Rajesh Ranjan in front of the Administrative Block. Prof. Rajesh Ranjan hoisted the National Flag, followed by the singing of the National Anthem by the staff. In his address, the Hon'ble VC exhorted the staff members to work hard with sincerity and dedication towards making our beloved motherland a developed country by 2047, as envisaged by our dynamic Prime Minister Shri Narendra Modi. Later, the pragramme was followed by dancing with patriotic songs and refreshment with tea.

Inauguration of two sets of Submersible Water Pumps:

Shri Ajay Kumar Jha, General Manager (NW-II), State Bank of India, Chandigarh Circle inaugurated two sets of Submersible Water Pumps on the campus of the institute in the presence of Prof. Rajesh Ranjan, Vice-Chancellor, Shri Ravindra Kumar Gupta, Deputy General Manager (B&O), Jammu; Shri Rajeev Kumar Chhabra, Regional Manager (AGM-RBO-5), Jammu; Shri Rigzen Gurmeth, Branch Manager and Shri Nawang Chhetan, Relationship Manager, both of State Bank of India, Choglamsar. The faculty members, office staff and a number of students of the institute were also present on the occasion. The two sets of Submersible Water Pumps were gifted by the State Bank of India to CIBS under the Corporate Social Responsibility (CSR) Scheme. Installation of the two Submersible Water Pump sets will highly solve the water requirement of the staff and students on the campus, for drinking and other purposes. The Vice-Chancellor expressed his gratitude to the officers of the State Bank of India for this noble gesture.

Azadi Ka Amrit Mahotsav:

Azadi Ka Amrit Mahotsav is an initiative of the Government of India to celebrate and commemorate 75 years of independence and the glorious history of its people, culture and achievements. Under this initiative the Institute organized various activities.

Inauguration of Open Gymnasium and New Water Tanker:

Shri Jamyang Tsering Namgyal, the Honourable MP of Ladakh, inaugurated the newly established Open Gym and a new water tanker at the Central Institute of Buddhist Studies (CIBS) on 7th November, 2023 in the august presence of Prof. Rajesh Ranjan, Hon’ble Vice-Chancellor, CIBS. This event was attended by several esteemed

guests such as Venerable Tsering Angdu, President, All Ladakh Gonpa Association; Venerable Konchok Tsephel, Hon'ble Councillor, LAHDC, Leh; Venerable Dorjay Stanzin, Vice-President, LGA, Leh. Dr. Konchok Rigzen, AO,CIBS and Dr. I.B. Jha, AAO, CIBS were also present on the occasion.

28. PROJECT OF THE COMPILATION OF ENCYCLOPEDIA OF HIMALAYAN BUDDHIST CULTURE

The CIBS is running a mega project of compilation of Encyclopaedia of Himalayan Buddhist Culture in ten volumes. The project was launched by engaging scholars on contractual basis. The project is in progress under the supervision of a Chief Editor, assisted by two Editors and three Research Assistants. Two volumes of the Encyclopaedia covering the Ladakh region have already been published.

Another two volumes covering the region of Himachal Pradesh have been completed and are under publication. The first volume of philosophical and theoretical basis of Himalayan Buddhist Culture consists of two parts. The first part contains 22 chapters which have been completed and ready for publication.The Part II is in progress.

29. MANUSCRIPTS RESOURCE CENTRE

The National Mission for Manuscripts, Govt. of India has designated CIBS, Leh as the Manuscripts Resource Centre and Manuscripts Conservation Centre for the Ladakh region. Accordingly, the institute has been carrying out the assigned job by engaging scholars on the standard terms and conditions laid down for the purpose by the National Mission for Manuscripts, Govt. of India. The institute so far has documented about 37,722 manuscripts from 2,389 different monasteries/palaces/individuals of Ladakh region. The institute is trying to document all the rare manuscripts available in the different monasteries of Ladakh region.

The institute has also setup a laboratory for conservation of manuscripts. So far the institute has conserved 56,635 folios of rare manuscripts which were kept lying in very bad conditions in different monasteries such as, Matho monastery, Hemis monastery and other individual households.

The Manuscript Conservation Centre (MCC) at CIBS has undertaken extensive preventive and curative conservation efforts on manuscripts, collected from various monasteries and individual collections across different villages. So far the institute has

conserved 1,69,754 folios and 3,39,508 pages under the Preventive Conservation of Rare Manuscripts and 1,76,799 folios and 3,53,598 pages under Curative Conservation.

30. Academic Achievements during Year: 2023-2024

1. Dr Thinles Yangjor, Associate Professor; Dean, Faculty of Sowa-Rigpa

1. Research and Publication:

a. Ongoing self-funded research on the Topic “Hydrotherapy in Treatment of Osteoarthritis.

2. Seminar/Workshop/Meeting

a. July 6, 2023: Presented a paper titled “གསོ་བ་རིག་པའི་སྦྱོ་སྨན་ངོ་སྤྲོད། at a two day workshop for Sowa-Rigpa practitioners at National Institute of Sowa-Rigpa, Leh.

b. Oct 12, 2023: Delivered a lecture on “གསོ་བ་རིག་པའི་ལོ་རྒྱུས་དང་ཡང་སྙོམས་ལ་དགུས་སུ་གསོ་རིག་དར་རྒྱལ་” during the Induction Program for newly admitted BSRMS students (AY 2023-24), introducing them to the distinctive features and future prospects of Sowa-Rigpa.

c. March18, 2023: Presented a paper titled “གསོ་བ་རིག་པའི་ཐུན་མོང་མ་ཡིན་པའི་ཁྱད་ཆོས་རྩ་རྒྱུའི་བརྟག་ཐབས་རིག་པ་མི་ཉམས་སྐྱར་གསོའི་སྐོར། at a two-day workshop for Sowa-Rigpa practitioners at National Institute of Sowa-Rigpa, Leh under Tribal Health Care Project.

d. August 25, 2023: Guided the faculty and students during one-day medical excursion to Khardung-La in exploring and identifying medicinal herbs and plants relevant to Sowa-Rigpa practice and harvesting them to prepare medicines.

e. Organized one day Herbarium Making Workshop in collaboration with DIHAR, Leh.

f. February 12, 2024: Signed a Memorandum of Understanding (MoU) with SNM Hospital, Leh, to foster collaborative initiatives in engagement of medical personnel enhancing clinical training opportunities for BSRMS students.

2. Geshe Dakpa Kalzang, Associate Professor; Dean, Faculty of Busddhist Philosophy and Logic

a. As Coordinator, conducted Traditional Debate Programme for the session under report

b. As Convener, conducted the four-day National Seminar titled: “The Significance of Madhyamikalankara in the Development of Madhyamic System” held from

28 September to 1st October 2023 at Central Institute of Buddhist Studies, Choglamsar, Leh , UT of Ladakh jointly organized by the Department of Bhot Bauddha Darshan and the Depts of all four Sampradaya Shastras of CIBS in collaboration with Indian Council of Philosophical Research (ICPR), New Delhi, India .

c. Paper presented on " The Five Canonical Texts" during the Seminar The Philosophy of Nalanda Tradition held on 15 November 2023 in CIBS organized by Depts of Bhot Bauddha Darshan & Sampradaya Shastra

d. Presented a paper on "An Understanding of Prajna Paramita Sutra" during the National Seminar on Nalanda Buddhism in 21st Century: Challenges and Responses held on 11-12 August, 2023 in CIBS organized by Depts of Bhot Bauddha Darshan & Sampradaya Shastra

e. Presented a paper on "The Importance of Bhoti Language" during the National Seminar on The Historical Development of Bhoti Literature and its Methodology held from 24th to 26th August 2023.

3. Khanpo Konchok Thupstan, Associate Professor, Bhoti Literature

As Convener, successfully organized a 3-day seminar on "The Historical Development of Bhoti Literature and its Methodology" on behalf of CIBS in collaboration with the Indian Council of Historical Research (ICHR), New Delhi held from 24th to 26th August 2023.

4. Gsehe Lobzang Wangchuk, Assistant Professor, Bhot Bauddha Darshan

a. As a Member, organized the four-day National Seminar titled: "The Significance of Madhyamikalankara in the Development of Madhyamic System" held from 28 September to 1st October 2023 at Central Institute of Buddhist Studies, Choglamsar, Leh , UT of Ladakh jointly organized by the Department of Bhot Bauddha Darshan and the Depts of All four Sampradaya Shastras of CIBS in collaboration with Indian Council of Philosophical Research (ICPR), New Delhi, India .

b. Organized Workshop on and taught Buddhist Dialectics to the Shastri and Acharya Students of CIBS from 1st April to 30th April 2023 under the banner Workshop of Buddhist Dialectics held at Central Institute of Buddhist Studies (CIBS), Leh.

c. As a Guest Speaker, gave a talk to around 50 students belonging to different schools of Ladakh held at Spituk Gonpa for participating in Debate Competition at Karnataka.

5. Dr. Dillip Kumar Pattanayak Assistant Professor English

a. Radio Talks broadcast on All India Radio, Leh. (i) Empowerment of Consumers through the Change of Energy, broadcast on 14 March 2023. (ii) Pride and Anger, broadcast on 27 September 2023.

b. A book entitled Understanding English Phonetics was written and is under revision.

c. Edited Annual Report of the Institute and Rigpe Dustee (students' magazine)

6. Khnpo Konchok Thapdol, Assistant Professor, Himalayan Sculpture

a. Sculpted the Eight Auspicious Signs in cement on the gate of Administrative Block, CIBS.

b. Sculpted a stucco image of Kunrig for the office of CIBS.

c. On behalf of CIBS, participated in the exhibition of traditional sculpture of Himalayan Region at Delhi Haat.

7. Dr Sanjeev Kumar Gautam, Assistant Professor, History

Publications:

a. "Hindu Code Bill." Bahuri Nahin Awana (UGC Care Listed: April- June, 2023). ISSN: 2320-7604

b. " Bauddha Dharma Ke Adharbhut Shidhhanta." Bahuri Nahin Awana (UGC Care Listed: July-September, 2023). ISSN: 2320-7604"

c. Samakalin Mughal Sroton ke Aine Me Ladakh Itihas." Itihas Dristi. (UGC Care Listed: March 2024).

Book Review: "Patrakaita me Pratikriya." Bahuri Nahin Awana (UGC Care Listed: January-March, 2024). ISSN: 2320-7604

8. Dr. Tsewang Yangjor, Assistant Professor, Bhoti Literature

1. Supervised three Research Scholars for the award of their Doctor of Philosophy Degree..

2. Offered Certificate Course in Tibetan Language to four students organized on behalf of Dept of Bhoti Literature.

3. Edited Rigpai Dustee, Annual students' magazine of CIBS.

4. In year 2023, the Himalayan Buddhist Culture Association published my poetry collection over four hundred pages known as Snyen Tsom Bunvai Roltso.

5. Read poems on Buddha Jayanti, Gandhi Jayanti and Bhoti Language on 14-5-2023, 2-9-2023 & 17-11-2023 respectively in symposia organized by Art, Language and Culture Academy, Leh, UT of Ladakh.
6. Presented a paper titled "Differences between Biography and History" during the 3-day National Seminar on "The Historical Development of Bhoti Literature and its Methodology" organized by Dept of Bhoti Literature in collaboration with the Indian Council of Historical Research (ICHR), New Delhi held from 24th to 26th August 2023.
7. Organized a local Seminar at Durbuk , Changthabng, Leh on 10 -06-2023 on the topic " Bhoti Langauge: the Present Condition and Position.
8. Participated as a Resource Person in innovative teaching-learning programme organized by DIET, Leh, UT of Ladakh.
9. Presented a paper on "The Condition of Bhoti Language in Modern Times and its Learning in Local Schools" in a National Seminar organized by LAHDC, Leh on 17 November 2023.
10. Presented a paper on " Umai Tawa" in a National Seminar organized by the Depts of Bhot Bauddha Darshan and Sampradaya Shatras, CIBS.

9. **Khenpo Jamyang Kunsang, Assistant Professor, Sakya Sampradaya**

a. Edited and designed the monthly students' magazine "Lomai Gatsal"
b. Coordinated the two days' local seminar at Duzin Photang School, Zanskar on Introduction to Buddhism held from 12-13 July 2023.
c. Organized the four-day National Seminar titled: "The Significance of Madhyamikalankara in the Development of Madhyamic System" held from 28 September to 1st October 2023 at Central Institute of Buddhist Studies, Choglamsar, Leh , UT of Ladakh jointly organized by the Department of Bhot Bauddha Darshan and the Depts of All four Sampradaya Shastras of CIBS in collaboration with Indian Council of Philosophical Research (ICPR), New Delhi, India.

10 **Geshe Lobzang Tsultrim Assistant Professor, Dept, of Gelug Sampradaya Shastra.**

1. Organized workshop Traditional Philosophical Debate for the students of University Wings as well as SSS, CIBS for a month w.e.f 1st April to 30th Arpil, 2023.
2. Conducted one Day Internal Seminar for the students of University Wings on

Abhisamayalankara in the Nagarjuna Hall of CIBS on 15th Nov.2023

3. Appointed as Coordinator of Educational Tour to Jammu & Kashmir and Himachal Pradesh w.e.f 16th August to 31st August, 2023 conducted by CIBS.
4. Appointed as Supervisor of a nine-member contingent including 8 students of CIBS to participate in a 6-day program including Inter Institute Debate and Badminton competition among the institute financed by Ministry of Culture, Govt. of India from 18 to 23 march, 2024 and presented a symposium on Himalayan Culture.
5. Organized a four days National Seminar on "The Significance of Madyamikaalankara in the Development of 'Madyamika System" w.e.f 28th of September to 1st oct.2023 in CIBS.

11. Dr Lobzang Tsultrim Bhutia, Assistant Professor, Kargyud Sampradaya

a. As a resource person, taught Buddhist Dialectics to the Shastri and Achrya students of CIBS for one month under the banner of Workshop of Buddhist Dialectics from 1st to 31st May 2023, held at Central Institute of Buddhist Studies, (Deemed to be University) ,Leh, Ladakh.
b. Paper presented at National Conference on Nalanda Buddhism in 21st Century: Challenges and Responses, held at CIBS, Leh, Ladakh on 11" August 2023.
c. An article entitled "A Quintessential Spiritual Practice of Mahayana Buddhism" published in International Journal of Spirituality and Cognition,Vol.1, Issue.1 December 2023, ISSN-2584-2315.
d. Organized the four-day National Seminar titled:"The Significance of Madhyamikalankara in the Development of Madhyamic System" held from 28 September to 1st October 2023 at Central Institute of Buddhist Studies, Choglamsar, Leh , UT of Ladakh jointly organized by the Department of Bhot Bauddha Darshan and the Depts of All four Sampradaya Shastras of CIBS in collaboration with Indian Council of Philosophical Research (ICPR), New Delhi, India .
e. Gave a talk as a Guest Speaker through online mode on "Self Love through Meditation" during 4th Virtual International Conference on Mindful Trauma Management and Happy Relationship on 17" March 2024, organized by Speaking Cube in collaboration with NITI Aayog, Ministry of MSME, Govt of India, University of Venda, South Africa and Shoolini University.

12. **Khenpo Shedrup Konchok, Assistant Professor, Buddhist History and Culture**

a. Presented a paper titled “Development of Bhoti Language in Tibet” during the 3-day National Seminar on "The Historical Development of Bhoti Literature and its Methodology" organized by Dept of Bhoti Literature in collaboration with the Indian Council of Historical Research (ICHR), New Delhi held from 24th to 26th August 2023.

b. Received the Certificate of Appreciation from Students’ Association for Village Education (SAVE) on 12 July 2023 for excellent work in the field of education.

c. As Convener, organized lectures during AZADI KA AMRIT MAHOTSAV Celebration from the year 2021 to 2023.

13. **Dr Jigme Migyure, (BTMS/MD), Assistant Professor, Department of Sowa-Rigpa**

a. The article “༄༅། །གསོ་བ་རིག་པའི་ཚན་རིག་དང་མཐུན་པའི་ཞིབ་འཇུག་ཐབས་ལམ།” (Scientific Research Methodology for Sowa-Rigpa Clinical Research) in Bhoti/Tibetan language was published in The SORIG JOURNAL,Vol 4, September-2023 (ISBN 9789387974593) by Central Council of Tibetan Medicines, Dharamsala, HP.

b. Served as an Expert Member of Zhib jug thabs lam dang bsdurrtsis (Research Methodology & Bio-Statistics) to frame the Competency Based Curriculum and Syllabus for 3rd Professional, BSRMS of Sowa-Rigpa by National Commission for Indian System of Medicines. Ministry of AYUSH, Govt. of India (Ref-BUSS/3rd Prof syllabus (Sowa-Rigpa) 2024).

14. **Mr Tsering Choldan, Assistant Professor, Political Science**

a. Research paper entitled “Prospects and Challenges to Preserve Ladakhi Identity since Independence” published in a Peer Review Journal of Research in Humanities and Social Sciences, in 2023.

b. Presented a paper on “Socio-Cultural Heritage of Ladakh: Reflections on Continuity and Changes” in a Two Day National Seminar organized by Centre for Himalayan and Trans- Himalayan Studies and Department of Political Science, University of Ladakh in Collaboration with ICSSR, New Delhi, in August 2023.

c. Attended a Certificate Course on Two Week Research Methodology in Social Science, sponsored by ICSSR and organized by the Centre for Himalayan and Trans-Himalayan Studies and Department of Political Science, University of La-

dakh in 2023.

d. Research paper entitled "The Socio-Economic Status and Challenges of Nomadic Changpas in Ladakh, India" published in the Journal of SCOPE (UGC CARE listed and Scopus Indexed) on 30-03-2024.

15. Dr Thinles Gyurmet, Translator

a. Presented a paper on the " Bauddha Sammelan ka Samsmaran" in the seminar organized by Shitya Akademi and North Zone Cultural Centre on Buddhism and Kashmir held I Kashmir from 2rd to 24th June 2023.

b. Organized one day Workshop on Typing of Official Language Hindi on 22/03/2024 by inviting Shri Anil Kumar Jha, Assistant commandant (Official Langauge).

c. Translation of a rare Buddhist text by Dagpo Tashi Namgail entitled Changchen Dawe Odzer from Bhoti into Hindi containing 526 pages is almost complete.

d. Prepared and translated the annual Report-2023, Audit Report-2023 and Annul Accounts-2023.

e. Participated in the Ladakh Literary Conference -2023, 3rd Edition, at Kargil on 27th and 28th March 2023 organized by Ladakh Art, Culture and Language, Kargil, Ladakh.

16. Khapo Karma Tenzin, Assistant Professor, Nyigma Sampradaya6

b. Conducted Buddhist meditation training related to their subject for the students from 6th to 12th Classes in evening during self-study in the girls' hostel of CIBS for several months.

c. Provided special training in Buddhist meditation and philosophy to a group of students of CIBS for several months in 2023.

d. Worked on revising the syllabi for Buddhist students from Grades 6 to 12 of SSS, CIBS.

e. Conducted online Buddhist philosophy classes for students of foreign universities for several months.

f. Conducted a fifteen-day Buddhist philosophy logic training for newly joined Sowa- Rigpa students of session 2023-2024

g. In 2023, provided intensive teaching on Buddhist philosophy and Bhoti language to 50 students during the one-month winter vacation on request of Students' Welfare Committee, CIBS.

h. From 1st August to 13th August 2023, conducted logic training workshop for

students of different schools organized by Pethub Monastery.

i. From 1st to 31st May 2023, organized a Workshop on "Nalanda Dialectics" for students of CIBS.

j. Presented a paper on "phyi rol gyi don la dgyad pa" during the four-day National Seminar titled: "The Significance of Madhyamikalankara in the Development of Madhyamic System" held from 28 September to 1st October 2023 at Central Institute of Buddhist Studies, Choglamsar, Leh , UT of Ladakh jointly organized by the Department of Bhot Bauddha Darshan and the Depts of All four Sampradaya Shastras of CIBS in collaboration with Indian Council of Philosophical Research (ICPR), New Delhi, India .

k. Submitted two research papers titled (a) "Serving Society Through the Four Noble Truths" and (b) "An Analysis on the Consciousness Particles according to Mind School" for publication in Ladakh Prava in CIBS.

17. Khenpo Shedrub Konchog, Assistant Professor, Bhot Bauddha Darshan

a. Served as a resource person during the one month workshop on Nalanda Dialectics held form 1st -31st May 2023 at CIBS, jointly organized by the Department of Bhot Bauddha Darshan and the Depts of All four Sampradaya Shastras.

b. Presented a paper on "sems tsam pas phyi don zhal gyi bzhes mi bzhes skor la dpyad pa"during the four-day National Seminar titled:"The Significance of Madhyamikalankara in the Development of Madhyamic System" held from 28 September to 1st October 2023 at Central Institute of Buddhist Studies, Choglamsar, Leh , UT of Ladakh jointly organized by the Department of Bhot Bauddha Darshan and the Depts of All four Sampradaya Shastras of CIBS in collaboration with Indian Council of Philosophical Research (ICPR), New Delhi, India .

c. Conducted teachings on "Bardo Thosdol" from 20th Dec 2023 - 20th Jan 2024 for the villagers of Shakti.

d. Presented a paper on "Buddhist Culture of Lahoul" at Baudhha Vidya Shangrakshan Sabha, Jispa, Lahoul & Spiti, Himachal Pradesh held from 18th -20th Sep 2024.

18. Dr. Tashi Gyalpo , Assistant Professor,Bhoti

a. Conducted a Workshop on Creative Writing (Poems and Stories) for students of Acharya in June 2023.

b. Edited the Bhoti Syllabus meant for Shastri II (April-June 2023).

c. As a Member, successfully organized a 3-day seminar on "The Historical Development of Bhoti Literature and its Methodology" on behalf of CIBS in collaboration with the Indian Council of Historical Research (ICHR), New Delhi held from 24th to 26th August 2023.

d. Presented a paper on “Analysis of Tibetan Poetry” at the National Seminar on Bhoti Language organized by CIBS and Indian Council of Historical Research held on August 24-26, 2023.

e. Presented a paper on "A New Logical Argument" at the National Seminar on “The Significance of Madhyamikalankara in the Development of Madhyamic System (September 28-October 1, 2023).

f. Organized a workshop on essay writing for students of Acharya (October 2023).

g. Organized a seminar on the nature and development of theatre for final year students of Acharya (October 2023).

h. Was invited by Students’ Welfare Association, CIHTS, Saranath to deliver a lecture on the Nature and Development of Tibetan Novel at Varanasi (January 25, 2024).

i. Served as a resource person for a short induction training at District Institute of Education and Training, Leh (March 5-9, 2024).

j. Published an article titled “Traditional Methods of Agriculture in Tibet: A Study” in the international peer reviewed refereed journal Vedanjali. Vol 19. Series 12 (January- Jun issue) with Impact Factor: 7.109. ISSN: 2349-364X.

19. Geshe Konchok Namtak, Assistant Professor, Bhot Bauddha Darshan

a. Supervised the Buddhist philosophical debate conducted by CIBS for a month and a half.

b. Edited a book titled Ldawa Odzer.

c. During the National Seminar, presented a paper on Abhisamayalankara at Central Institute of Higher Tibetan Studies, Varanasi.

d. Prepared the new model of curriculum for Buddhist Philosophical Debate for Class VI to VIII of SSS, CIBS.

20. Khanpo Konchok Namdak, Assistant Professor, Bhot Bauddha Darshan

a. Presented a paper on "Phyi nang gi rdul phran dod tshul dang rag pa rtsom tshul gyi skor" during the four-day National Seminar titled: “The Significance of Madhyamikalankara in the Development of Madhyamic System” held from 28

September to 1st October 2023 at Central Institute of Buddhist Studies, Choglamsar, Leh , UT of Ladakh jointly organized by the Department of Bhot Bauddha Darshan and the Depts of all four Sampradaya Shastras of CIBS in collaboration with Indian Council of Philosophical Research (ICPR), New Delhi, India.

b. Two books, namely History and Culture of Taru Village and History and Culture of Phyang Village are under publication with assistance from Ladakh Academic of Art, Culture and Languages, Leh.

c. Presented regular talks on All India Radio, Leh for the programmee Otzer (Roshni) on 21st & 23rd May 2023, 29th October & 1st November 2023.

d. Participated in Poetry Recitation Programme organized by Ladakh Academy of Art, Culture and Language, Leh on the topic " Cho ski skul Ma" on 30 May 2023.

21. **Dr. Raj Kiran Negi, Assistant Professor, Sanskrit Buddhist Philosophy**

a. Presented the Key-note address during the Departmental Seminar organized by the Dept of Sanskrit Bauddha Darshan of CIBS held on 24 May 2023.

b. My article " Logic in Buddhist Philosophy" has been sent for publication.

22. **Subhash Chand, Assistant Professor, Sanskrit Buddhist Philosophy**
Research Paper/ Work

a. Published an article on "The Effects of Buddhist Thought on Welfare and Mental Health." Vol 11, No 2, Impact Factor 7.5 (2024). ISSN: 2349-5928

b. हिंदू धर्म और बौद्ध धर्म में समानताएं और विरोधाभासः एक तुलनात्क अध्ययन, Vol 2. Surbhi Publications. Impact factor 5.7(2024). ISSN 2349:4557

c. Hindu and Buddhist Philosophy : A Comparative Study. ISBN 978-93-92087-95-0. (2024)

23. **Dr. Stanzin Mingur, Assistant Professor, Dept of Buddhist History and Culture.**

1. Research Publications:

a. Stanzin Mingur, " ཉར་མའི་ལོ་རྒྱུས། " Legacy of Nyarma, International Institute of Culture & Ethics (ICE), 2023.

a. Stanzin Mingur, "Establishment of dGe lugs pa School in Ladakh," Ladakh Prabha-23 (Central Institute of Buddhist Studies), 2023, pp. 228-242. ISBN: 978-81-97146-18-3.

l. Conferences/Seminars Attended:

a. Presented a paper on "The History of Nyarma" on the occasion of The Celebration of 1000 Years of Nyarma on 28 October 2023.

b. Assisted the Coordinator of a two-day local seminar at Duzin Photang School, Zanskar on "Introduction to Buddhism" from 12-13 July 2023.

c. Attended Ladakh Literature Day-2023 on 17 October 2023.

d. Presented a paper on "Nyarma" during the conference on Looking Beyond Vision for Excavations by 2035 on 5-6 November 2023.

3. Courses:

a. Conducted a six-week Winter Bridging Programme and a course on The History of Ladakh for students from the Changthang region at Shey Naro Photang.

b. Completed a MOOC Course on Buddhist Tourism from the SWAYAM platform, contributing a module titled "Dharamshala, Himachal Pradesh".

4. Guest Lectures/Invited Talks:

Was invited to deliver a lecture on The History of Ladakh at the International Institute of Culture & Ethics-Ladakh on 22 April 2023.

5. Other Achievements:

Conducted fieldwork for the project "Building and Craft Traditions in Tibetan Architecture" under the Austrian Academy of Sciences, Vienna, Austria, in 2023.

24. Dr . Karma Rabsal, Assistant Professor, Dept. of Sowa Rigpa

a. Guest Speaker for a special episode of LZA SPENBEY DIGRIM at Himalayan Lagoon Studio on the topic of Sowa Rigpa on 4th Feb 2024. This episode has currently reached 11000 views on the official Youtube channel of the Himalayan Lagoon.

b. Presented a paper on "Arthritis" in a seminar organized by National Institute of Sowa Rigpa.

c. Delivered a speech on "Diet and Behavior" to the staff of Tibetan Health Centre, Choglamsar.

d. Prepared the syllabus on human anatomy and physiology as an expert for Sowa Rigpa.

e. Facilitated group discussions and collaborative learning space in the classroom at CIBS.

25. Mrs Jigmet Lhamo, Assistant Professor, Comparative Philosophy

Presented a Paper entitled "An Outline of Svatantra Yogacharya Madhyamika System of Buddhist Philosophy" during the four-day National Seminar titled: "The Significance of Madhyamikalankara in the Development of Madhyamic System" held from 28 September to 1st October 2023 at Central Institute of Buddhist Studies, Choglamsar, Leh , UT of Ladakh jointly organized by the Department of Bhot Bauddha Darshan and the Depts of All four Sampradaya Shastras of CIBS in collaboration with Indian Council of Philosophical Research (ICPR), New Delhi, India

26. Dr. Stanzin Chosrab, Assistnt Professor, Sowa Rigpa

a. As Coordinator for the Herbal Medicinal Tour to Changla Pass, managed the planning and execution of the tour, coordinating with the Ladakh Amchi Sabha and the Sowa Rigpa Department of CIBS; guided treks, conducted expert sessions, and ensured smooth communication, helping students connect with Ladakh's medicinal plants and traditional healing practices.

b. Participated in one-day Herbarium Making Workshop at CIBS, Leh on 03/08/2023, on plant specimen collection, pressing, and preservation techniques organized in collaboration with DIHAR, Leh led by Dr. Manoj.

c. Joined as the resource person for the Sowa-Rigpa Induction Program at CIBS, Leh.

d. Was appointed as one of the NCISM observers for NCISM-NEET-SR-UG-2023 Entrance Examination and attended the NCISM meeting for syllabus framing as well.

e. Led a yoga program at Sindhu Darshan as an instructor organized jointly by CIBS, Mahabodhi School, and the National Institute of Sowa-Rigpa.

f. Worked as a Supervisor during a one-day herbal medicinal plant tour for Sowa-Rigpa students of CIBS to DIHAR.

g. Virtually attended the 2023 meeting of the AYD 06 Sowa-Rigpa Sectional Committee as a Member of the Technical Committee held in July 2023.

27. Dr. Padma Rigzin, Assistant Professor, Sowa Rigpa

Publication:

Article titled "Outlining the Importance of Sowa-Rigpa through its View, Path, and Fruition" published in Conference Proceedings of the Ladakh College Stu-

dents' Conference in October 2023 after presenting the same in the said conference.

Academic and Administrative Responsibilities:

a. August 25, 2023: Accompanied Dr. Thinless Yangjor, Dean, Faculty of Sowa-Rigpa, on a one-day medical excursion to Khardung-La to explore and identify medicinal herbs and plants relevant to Sowa-Rigpa practice and harvested these for preparing medicines.

b. September 29, 2023: Successfully prepared for the first time of ཅོང་ཞི་ཟླ་འོད།, a unique calcite formulation made under moonlight.

c. October 09, 2023: Coordinated for organizing Transitional-cum-Induction Program for newly admitted BSRMS students for the Academic Year 2023-24.

d. February 01, 2024: Appointed as a Subject Expert for ngos bzung rtags-II (Sowa-Rigpa Pathology Part II) to frame the syllabus for the BSRMS Second Professional program, as nominated by the President, Board of Unani, Siddha, and Sowa-Rigpa, NCISM, Delhi.

e. February 12, 2024: Under the guidance of the Faculty Dean, Sowa Rigpa, drafted a Memorandum of Understanding (MoU) with SNM Hospital, Leh, to foster collaborative initiatives in medical personnel engagement and enhance clinical training opportunities for BSRMS students.

f. February 29, 2024: Coordinated the Registration of Sowa-Rigpa Hospital under the Clinical Establishment Act of UT Ladakh.

g. March 18, 2024: Coordinated the Elective Course of BSRMS at CIBS.

Seminar, Workshops, and Meetings:

a. October 10, 2023: Delivered a lecture on "གསོ་བ་རིག་པའི་ཁྱད་ལས་ཀྱི་མདུན་ལམ་ངོ་སྤྲོད།" during the Induction Program for newly admitted BSRMS students (AY 2023-24), introducing them to the distinctive features and future prospects of Sowa-Rigpa.

b. February19-21, 2024: Attended the Three-Day Syllabus Framing Workshop (Physical Mode) for the Second Professional BSRMS Program at CIHTS Sarnath, Varanasi, collaborating with national experts to finalize the curriculum framework.

28. Dr . Jigmet Lhazes, Assistant Professor, Sowa Rigpa

a. Completed a story-based writing project titled "The Healing Hot Springs of Ladakh" in a book, People Called Ladakh to be published in mid-2024 by Westland Publication House.

b. Guided Sowa-Rigpa Second-Year students to the 'Ladakh Kisan Jawan Vigyan Mela' on 19-08-2023 to explore herbs at DIHAR, Leh.

c. Joined One Day Sowa-Rigpa Herbal Tour at Khardong Pass on 25 August 2023 for the identification of Ladakhi herbs.

d. Appointed as a subject expert for lus stod dang don snod gso ba (Management of Head, Neck, Thorax and Abdomen Disorders) on 1st February 2024 to frame the syllabus for BSRMS Second Professional under the umbrella of NCISM, Delhi, at Varanasi.

e. Attended a Three-Day Syllabus Framing Workshop (Physical Mode) for BSRMS Second Professional at CIHTS Varanasi (Sarnath), collaborating with national experts to finalize the curriculum framework.

Students' Achievements

1. The following students participated in under-16 Junior Girls' Football 2023 held in Gujarat:

a. Stanzin Chemet b. Sonam Yangkyi c. Mipham Tsomo d. Tsering Chondon

2. The following students participated in State Level Handball 2023 held in Leh:

a. Nawang Dolma b. Tsering Chosdon c. Thupstan Dolkerd. Thupstan Dorjey

e. Konchok Tsering

3. The following students participated in State Level Volleyball 2023 held in Leh:

a. Sonam Palmo b. Tsetan Dolma c. Thupstan Dolkerd. Sonam Chorol

e. Nawang Lhadol f. Stanzin Tashi g. Stanzin Chosphel

4. The following students participated in Inter-Zonal District Level Football Tour nament 2023 held in Leh:

a. Tsewang Namgyal b. Urgain Thokmet

5. The following students participated in Inter-Zone District Level Handball Tour nament 2023 held in Leh:

a. Sonam Palmo b. Tsetan Dolker

6. The following students earned laurels in Inter-School Level Tournament 2023 held in Leh:

a. Tsewang Dolma, Discuss Throw, First Position

b. Nurboo Chosphel, Archery, Second Position

c. Nurboo Chosphel, Archery, Second Position (Youth Fest)

d. Tsetan Dolker, Shot Put, Second Position.

e. Tsetan Dolker, Discuss Throw, Third Position.

7. The following students earned laurels in Annual Training Camp NCC:

a. Group Dance, First Position b. Stanzin Angmo won the Medal for Best Guard.

31. PLACEMENT OF STUDENTS AFTER OBTAINING THEIR DEGREES/DIPLOMAS

The institute provides the degrees of Ph.D.; Acharya (equivalent to MA) in Bhot Bauddha a Darshan, Sanskrit Bauddha Darshan, Ancient Buddhist History, Bhoti Literature and Comparative Philosophy, Shastri (equivalent to BA); Uttar Madhyama (equivalent to Class XII), and Purva Madhyama (equivalent to Matriculation). Besides, degrees of Bachelor of Fine Arts (BFA) Thankha Painting, Himalayan Sculpture, Himalayan Wood Carving, Bhot Astrology and Astronomy and Bachelor of Sowa Rigpa Medicines and Surgery (BSRMS) are also being awarded. It has been observed that most of the students having obtained the above degrees from CIBS, Leh are not without job. The students having passed their respective degrees/diplomas easily get appointments, especially in the Education Department of UT of Ladakh, Kendriya Vidyalaya, Jawahar Navodaya Vidyalaya and in the local private schools as well as actively work for the preservation and promotion of the cultural heritage of the region by involving the students of their respective schools. The candidates having the above degrees/diplomas have good opportunity for appointment in the Department of Akashvani Kendra, Leh and Doordarshan Kendra, Leh as they prefer for the candidates having good knowledge of the local Bhoti language. The institute feels proud that the alumni of CIBS, Leh are in good positions in the State and the Central Government Services, recruited through Kashmir PSC and UPSC. Besides, the alumni of the institute are serving the country in the arm forces and para-military forces all over India. Some alumni of the institute are working in prominent universities such as Viswa Bharati University, Shanti Niketan, Jawahar Lal Nehru University, Delhi etc. The current Chief Justice of Jammu and Kashmir and Ladakh High Court is also an alumnus of CIBS, Leh. There are a number of officers in the Police Department of UT of Ladakh who have obtained degrees from CIBS, Leh. The branch and feeder schools of CIBS, Leh are run by appointing the alumni of CIBS, Leh as teachers which help the preservation and promotion of the cultural heritage of the region. The students having the diploma in Sowa Rigpa (Bachelor of Sowa Rigpa Medicines and Surgery) have been engaged in the Health Department,

UT of Ladakh under the centrally sponsored scheme National Health Mission to look after the patients throughout the region. The students having diplomas in Thankha Painting, Himalayan Sculpture and Himalayan Wood Carving are earning handsome amount by preparing the thankas, statues, moshs and wood carving works for the local people as well as for the tourists visiting Ladakh. Besides, the candidates having the above diplomas are appointed as instructors in the organizations running similar courses.

32. REVISION AND EDITING OF TEXT BOOKS

Text books of class Shastri-III Main Text Book (6th semester), Shastri III Sampradaya Shastra Text Book (6th semester) in Bhoti were revised, edited and published during the year 2023-24.

33. DUZIN PHOTANG SCHOOL, ZANSKAR, KARGIL, LADAKH

i) Brief History:

In 1980, His Holiness the 14th Dalai Lama paid his first visit to Zanskar on the invitation of Buddhist Association, the Zanskar and felt it necessary to open a school for the preservation of the rich culture of the area. Accordingly, he donated some funds to the Buddhist Association there. In September 1984, Zanskar Buddhist Association established a school at Duzin Photang, Ufti for the benefit of the poor and needy students of the area. Initially, 101 students were admitted in the school and also three teachers were appointed. The hostel facilities were also provided to the students coming from far-flung areas. The Buddhist residents of Zanskar also donated funds for the improvement and up-gradation of the school. HH the Dalai Lama, during his second visit to Zanskar in 1988, further donated funds for the development of the school. The Zanskar Buddhist Association, and the people of Zanskar had represented to the then Prime Minister of India, Shri Rajiv Gandhi regarding the importance of the school with a request to take over the school by the Govt. of India on the pattern of CIBS, Leh. Shri Rajiv Gandhi paid visit to Zanskar in March/April 1988 and decided that the Govt. of India would take over the school, namely Duzing Photang School (DPS) as a branch school of CIBS, Leh w.e.f. 1st November 1989. Since then, the school is being run under the financial and administrative control of CIBS, Leh. A campus, consisting of a teaching block, a small library, a multi-purpose hall, hostel for 100 students, some staff quarters and a play ground, is available. It is one of the best campuses in the entire Zanskar val-

ley. A bus is also available to lift the day scholars of the school. Zanskar valley is an isolated place, even remains cut off from Leh and Kargil for about 6 to 7 months in a year during winter.

(ii) Examination Results: The annual examinations of the students from Classes I to VIII of DPS are being conducted by the school under the supervision of the Head Master. The Annual Examinations of Classes-IX to XII of this school and Senior Secondary School, Leh are being conducted by Sampurnanand Sanskrit Vishwavidyalaya, Varanasi, UP. An examination centre has been set up at DPS, keeping in view the hardships, faced by the students for coming to Leh for examination purposes. The class-wise enrolment of the students along with the result of each class for the Academic Year 2023-24 is placed as Annexure-XI.

(iii) Other Activities: The school is carrying out various co-curricular activities, viz Annual Sports-cum-Literary Competitions, Conduct of Educational Tours to visit historical places/monasteries, celebration of birth anniversary of important national level personalities, conduct of monthly lecture competitions etc. The school also actively participates in the parade and cultural programmes, organized by the Union Territory of Ladakh on the occasion of the Independence Day and Republic Day.

iv) Staff Strength: The staff strength of Duzin Photang School for the year under report is placed as Annexure-XII.

34. BAUDDHA DARSHAN SANSKRIT VIDYALAYA, H.P.

(i) Brief History:

The Bauddha a Darshan Sanskrit Vidyalaya (BDSV) was established in the year 1976 at Keylong, Lahaul-Spiti (HP) to preserve the rich Buddhist arts, culture and language of the Himalayan regions, namely of Lahaul, Spiti, Kinnaur, Pangi, Kullu and Manali. Prior to 1959, scholars, novices and monks of these areas used to go to Tibet for pursuing higher monastic education which came to an end in 1959 due to historical reasons. Thus BDSV, Keylong came into existence to continue the old-age practice to provide monastic education to the young novices. Initially, the school was run with the funds, raised by public donation. Subsequently, the Govt. of India, Ministry of Culture provided the financial assistance under the scheme of Financial Assistance for Development of Buddhist/Tibetan Organisations. The State Government of Himachal Pradesh also provided some financial assistance for its maintenance which was subsequently

discontinued. The people of the region tried their best for the takeover of the school as an autonomous organization of the Govt. of India on the pattern of CIBS, Leh and Central Institute of Higher Tibetan Studies (CIHTS), Sarnath, Varanasi, UP. However, later, the Govt. of India, Ministry of Culture on the recommendation of the Board of Management, CIBS, Leh decided to take over the school as a branch school of CIBS, Leh on the pattern of DPS, Zanskar. Accordingly, CIBS, Leh took over BDSV, Keylong, H.P. as a branch school of CIBS, Leh on 5th March 2010 in pursuance to Govt. of India, Ministry of Culture's letter No.F.1-11/2004-BTI, dated 05-03-2010. Since then the administration of the school is being looked after by CIBS, Leh with full financial support. There are one Headmaster, six Trained Graduate Teachers (TGTs), one teacher each for Bhoti, and Buddhist Philosophy, one UDC and three Class-IV employees working in the school. CIBS, Leh provides the salaries of the staff, stipends to the students, furniture/ furnishing items and other day to day expenditure of the school on the pattern of DPS, Zanskar. At present, the school is running at Mandogalu, Distt. Mandi, HP, where rent-free accommodation is provided by a religious society named Drigung Kagyud Society.

The Annual Examinations from Classes I to X of the school are being conducted under the supervision of the Headmaster of the school. The class-wise enrolment of students along with the result of each class for the Academic Year 2023-24 is placed as Annexure-XIII.

(ii) Staff Strength: The staff strength of BDSV, Mandogalu, H.P is placed as Annexure at page ....

****

35. Annexure I

COMPOSITION OF SOCIETY

S.No.	Name and Address	Position
1.	Secretary to the Govt. of India, Ministry of Culture, New Delhi	President
2.	AS&FA, Govt. of India, Ministry of Culture	Member (Ex-Officio)
3.	Joint Secretary, BTI Govt. of India, Ministry of Culture	Member (Ex-Officio)
4.	One Nominee of the Department of Higher Education, Ministry of Education, Govt. of India	Member (Ex-Officio)
5.	Secretary or Nominee of the University Grants Commission	Member (Ex-Officio)
6.	Deputy Commissioner, Leh	Member (Ex-Officio)
7.	One Representative of Monasteries of Ladakh to be selected by the All Ladakh Gonpa Association (Ven. Tsering Wangdu, President)	Member (Non-Official)
8.	One Representative of Ladakh Buddhist Association (Shri Thupstan Chhewang, President)	Member (Non- Official)
9-10	Two Eminent Buddhist Educationists, Nominated by the Central Government	(Non-Official)
a.	Dr. Padma Gyurmet, Director, National Institute of	Member (Non- Official)

	Sowa Rigpa, Leh	
b.	Dr. Sonam Wangmo, Asst. Prof., University of Ladakh, Leh	Member (Non- Official)
11.	Prof. Rajesh Ranjan, Vice-Chancellor, Central Institute of Buddhist Studies, Leh	Member (Ex-Officio)
12-13	Two Deans of Faculties, Central Institute of Buddhist Studies, Leh.	
a.	Khenpo Konchok Thupstan, Asso. Prof.	Member (Ex-Officio)
b.	Dr.S.K. Gautam, Asst. Prof.	Member (Ex-Officio)
14.	Registrar/AO, Central Institute of Buddhist Studies, Leh	Secretary (Ex-Officio)

Annexure II

COMPOSITION OF BOARD OF MANAGEMENT, CIBS, LEH

S.No.	Name and Address	**Position**
a.	Prof. Rajesh Ranjan,Vice-Chancellor, CIBS, Leh	Chairperson (Ex-Officio)
2-3	Two Deans of Faculties of CIBS, Leh (By rotation based on seniority)	
.	Dr. Thinles Yangjor, Asso Prof.	Member (Ex-Officio)
b.	Dr. S.K. Gautam, Asst. Prof.	Member (Ex-Officio)
4-6	Three Eminent Academicians nominated by the Hon,bel Chancellor	
a.	Prof. Wangchuk Dorjee Negi, CIHTS, Sarnath	Member
b.	Prof. KTS Sarao, Pro-Chancellor, Vivekananda Subharti University, Delhi.	Member

c.	Khenpo Ishey Tsering, Principal Abbot , Sakya College for Nuns, Tsechen-Shed-dup- Samten Phuntsok Ling Charitable Society. Manduwala, Dehradun, Uttarakhand	Member
7.	One Eminent Academician to be nominated by Central Govt in consultation with UGC (Under Process)	Member
8-9	Two Teaching Faculties (From Professors/Associate Professors) Rotation based on Seniority	
a.	Geshe Dakpa Kalsang, Asso. Prof.	Member
b.	Khenpo Konchok Thupstan, Asso. Prof.	Member
10-13	Maximum of Four Nominees, nominated by the Sponsoring Society	
a.	Ms. Amita Prasad Sarbhai Joint Secretary, MoC (BTI), GOI	Member (Ex-Officio)
b.	Shri Niraj Kumar, Director (BTI), MoC, GOI	Member (Ex-Officio)
c.	Shri Thupstan Chhewang, President, LBA	Member
d.	Rev.Tsering Wangdu, President, ALGA	Member
14.	One teacher by rotation of the rank of Assistant Professor	Member
e.	Geshe Lobzang Wangchok, Asst. Prof.	
15.	Registrar/AO, CIBS	Secretary (Ex-Officio)

Annexure III

COMPOSITION OF ACADEMIC COUNCIL

S.No.	Name and Address	Position
1	Prof. Rajesh Ranjan, Vice Chancellor, CIBS, Leh	Chairperson

Deans of Faculties

(2-5) 2) Geshe Dakpa Kalzang, Associate Professor — Member
(Faculty of Buddhist Philosophy and Logic)

3) Khenpo Konchok Thupstan, — Member
(Faculty of Languages

4) Dr.S.K. Gautam, — Member
(Faculty of Modern Studies)

5) Dr. Thinley Yangjor — Member
(Faculty of Sowa Rigpa & Shilpa Vidya)

Heads of Departments

(6-11)Faculty of Adhyatma Vidya

6) Geshe Dakpa Kalzang I/C — Member
Department of Bhot Bauddha Darshan

7) Geshe Dakpa Kalzang — Member
Department of Sanskrit Bauddha Darshan

8) Geshe Lobzang Tsultim — Member
Department of Nyingma Sampradaya

9) Khanpo Lobzang Tsultim Bhutia — Member
Department of Kagyud Sampradaya

10) Khanpo Jamyang Kunzang — Member
Department of Sakya Sampradaya

11) Geshe Lobzang Tsultim — Member
Department of Gelug Sampradaya

12- 16 Faculty of Shabda Vidya

12). Khanpo Konchok Thupstan, — Member
Department of Bhoti Literature

13) Dr. Rahul Mishra I/C — Member
Department of Sanskrit

14) Dr. Rahul Mishra I/C — Member
Department of Pali

15) Dr. Dillip Kumar Pattanayak — Member
Department of English

16) Dr. Rahul Mishra — Member
Department of Hindi

17- 21Faculty of Sowa-Rigpa & Shilp Vidya

17) Dr. Thinles Yangjor — Member
Department of Sowa-Rigpa

18) Shri Tsering Dorjai — Member
Department of Thankha Painting

19) Khanpo Konchok Thapdol — Member
Department of Himalayan Sculpture

20) Shri Konchok Chosphel — Member
Department of Himalayan Wood Carving

21) Dr. Konchok Tsering, — Member
Department of Astrology & Astronomy

22- 26 Faculty of Adhumik Vidya

22) Khanpo Shedrup Konchok, — Member
Department of Buddhist History and Culture

23) Dr. Vipin Kumar Pandey, — Member
Department of Comparative Philosophy

24) Dr. Sanjeev Kumar Gautam — Member
Department of History

25) Dr. Sanjeev Kumar Gautam I/C — Member
Department of Political Science

26) Dr. Sanjeev Kumar Gautam I/C — Member
Department of Economics

27-30 All Professors other than the Heads of the — Members
Departments by rotation on Seniority.
Professor posts are lying vacant.

31-32 Two Associate Professors from the Department — Members
other than the Heads of the Departments by rotation on Seniority.

a. Geshe Dakpa Kalsang — Member

b. Khanpo Konchok Thupstan — Member

33-34.Two Assistant Professors from the Departments by — Members
rotation basis on seniority.

a. Geshe Lobzang Wangchuk — Member

b. Khanpo Konchok Thapdol — Member

35-37 Three Educationists of reputes not in the service of Institute:

a)	Prof. Bimalendra Kumar, BHU	Member
b)	Prof. Dharma Chand Jain, Jaipur	Member
c)	Prof. S.K. Das, Shantiniketan	Member
38-40	Three persons, who are not members of the Teaching Staff co-opted by the Academic Council for their specialized knowledge.	Members
a.	Ven. Sanghasena, Director, MIMC, Leh	Member
b.	Dr. Konchok Rigzin, Research Officer, CIBS, Leh	Member
c.	Dr. P.K. Das, NNM, Nava Nalanda Mahavihara	Member
41.	Registrar/ AO, Central Institute of Buddhist Studies, Leh	
1.	Dr. Konchok Rigzen, Adm. Officer	Secretary

Annexure IV
COMPOSITION OF FINANCE COMMITTEE, CIBS, LEH

S.No.	Name and Address	Position
1.	Prof. Rajesh Ranjan Vice Chancellor, CIBS, Leh	Chairperson
2.	Person to be nominated by the Society of the Institute Shri Harish Kumar, Director (Finance), MoC	Member
3-4	Two nominees of the Board of Management; one shall be a member of the Board:	Member
a)	Prof. Wangchuk Dorjee Negi, Vice Chancellor CIHTS, (Deemed to be university) Sarnath, Varanasi (UP)	Member
b)	Shri Tsewang Dorji, I/C Accounts Officer, Finance Dept. UT of Ladakh	Member
5.	A representative of the Central Government	

a.	Shri Niraj Kumar, Director, (BTI), MoC, GoI.	Member
6.	Finance Officer of the institute (presently being officiated by Dr. Konchok Rigzen A.O. CIBS, Leh)	Member-Secretary

Annexure V

COMPOSITION OF PUBLICATION COMMITTEE, CIBS, LEH

S.No.	Name and Address	Position
1.	Vice Chancellor	Chairperson
2.	Dr.Pema Tenzin Publication Officer CIHTS, Saranath, Varanasi (UP)	Member
3.	Prof. Jamyang Gyaltsen Chief Editor, Encyclopedia of Himalayan Buddhist Culture, CIBS, Leh	Member
4.	Shri Tsultrim Gyatso (Retd) Tashi Thongmon, Choglamsar, Leh, Ladakh	Member
5.	Administrative Officer CIBS, Leh	Member
6.	Dr. Konchok Rigzen Research Officer CIBS, Leh	Member-Secretary

Annexure VI

COMPOSITION OF LIBRARY COMMITTEE, CIBS, LEH

S.	No. Name and Address	Position
1.	Vice Chancellor	Chairperson
2.	Librarian	Member

District Library, Leh

3.	Dr. Tashi Samphel Director, Srongtsan Library, Dehradun	Member
4.	Rev. Lagdor Director, Tibetan Library and Archives Dharamsala (H.P.)	Member
5.	Library & Information Officer CIBS, Leh	Member-Secretary

Annexure VII

COMPOSITION OF RESEARCH COMMITTEE, CIBS, LEH

S.No.	Name and Address	Position
1.	Vice Chancellor	Chairperson
2.	Prof. Ram Nandan Singh Department of Buddhist Studies, Jammu University	Member
3.	Dr. Gyurmet Dorjey Director, CIHCS, Dahung, Arunachal Pradesh	Member
4.	Prof. Lobzang Tsewang (Retd) Shey village, Leh, Ladakh	Member
5.	Dr Konchok Rigzen Research Officer, CIBS, Leh	Member-Secretary

Annexure VIII
STAFF STRENGTH CATEGORY-WISE OF CIBS, LEH

A. ACADEMIC POSTS

S.	Name of Post	PayLevel	Sanct.
1.	Vice-Chancellor	210000 (Fixed)	01
2.	Professor	AL-14	04
3.	Associate Professor	AL-13A	09
4.	Assistant Professor	AL-10	24
6.	T.G.T.	Level-07	12
7.	Instructor (WC)	Level-05	01
8.	Gonpa Teacher	Level-05	100

B. NON TEACHING STAFF

1.	Adm. Officer	Level-11	1
2.	Addl. Adm. Officer	Level-11	1
3.	Office Superintendent	Level-06	1
4.	Accountant	Level-06	1
5.	Staff Nurse	Level-06	1
6.	P.A.	Level-06	1
7.	Head Assistant	Level-06	1
8.	Stenographer	Level-05	1
9.	Office Assistant	Level-04	4
10.	Cashier	Level-04	1
11.	Store Keeper	Level-04	1
12.	LDC	Level-02	1
13.	Pump-Operator	Level-04	1
14.	Driver	Level-04	2
15.	Caretaker	Level-04	1
16.	Sr. Guardsman	Level-02	1
17.	Guardsman	Level-01	4
18.	Jamadar	Level-01	1
19.	Peon	Level-01	6

20.	Hostel Cook	Level-01	4
21.	Hostel Bearer	Level-01	1
22.	Canteen Bearer	Level-01	1
23	Nursing Orderly	Level-01	1
24.	Mali	Level-01	1
25.	Safaiwala	Level-01	3

Annexure VIII

C. LIBRARY STAFF

26.	Library and Information Officer	Level-10	1
27.	Asst. Editor-Cum-Cataloguer	Level-06	1
28.	Library Information Asst.	Level-06	1

D. RESEARCH WING

29.	Research Officer	Level-10	1
30.	Translator	Level-07	1

Annexure IX

RESULT OF THE STUDENTS OF THE CIBS (Deemed to be University), LEH FOR THE YEAR 2023-2024:

A. Semester I, III, V and Annual Exams.

S.No.	*Class*	*Total Students Enrolled*	*Total Appeared*	*Total Passed*	*Pass Percent-age*
1.	Shastri-I	15	14	14	100
2.	Shastri-II	19	18	18	100
3.	Shastri-III	18	18	18	100
4.	Shastri-III (Back)	13	13	08	61
5.	Acharya-I	21	20	20	100
6.	Acharya-II	20	20	20	100
7.	BFA Sculpture-I	03	03	03	100
8.	BFA Painting-I	03	03	03	100
9.	BFA W. Carving-I	01	01	01	100

10.	BFA Sculpture-II	02	02	02	100
11.	Painting –II	06	06	06	100
12.	Painting-III	02	02	02	100
13.	Sculpture-IV	01	01	01	100
14.	Painting-IV	01	01	01	100
15.	Sculpture-V	03	03	03	100
16.	Painting-V	03	03	03	100
17.	W. Carving-V	01	01	01	100
18.	Sculpture-VI	01	01	01	100
19.	Painting-VI	03	03	03	100
20.	Painting-VII	01	01	01	100
21.	Bhot Astrology-I	01	01	01	100
	Total	**138**	**135**	**130**	**96.29**

B. Semester II, IV, VI and Annual:

S.No.	*Class*	*Total Students Enrolled*	*Total Appeared*	*Total Passed*	*Pass Percentage*
1.	Shastri-I (B.A.)	11	11	11	100
2.	Shastri-II	18	18	18	100
3.	Shastri-III	18	17	17	100
4.	Shastri-III (Back)	10	10	09	90
5.	Acharya-I (M.A.)	19	18	18	100
6.	Acharya-II	19	19	19	100
S.No.	*Class*	*Total Students*	*Total Appeared*	*Total Passed*	*Pass Percentage*
1.	BFA Himalayan Sculpture-I	03	03	03	100
2.	BFA Thankha Painting-I	03	03	03	100
3.	BFA HimalayanW. Carving-I	01	01	01	100
4.	Sculpture-II	02	02	02	100
5.	BFA Painting –II	06	05	05	100
6.	Thankha Painting-III	02	02	02	100

7.	Himalayan Sculpture -IV	01	01	01	100
8.	Thankha Painting-IV	01	01	01	100
9.	Himalayan Sculpture-V	03	03	03	100
10.	Thankha Painting-V	03	03	03	100
11.	HimalayanW.Carving-V	01	01	01	100
12.	Himalayan Sculpture VI	02	02	02	100
13.	Thankha Painting-VI	03	03	03	100
14.	Thankha Painting-VII	01	01	01	100
15.	Bhot Astrology & Astronomy-I	01	01	01	100
S.No.	*Class*	*Total Students*	*Total Appeared*	*Total Passed*	*Pass Percentage*
1.	Sowa-Rigpa (BSRMS) 1st	04	04	04	100
2.	Sowa-Rigpa (BSRMS) 2nd	07	07	07	85
3.	Sowa-Rigpa (BSRMS) 3rd	15	15	15	100
4.	Sowa-Rigpa (BSRMS) 1st (2022-23 batches) T1	15	12	-	-
5.	Sowa-Rigpa (BSRMS) Final Professional Year	06	06	06	100
	Total	**175**	**169**	**145**	**86**

C. Senior Secondary School, CIBS, Leh

S.No.	*Class*	*Total Students Enrolled*	*Total Appeared*	*Total Passed*	*Pass Percentage*
1.	6th	31	30	27	90
2.	7th	33	30	27	90
3.	8th	44	40	38	95
4.	PM-I	81	81	56	69.1
5.	PM-II	67	67	54	81
6.	UM-I	40	39	34	87.2
7.	UM-II	53	51	44	86.3
	Grand Total	**349**	**338**	**280**	**82.8**

Annexure X

SCHOOL-WISE AND CLASS-WISE ENROLMENT OF STUDENTS OF THE GONPA/NUNNERY SCHOOLS OF CIBS, LEH FOR THE YEAR 2023–24

Name of Gonpa/ Class-Wise Total Enrolment No. of Nunnery School ———Teachers

S. No.	*Name of the Gonpa/ Nunnery School*	*1st*	*2nd*	*3rd*	*4th*	*5th*	*6th*	*7th*	*8th*	*Total*	*No. of Teacher Posted*
1.	Hemis Gonpa School, Hemis, Ladakh	02	08	01	07	05	13	09	08	53	5
2.	Shachukul Gonpa School, Ladakh	06	04	01	04	02	05	05	-	27	3
3	Chemday Gonpa School, Ladakh	-	05	05	04	04	-	-	-	18	2
4.	Anlay Gonpa School, Ladakh	02	-	03	04	04	-	-	-	13	2
5.	Karma Dupgyud Choslihg Gonpa School, Ladakh	07	04	-	08	-				19	1
6.	Likir Gonpa School, Ladakh	03	01	-	06	04				14	2
7.	Thiksay Gonpa School, Ladakh	01	-	04	-	-				05	1
8.	Samstanling Gonpa School, Ladakh	06	04	03	-	03				16	2

9.	Spituk Gonpa School, Ladakh	11	08	05	06	05	-	-	-	35	3
10.	Phyang Gonpa School, Ladakh	04	03	02	01	03				13	1
11.	Gyudzin Tantric Gonpa School, Ladakh	07	-	04	-	-				11	1
12.	Matho Gonpa School, Ladakh	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
13.	Hanuthang Gonpa School, Ladakh	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
14	StaknaGonpaSchool, Ladakh	02	04	03	03	03				15	2
15.	Skyurbuchan Gonpa School, Ladakh	03	-	-	02	02				07	1
16.	Nyoma Gonpa School, Ladakh	-	-	-	01	-				01	1
17.	Chushul Gonpa School. Ladakh	02	01	03	04	06				16	2
18.	Rizong Gonpa School, Ladakh	-	01	01	02	-				04	1
19.	Disket Gonpa School, Ladakh	-	02	03	03	03				11	1
20.	Yarma Gonbo Gonpa School, Ladakh	02	03	03	09	02				19	2
21.	Bardan Gonpa School, Ladakh	09	05	-	02	-				16	1
22.	Korzok Gonpa School, Ladakh	-	-	08	04	01				13	2
23.	KarshaGonpaSchool, Ladakh	01	08	05	03	-				17	2
24.	Lamayuru Gonpa School, Ladakh	-	07	04	05	03				19	3
25.	Phukthar Gonpa School, Zkr.	-	04	03	-	-	01	02	-	10	3
26.	Rangdum Gonpa School, Ladakh	01	02	02	-	01				06	1
27.	Muney Gonpa School, Ladakh	02	-	-	-	-				02	1
28.	Zongkhul Gonpa School, Ladakh	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-

29	Stakrimo Gonpa School, Ladakh	-	-	01						01	5
30.	Paldar Gonpa School, Paldar,	14	17	15	20	18				84	2
31.	Key Gonpa School, Kaza, Spiti, HP	-	-	10	05	10				25	2
32.	Tangyud Gonpa School, Kaza, Spiti, HP	-	02	04	02	01				09	-
33	Nalanda Gonpa School, School, Ladakh	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
34.	Urgyan Sangnag Choling Gonpa School, Spiti, HP	04	-	05	-	04				13	1
35	Drigung Kagyud Dorje Ying Monastery, Dehradun, UK	10	27	36	16	19				108	
NUNNERY SCHOOLS											
36.	Tingmosgang Nunnery School, Ladakh	-	01	-	04	-				05	1
37.	Skitmang Nunnery School, Skitmang, Ladakh	-	06	03	-	02				11	1
38.	Chulichan Nunnery School, Ladakh	03	-	-	-	01				04	1
39.	Bodhkharbu Nunnery School, Ladakh	02	01	-	-	01				04	1
40.	Wakha Nunnery School, Ladakh	05	-	-	01	01				07	1
41.	Shargol Nunnery School, Ladakh	04	01	01	01					07	1
42.	Zangla Nunnery School, Ladakh	03	01	06	01	06				17	2
43.	Karsha Nunnery School, Ladakh	03	02	01	-	-				06	1
44.	Tashi Chosling Nunnery, Kanam, Kinnaur, HP	08	02	02	-	-				12	1

45.	Sakya Nunnery School, Ladakh	03	01	-	01	-				05	1
46.	Yangchan Choling Nunnery School, Pangmo, Spiti, HP	-	-	05	05	-				10	1
47.	Tungri Nunnery School, Tungri, Ladakh	01	-	02	-	02				05	1
48	Dorje Zong Nunnery School, Ladakh	07	04	04	05	01				21	2
49	Fakmoling Nunnery School, Skyagam, Ladakh	02	07	01	01	04				15	2
50	Dechen Chholing Nunnery School,Pin Valley, Spiti,HP	-	06	05	-	04				15	2
	Grand Total :-	**133**	**152**	**167**	**140**	**125**	**19**	**16**	**8**	**760**	**75**

Annexure XI

RESULTs OF THE STUDENTS OF DUZIN PHOTANG SCHOOL, ZANSKAR, KARGIL LADAKH FOR THE YEAR 2023-2024.

S.No.	*Class*	*Total Students Enrolled*	*Appeared*	*Passed*	*Pass %*
1.	1st	38	38	38	100
2.	2nd	30	27	27	90
3.	3rd	25	25	25	100
4.	4th	26	26	26	100
5.	5th	34	34	34	100
6.	6th	32	32	32	100
7.	7th	32	32	32	100
8.	8th	30	30	30	100
9.	9th	18	18	16	89
10.	10th	20	20	17	85

	Total	285	282	277	98

Annexure XII

THE STAFF STRENGTH OF THE DUZIN PHOTANG SCHOOL, ZANSKAR

		Grade (in `)	Sanct. Post
A.	TEACHANG STAFF		
1.	Headmaster	Pay Level -8	1
2.	TGT	Pay Level-7	7
3.	Primary Teacher	Pay Level-5	5
4.	PET (Contractual)	44900 (Fixed)	1
5.	Computer Inst. (contractual)	44900 (Fixed)	1
B. NON-TEACHANG STAFF			
1.	UDC (Contractual)	25,500 (Fixed)	1
2.	Cook	Pay Level-1	1
3.	Peon cum Chowkidar	Pay Level-1	1
4.	Driver (Contractual)	19,900 (Fixed)	1
5.	Mali (Contractual)	18,000 (Fixed)	1
6.	Sweeper	Pay Level-1	1
7.	Guardsman (Contractual)	18,000 (Fixed)	1
8.	Hostel Cook (Cont.)	19,900 (Fixed)	1

Annexure XIII

RESULTS OF THE BAUDDHA DARSHAN SANSKRIT VIDYALAYA, MANDOGALU, MANDI, HP FOR THE YEAR 2023–2024

S.No.	*Class*	*Total Students Enrolled*	*Appeared*	*Passed*	*Pass %*
1.	1st	13	13	13	100%
2.	2nd	10	10	10	100%
3.	3rd	08	08	08	100%
4.	4th	06	06	06	100%
5.	5th	06	06	06	100%
6.	6th	10	10	10	100%
7.	7th	06	06	06	100%
8.	8th	03	03	03	100%
9.	9th	Nil	Nil	Nil	

10.	10th	Nil	Nil	Nil	
	Total	**62**	**62**	**62**	**100%**

THE STAFF STRENGTH OF BAUDDHA DARSHAN SANSKRIT VIDYALAYA, MANDOGA-LU, MANDI, HP.

S.No.	Teaching Staff	Pay Band	Sanct. Post
A.	**Teaching Staff**		
1.	Headmaster	Pay Level-8	1
2.	TGT	Pay Level-7	8
3.	Phy. Ed. Teacher	Pay Level-7	1
B. Non-Teaching Staff			
4.	UDC	Pay Level-4	1
5.	Class-IV	Pay Level-3	3

****

केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान

(सम विश्वविद्यालय)

(चोगलमसर, लेह केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख)

Central Institute of Buddhist Studies

(Deemed to be University)

(Choglamsar, Leh (Union Territory of Ladakh)